आज़ादी का अमृत महोत्सव

प्रसार भारती

PRASAR BHARATI

भारत का लोक सेवा प्रसारक

वार्षिक रिपोर्ट

2021-22

prasarbharati.gov.in

भारत का लोक सेवा प्रसारक

वार्षिक रिपोर्ट

2021-22

विषय-वस्तु

अध्याय 1	प्रसार भारती – एक अवलोकन	1
अध्याय 2	वैश्विक आउटरीच	7
अध्याय 3	क्षमता निर्माण–प्रशिक्षण अवसंरचना	18
अध्याय 4	सामान्य सुविधाएं (आकाशवाणी और दूरदर्शन के लिए)	24
अध्याय 5	मानव संसाधन और प्रशासन	36
	आकाशवाणी	
अध्याय 6	आकाशवाणी – तथ्यों पर एक नज़र	46
	दूरदर्शन	
अध्याय 7	दूरदर्शन – तथ्यों पर एक नज़र	91
	वित्त एवं लेखे	
अध्याय 8	प्रसार भारती – वित्त एवं लेखे	141
	अनुलग्नक	
अनुलग्नक-I	दूरदर्शन स्टूडियो केंद्रों की राज्यवार सूची	173
अनुलग्नक-II	राज्यवार दूरदर्शन ट्रांसमीटरों की संख्या	175
अनुलग्नक-III	दूरदर्शन सैटेलाइट चैनलों का विवरण	177
अनुलग्नक-IV	23 डिजिटल स्थलीय ट्रांसमीटरों की स्थिति	178
अनुलग्नक-V	सैटेलाइट जीसैट–15,93.5 ई शैक्षिक 51 चैनलों का डीडी फ्री डिश एसटीबी पर उपलब्ध विवरण	179
अनुलग्नक-VI	दूरदर्शन द्वारा लाइव कवर किए गए प्रमुख कार्यक्रम	180

अनुलग्नक-VII	आकाशवाणी और दूरदर्शन सर्कल के लिए 2021–22 के दौरान सिविल निर्माण स्कंध द्वारा शुरू की गई प्रमुख परियोजनाएं	191
अनुलग्नक-VIII	आकाशवाणी द्वारा महत्वपूर्ण कवरेज, प्रसारण और रेडियो रिपोर्टों का विवरण	195
अनुलग्नक-IX	वर्तमान में प्रसारित होने वाली आकाशवाणी विदेशी सेवाओं का विवरण	203

अध्याय 1

प्रसार भारती – एक अवलोकन

क. परिचयः

प्रसार भारती, भारत का लोक सेवा प्रसारक प्रसार भारती अधिनियम, 1990 के तहत स्थापित किया गया था, और यह 23 नवंबर, 1997 को अस्तित्व में आया। इसका उद्देश्य लोक प्रसारण सेवाओं को संगठित और संचालित करना – सूचना देना, शिक्षा और मनोरंजन प्रदान करने के साथ–साथ रेडियो और टेलीविज़न पर प्रसारण का संतुलित विकास सुनिश्चित करना है। वर्षों से इसने प्रसार भारती अधिनियम में निहित अपने वैधानिक जनादेश को पूरा करने के लिए अथक प्रयास किया है।

आकाशवाणी (ऑल इंडिया रेडियो – रेडियो नेटवर्क) और दूरदर्शन (टेलीविजन नेटवर्क) इसके घटक हैं। प्रसार भारती डीडी फ्रीडिश भी संचालित करता है, जो एकमात्र निःशुल्क डायरेक्ट टू होम सेवा है जो भारत में सबसे बड़ा वितरित डीटीएच प्लेटफॉर्म है। प्रसार भारती डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से अपने दर्शकों तक भी पहुंचता है और न्यूज़ऑनएयर ऐप के साथ–साथ प्रसार भारती न्यूज़ सर्विस का संचालन करता है जो इसकी राष्ट्रव्यापी और बहुभाषी प्रसारण सेवाओं के साथ मिलकर इसकी डिजिटल सेवाएं दूरदर्शन और आकाशवाणी पर हैं।

दूरदर्शन और आकाशवाणी ने राष्ट्र के विकास में उत्प्रेरक की भूमिका निभाई है। कृषि, औद्योगिक विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, टीकाकरण, महिलाओं की मुक्ति, जमीनी स्तर पर शासन को मजबूत करने और लोकतंत्रीकरण प्रक्रिया जैसे लगभग हर क्षेत्र में रेडियो और टेलीविज़न द्वारा किए गए योगदान को अच्छी तरह से मान्यता प्राप्त है। प्रसारण नेटवर्क राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सार्वजनिक हित के मामलों पर स्वतंत्र रूप से और निष्पक्ष रूप से सूचित करने के लिए नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करते हैं, और किसी भी विचारधारा को बढ़ावा दिए बिना अलग–अलग विचारों सहित सूचना के निष्पक्ष और संतुलित प्रवाह की सुविधा प्रदान करते हैं। संगठन देश की एकता और अखंडता और संविधान में निहित मूल्यों को बनाए रखने का प्रयास करता है।

सांस्कृतिक विविधता और भाषाओं, ग्रामीण विकास, पर्यावरण, खाद्य और कृषि, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, शिक्षा, खेल और विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर ध्यान केंद्रित किया जाता है। युवाओं की विशेष जरूरतों, महिलाओं के सशक्तिकरण, सामाजिक न्याय, श्रमिक वर्गों के कल्याण, अल्पसंख्यकों और आदिवासी समुदायों के कल्याण, बच्चों और समाज के कमजोर वर्गों के हितों की रक्षा के लिए कार्यक्रम प्रसारित किए जाते हैं। विषय को सीधा प्रसारित भी किया जाता है और मोबाइल ऐप न्यूयज़ऑनएयर के माध्यम से कहीं भी देखा और सुना जा सकता है।

प्रसार भारती चैनल देश में एक अत्यधिक व्यावसायिक इलेक्ट्रॉनिक मीडिया वातावरण में विश्वसनीयता और विश्वास की स्थिति पर कब्जा किए हुए है। प्रसार भारती द्वारा तैयार किए गए नैतिक मानदंड और दिशानिर्देश उद्योग के लिए एक बेंचमार्क प्रदान करते हैं।

ख. उद्देश्यः

प्रसार भारती अधिनियम, 1990 में निर्धारित प्रसार भारती के मुख्य उद्देश्य निम्नानुसार हैंः–

i) देश की एकता और अखंडता तथा संविधान में दिए गए मूल्यों को अक्षुण्ण रखना।

ii) राष्ट्रीय अखंडता को बढ़ावा देना।

iii) सार्वजनिक हित के सभी विषयों की जानकारी प्राप्त करने के नागरिक अधिकारों को सुरक्षित रखना और सूचना को उचित और संतुलित रूप में प्रस्तुत करना।

iv) शिक्षा और साक्षरता के प्रसार, कृषि, ग्रामीण विकास, पर्यावरण, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण तथा विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों की ओर विशेष ध्यान देना।

v) महिलाओं से संबंधित मामलों के संबंध में जागरूकता उत्पन्न करना तथा बच्चों, बुजुर्गों और समाज के अन्य निर्बल वर्ग के लोगों के हितों की रक्षा करने के लिए विशेष उपाय करना।

vi) विविध संस्कृतियों, क्रीड़ा व खेलकूद और युवा मामलों को पर्याप्त कवरेज देना।

vii) सामाजिक न्याय को बढ़ावा देना, श्रमजीवी वर्ग, अल्पसंख्यकों और जनजाति समुदायों के अधिकारों की रक्षा करना।

viii) प्रसारण प्रौद्योगिकी में प्रसारण सुविधाओं का प्रसार और विकास तथा शोध को बढ़ावा देना।

ग. प्रसार भारती बोर्ड

प्रसार भारती का संचालन प्रसार भारती बोर्ड द्वारा किया जाता है। बोर्ड की अध्यक्षता एक अध्यक्ष द्वारा की जाती है और इसमें तीन पूर्णकालिक सदस्य होते हैं– कार्यकारी सदस्य (मुख्य कार्यकारी अधिकारी), सदस्य (वित्त) और सदस्य (कार्मिक)। बोर्ड में छः अंशकालिक सदस्य, सूचना और प्रसारण मंत्रालय के एक प्रतिनिधि और आकाशवाणी और दूरदर्शन के महानिदेशक पदेन सदस्य हैं।

अध्यक्ष का कार्यकाल 70 वर्ष की अधिकतम आयु सीमा के अंतर्गत तीन वर्षों का होता है, जो भी पहले हो। कार्यकारी सदस्य का कार्यकाल 65 वर्ष की आयु सीमा के अंतर्गत पांच वर्षों का होता है, जो भी पहले हो। सदस्य (वित्त) और सदस्य (कार्मिक) का कार्यकाल 62 वर्ष की अधिकतम आयु सीमा के अंतर्गत छः वर्षों का होता है, जो भी पहले हो। प्रसार भारती बोर्ड की एक वर्ष में कम से कम छः बैठकें होती हैं।

प्रसार भारती बोर्ड की संरचना वर्ष 2021–22 के दौरान इस प्रकार थी:

- अध्यक्ष — रिक्त
- मुख्य कार्यकारी अधिकारी — श्री शशि शेखर वेम्पटि

पूर्णकालिक सदस्य

- सदस्य (कार्मिक) — रिक्त
- सदस्य (वित्त) — श्री राजीव सिंह (08.04.2021 तक)
  श्री डी.पी.एस. नेगी (01.12.2021 से)

सूचना और प्रसारण मंत्रालय द्वारा नामित सदस्य

- अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहाकार, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय — श्री अली आर. रिज़वी (06.04.2021 तक) नामित सदस्य
- अपर सचिव एवं मुख्य सतर्कता अधिकारी, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय — श्रीमती नीरजा शेखर (07.04.2021 से) नामित सदस्य

अंशकालिक सदस्य

- श्री अशोक कु. टंडन — 08.07.2020 से
- श्री आलोक अग्रवाल — 08.07.2020 से
- श्री संजय गुप्ता — 08.07.2020 से

- श्रीमती शाइना एनसी 09.07.2020 से
- श्रीमती काजोल देवगन 23.11.2021 तक
- श्री सलीम मर्चेंट 23.11.2021 तक

पदेन सदस्य

- महानिदेशक, दूरदर्शन श्री मयंक कुमार अग्रवाल (अतिरिक्त प्रभार)
- महानिदेशक, आकाशवाणी श्री एन वेणुधर रेड्डी (30.06.2021 से) (अतिरिक्त प्रभार)

प्रसार भारती बोर्ड की बैठकें

वर्ष के दौरान, प्रसार भारती बोर्ड की 6 बैठकें (167वीं से 172वीं) और बोर्ड समितियों की 18 बैठकें आयोजित की गईं। इन बैठकों के दौरान लिए गए कुछ महत्वपूर्ण निर्णय और जिन प्रमुख मामलों पर विचार–विमर्श किया गया, वे इस प्रकार हैं:

- प्रसार भारती प्लेटफार्मों के लिए निर्धारित लाइसेंस शुल्क पर फीचर फिल्मों की खरीद के लिए संशोधित नीति
- रेडियो आत्मकथा के लिए नीति
- वित्तीय वर्ष 2020–21 के लिए प्रसार भारती के वार्षिक खातों को मंजूरी
- प्रसार भारती और संसद टीवी के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर
- डीडी एनालॉग टेरेस्ट्रियल टीवी ट्रांसमीटर (एटीटी) के लिए आगे का रास्ता
- आकाशवाणी एनालॉग मी.वे. और शा.वे. ट्रांसमीटरों के लिए आगे का रास्ता
- प्रसार भारती प्रसारण (कार्यक्रम) सेवा विनियमन तैयार करना

घ. संगठनात्मक ढांचा

प्रसार भारती बोर्ड निगम के मामलों के सामान्य अधीक्षण, निर्देशन और प्रबंधन को सुनिश्चित करने के लिए शीर्ष स्तर पर कार्य करता है। बोर्ड को एक सचिवालय द्वारा सहायता प्रदान की जाती है, जिसमें कार्यक्रम, तकनीकी, वित्त और प्रशासन के अधिकारी शामिल हैं।

कार्यकारी सदस्य प्रसार भारती के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) हैं। प्रसार भारती सचिवालय में विभिन्न धाराओं के अधिकारी प्रचालन, योजनाओं और नीतियों के कार्यान्वयन के साथ–साथ बजट, खातों और वित्तीय मामलों के प्रबंधन की देखरेख में मुख्य कार्यकारी अधिकारी, सदस्य (वित्त) और सदस्य (कार्मिक) की सहायता करते हैं।

आकाशवाणी (एआईआर) और दूरदर्शन (डीडी) निदेशालय प्रत्येक का नेतृत्व महानिदेशक करते हैं। आकाशवाणी के समाचार विंग का नेतृत्व महानिदेशक, समाचार सेवा प्रभाग (एनएसडी) और दूरदर्शन के महानिदेशक, समाचार और समसामयिक मामले (एन एंड सीए) द्वारा किया जाता है।

महानिदेशकों को कार्यक्रम, प्रशासन और वित्त विंग मैं अपर महानिदेशक (एडीजी) और इंजीनियरिंग विंग में एक प्रमुख अभियंता द्वारा सहायता प्रदान की जाती है।

निदेशालय नीति निर्माण, योजना और विकास, बुनियादी ढांचे और प्रौद्योगिकी उन्नयन, बजटीय योजना और नियंत्रण, मानव संसाधन प्रबंधन, संचालन और रखरखाव गतिविधियों की देखरेख आदि के लिए जिम्मेदार हैं।

क्षेत्रीय स्तर का प्रचालन और प्रबंधन उत्तरी क्षेत्र (दिल्ली), दक्षिण क्षेत्र (चेन्नई), पूर्व क्षेत्र (कोलकाता), पश्चिम क्षेत्र (मुंबई) और पूर्वोत्तर क्षेत्र (गुवाहाटी) में क्षेत्रीय कार्यालयों के माध्यम से निष्पादित किया जाता है। अपर महानिदेशक स्तर के अधिकारी सामग्री प्रचालन, प्रसारण प्रचालन और प्रशासन के लिए क्षेत्रीय प्रमुख के रूप में कार्य करते हैं। एक राष्ट्रीय क्षेत्र दूरदर्शन और आकाशवाणी के राष्ट्रीय चैनलों की निगरानी करता है।

प्रसार भारती के मुख्यालयों में एकीकृत सतर्कता सेटअप स्थापित है, जिसकी अध्यक्षता मुख्य सतर्कता अधिकारी करते हैं।

आकाशवाणी के विक्रय और बिलिंग गतिविधियों को देश भर में विभिन्न स्थानों पर स्थित 15 मुख्य विज्ञापन प्रसारण सेवा (सीबीएस) केंद्रों (अब नाम बदलकर विक्रय केंद्र किया गया है) के साथ–साथ मुंबई में स्थित केंद्रीय विक्रय एकांश (सीएसयू) द्वारा नियंत्रित किया जाता है। दिल्ली में विज्ञापन राजस्व प्रभाग (सीआरडी) (अब नाम बदलकर पीओएस किया गया है) सरकारी व्यवसाय की देखरेख करता है। दूरदर्शन में विक्रय गतिविधियों को मुंबई, नई दिल्ली, कोलकाता और बेंगलुरू में स्थित विज्ञापन राजस्व प्रभागों (सीआरडी) (नाम बदलकर विक्रय प्रभाग किया गया है) द्वारा नियंत्रित किया जाता है। दिल्ली में स्थित दूरदर्शन विज्ञापन सेवा (डीसीएस) द्वारा बिलिंग का संचालन किया जाता है।

प्रसार भारती का एक प्रशिक्षण स्कंध राष्ट्रीय प्रसारण और मल्टीमीडिया अकादमी है, इसका मुख्य कैंप किंग्ज़्वे कैंप दिल्ली में स्थित है। इसके क्षेत्रीय कैंप भुवनेश्वर और शिलांग में भी हैं। अकादमी का कार्यक्रम प्रभाग कार्यक्रम और प्रशासनिक कर्मियों के सेवाकालीन प्रशिक्षण के लिए जिम्मेदार है। तकनीकी प्रभाग इंजीनियरिंग कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित करता है। एनएबीएम विभिन्न संवर्गों में भर्ती के लिए परीक्षा सहित कर्मचारियों के लिए विभागीय पदोन्नति परीक्षा भी आयोजित करता है।

अभिलेखागार, अनुसंधान विभाग, सिविल निर्माण स्कंध (सीसीडब्ल्यू) और आकाशवाणी संसाधन आकाशवाणी और दूरदर्शन के लिए सामूहिक सुविधाएं हैं।

12.02.2020 को बनाया गया प्रसार भारती भर्ती बोर्ड (पीबीआरबी), भारत सरकार के संयुक्त सचिव के स्तर से नीचे स्तर के कार्मिकों की भर्ती का नियंत्रण करता है।

ङ. विषय सुधार और नीतियां:

1. डिजिटल प्लेटफॉर्म :

(क) पीबीएनएस के प्रमुख मील के पत्थर, परिणाम और उपलब्धि

i) 13 मई, 2019 – पीबीएनएस का संचालन शुरू हुआ।

ii) पीबीएनएस ट्विटर हैंडल का जून 2019 में सत्यापित हो गया। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने जुलाई 2019 में पीबीएनएस ट्विटर हैंडल का अनुसरण करना शुरू किया।

iii) कोविड प्रबंधनः कोविड महामारी के दौरान जागरूकता और गलत सूचना से निपटने पर टीवी और रेडियो कार्यक्रमों का डिजिटल प्रवर्धन, "घर पर रहें सुरक्षित रहें" का सोशल मीडिया अभियान, और सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर व्यापक, समय पर कवरेज।

iv) नेटवर्क–वाइड प्लेटफॉर्म एनडीएमएस, समाचार एकत्र करने के लिए एक शक्तिशाली उपकरण लॉन्च किया गया।

v) सामग्री सिंडिकेशन के लिए, एवीएम आदि के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय सामग्री वितरण, और एफ़टीपी के माध्यम से निजी मीडिया को श्रवण–बाधित वीडियो–आधारित सामग्री का वितरण शुरू हुआ।

vi) न्यूज़ ऑन एअर वेबसाइट को नवीकृत किया और ऐप लॉन्च की गई।

vii) पीबीएनएस टेलीग्राम मीडिया को निःशुल्क सामग्री प्रदान करने के लिए लॉन्च किया गया है – आज एक आई ऑन, साइन लैंग्वेज बुलेटिन, मीडिया स्कैन, हिंदी और अंग्रेजी लेख, हिंदी और अंग्रेजी वीडियो, नकली समाचार बस्टिंग, पत्रिका, ग्राफिक्स (जैसे – कोरोना जागरूकता श्रृंखला)।

viii) पीबीएनएस ट्विटर हैंडल पर 22 फरवरी 2022 को 150 हजार फॉलोअर्स ने हिट किया, 13 जुलाई 2021 को 100 हजार और 25 जुलाई 2020 को 50 हजार फॉलोअर्स ने हिट किया।

(ख) भारत के लोक सेवा प्रसारक की वैश्विक डिजिटल शाखा का निर्माण

प्रसार भारती की डिजिटल उपस्थिति के लिए ब्लू प्रिंट तैयार करना। प्रसार भारती के तत्वावधान में सूचना और प्रसारण मंत्रालय के लिए अंतरिक्ष की पहचान, बुनियादी ढांचे का समन्वय, जनशक्ति को काम पर रखना और अपनी तरह की पहली डिजिटल समाचार एजेंसी सेवा को चालू करना।

(ग) समाचार एजेंसी सेवाएं

- समाचार सेवा एएनआई की भागीदारी और सभी तीन कार्यक्षेत्रों, अर्थात् आकाशवाणी, दूरदर्शन और डिजिटल के लिए सामग्री वितरण।
- प्रसार भारती नेटवर्क के लिए विदेशी समाचार एजेंसियों की सेवाओं की सुविधा।
- आकाशवाणी, दूरदर्शन और पीबीएनएस के लिए बहुभाषी समाचार सेवा की शुरूआत।
- लघु पाठ, लंबे पाठ, वीडियो मानक एचडीई के रूप में सूचना के शुभारंभ के साथ राष्ट्रीय प्रसारक के लिए डिजिटल मीडिया एजेंसी के रूप में पीबीएनएस विकसित करना और हैंड हेल्ड डिवाइस पर सबसे उपयुक्त वर्टिकल वीडियो के लिए एक विशेष पहल।
- सत्यापित सामग्री के लिए स्रोत की पुष्टि, प्रमाणीकरण और कनेक्ट करके सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के माध्यम से नकली समाचार ध्वस्त करना।
- मुख्य सर्किट पैरामीटर डिजाइन और एनडीएमएस टूल का निष्पादन पर्यवेक्षण और प्रबंधन।

(घ) सोशल मीडिया प्रवर्धन और डिजिटल संचालन

i) दूरदर्शन, आकाशवाणी और पीबीएनएस के सोशल मीडिया हैंडल पर कवर किए गए सभी प्रभावशाली कार्यक्रम। प्रसार भारती सीएमएस में चैनलों को जोड़ने, सोशल मीडिया खातों के सत्यापन, मुद्रीकरण और सामग्री स्वामित्व के बारे में संभावित दावों को मंजूरी देने सहित सामग्री प्रबंधन के बारे में विभिन्न गतिविधियां की गई हैं।

ii) डीडी नेशनल, डीडी इंडिया सोशल मीडिया हैंडल में बड़े पैमाने पर वृद्धि देखी गई है, जब संचालन पीबीएनएस और डीपी को सौंप दिया गया था।

iii) पीबी लद्दाख प्रत्यक्ष प्रबंधन के लिए बनाया गया था।

iv) प्रसार भारती सीएमएस में चैनलों को जोड़ने, सोशल मीडिया खातों का सत्यापन करने, मुद्रीकरण और सामग्री स्वामित्व के बारे में संभावित दावों को मंजूरी देने सहित सामग्री प्रबंधन के संबंध में विभिन्न गतिविधियां की गई हैं।

v) वर्ष के लिए सामग्री प्रबंधन प्रणाली के अनुसार प्रसार भारती यूट्यूब की कुल पहुंच हैः इंप्रेशन 14.7 बिलियन।

(ड.) सूचना प्रौद्योगिकी की पहलः

आईटी प्रभाग ने उक्त अवधि के दौरान कई ऑनलाइन पोर्टल/सॉफ्टवेयर इन–हाउस विकसित किए हैं।

च. महत्वपूर्ण गतिविधियां और उपलब्धियां:

- आकाशवाणी और दूरदर्शन नेटवर्क का आधुनिकीकरण/उन्नयन एक सतत् प्रक्रिया है। आधुनिकीकरण योजनाएं एक व्यापक स्पेक्ट्रम को कवर करती हैं, जिसमें अन्य बातों के साथ–साथ डिजिटलीकरण शामिल है; अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप नई प्रौद्योगिकियों को अपनाना; पुराने पुराने उपकरणों को बदलना और उन्नयन आदि। इस संबंध में योजनाएं समय–समय पर तैयार की जाती हैं और सरकार के अनुमोदन के अनुसार कार्यान्वित की जाती हैं जो निधियों / संसाधनों की उपलब्धता और पारस्परिक प्राथमिकताओं पर निर्भर करती हैं।
- प्रसारण में उभरती प्रवृत्तियों और दर्शकों की देखने की आदतों में बदलाव को ध्यान में रखते हुए प्रसार भारती ने 5जी प्रसारण जैसे उभरते मानकों के अनुरूप डिजिटल स्थलीय प्रसारण के लिए अगली पीढ़ी के प्रसारण समाधान

/ रोडमैप विकसित करने के लिए आईआईटी कानपुर के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं । इस अवधि के दौरान बेंगलुरू में अगली पीढ़ी के प्रसारण प्रौद्योगिकी (डी2एम) का पीओसी / परीक्षण किया जा रहा था।

- कंटेंट इनोवेशन एक प्रमुख क्षेत्र है और इसने रेडियो और टेलीविजन में तालमेल देखा है, व्यापक विविधता को संबोधित करने के लिए भाषा प्रवर्धन, और समृद्ध अभिलेखागार से राजस्व पैदा किया है। सार्वजनिक सेवा प्रसारण के अपने प्राथमिक मिशन पर ध्यान केंद्रित करते हुए, उद्योग में सर्वश्रेष्ठ के सहयोग से निर्मित नए और अभिनव स्वरूपों में लोकप्रिय सामग्री ने नेटवर्क पर मनोरंजन को एक नया उत्साह और बढ़ावा दिया है। डीडी इंडिया – दूरदर्शन के अंतर्राष्ट्रीय चैनल की अंतर्राष्ट्रीय स्त र पर लोकप्रियता भी पिछले एक साल में बढ़ी है, जिससे यह दुनिया भर में फैले भारतीय प्रवासियों के बीच लोकप्रिय हो गया है।
- डीडी फ्री डिश जो एक फ्री टू एयर (एफटीए) डीटीएच सेवा है, इसे हाल ही में संवर्धित किया गया है। इसके वर्तमान बुके में 161 टीवी चैनल (1 एचडी सहित), 38 डीडी चैनल, 2 संसदीय चैनल, 51 सह–ब्रांडेड शैक्षिक चैनल, 2 विदेशी सार्वजनिक प्रसारण चैनल और 65 निजी जीईसी, फिल्म, समाचार, संगीत और 48 रेडियो चैनल शामिल हैं। वर्तमान में 38 मिलियन घरों में उपलब्ध, यह देश का सबसे बड़ा डीटीएच प्लेटफॉर्म है।
- आकाशवाणी और दूरदर्शन दोनों ही ऐतिहासिक महत्व की विषय–वस्तु के अलावा संगीत, नाटकों, धारावाहिकों आदि के अमूल्य अभिलेखीय संग्रहों के भंडार हैं, जिन्हें पूरी तरह से डिजिटल कर दिया गया है और ऑनलाइन उपलब्ध कराया गया है।
- आकाशवाणी के 485 प्रसारण केंद्रों और देश भर में फैले 66 दूरदर्शन केंद्रों के साथ, प्रसार भारती विकासात्मक आउटरीच और वाणिज्यिक संदेश के लिए सबसे प्रभावी संचार प्लेटफार्मों में से एक प्रदान करता है।

अध्याय 2

वैश्विक आउटरीच

प्रसार भारती का ग्लोबल आउटरीच विंग अंतरराष्ट्रीय संबंधों से संबंधित गतिविधियों जैसे विदेशों के लोक सेवा प्रसारकों/संगठनों के साथ समझौता और समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने से संबंधित है। यह प्रसार भारती के सभी कार्यक्षेत्रों में विदेशी प्रसारकों की अधिकारिक यात्राओं, प्रसार भारती के लिए इन–कंट्री / उप–क्षेत्रीय कार्यशालाओं / सम्मेलनों / कार्यक्रमों का आयोजन करने की सुविधा प्रदान करता है, जिसमें एबीयू एआईबीडी आदि जैसे अंतर्राष्ट्रीय प्रसारण संगठन शामिल होते हैं और विदेशों में या भारत में आयोजित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं / कार्यक्रमों / सम्मेलनों में इसके अधिकारियों की भागीदारी का समन्वय होता है।

क. वर्ष के दौरान हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन (एमओयू)/समझौते:

1. वर्ष के दौरान प्रसार भारती द्वारा निम्नलिखित समझौता ज्ञापनों/समझौते पर हस्ताक्षर किए गए:

क्र.सं.	देश	प्रसारक / संगठन	हस्ताक्षर की तारीख	उद्देश्य
1.	सेशल्स	सेशेल्स ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन (एसबीसी)	17.08.2021	कार्यक्रम विषय विनिमय, सह–उत्पादन और प्रशिक्षण
2	जर्मनी	डॉयचे वेले	09.11.2021	डीडी नेटवर्क पर मंथन कार्यक्रम का प्रसारण
3	कोरिया	केबीएस कोरिया	21.12.2021	ओटीटी प्लेटफॉर्म मायकेके पर डीडी इंडिया की मेज़बानी।
4	अमेरीका	यप्प टीवी	07.03.2022	ओटीटी प्लेटफॉर्म पर डीडी इंडिया की मेज़बानी।
5	जर्मनी	डॉयचे वेले	14.03.2022	डीडी नेटवर्क पर इको इंडिया कार्यक्रम का प्रसारण
6	ऑस्ट्रेलिया	विशेष प्रसारण सेवा (एसबीएस)	17.03.2022	कार्यक्रम विषय विनिमय, सह–उत्पादन और प्रशिक्षण
7	फ़िजी	फिजी ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एफबीसी)	प्रसार भारती और एफबीसी फिजी के बीच ऑडियो–वीडियो कार्यक्रमों के आदान–प्रदान के लिए 18.03.2022 को हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन में एक परिशिष्ट पर हस्ताक्षर किए गए।	कार्यक्रम विषय विनिमय, सह–उत्पादन और प्रशिक्षण

- **डॉयचे वेले के साथ समझौता ज्ञापन:** डॉयचे वेले, जर्मनी ने डीडी चैनलों पर प्रसारण के लिए विज्ञान कार्यक्रम की एक श्रृंखला की पेशकश की। इस संबंध में 09.11.2021 को डॉयचे वेले के साथ एक समझौता ज्ञापन (पहले एपिसोड के प्रसारण की तारीख से एक वर्ष के लिए वैध) पर हस्ताक्षर किए गए थे, जिसके तहत दूरदर्शन के विभिन्न चैनलों पर हिंदी/अंग्रेजी/क्षेत्रीय भाषाओं में "मंथन" (जिसे "पत्रिका" कहा जाता है) नामक कार्यक्रम प्रसारित किया गया था।

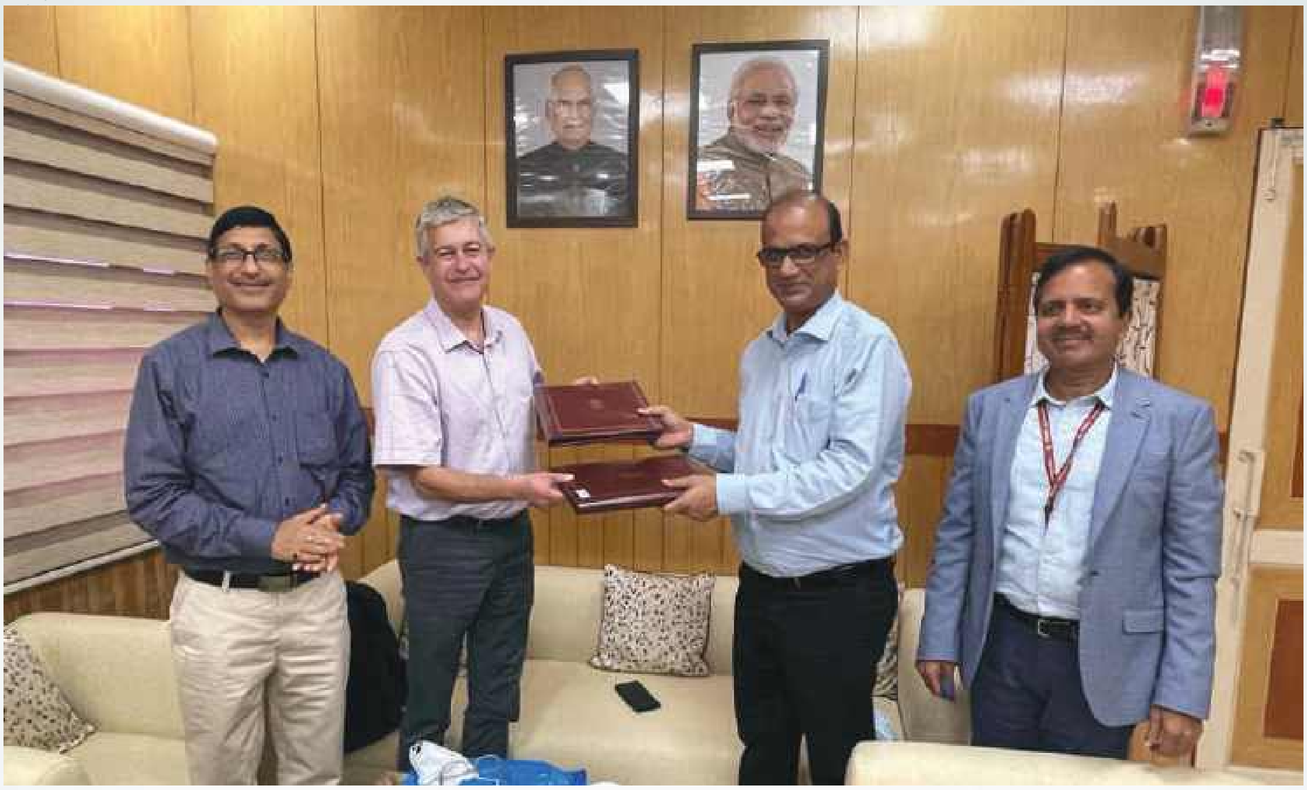

09.11.2021 को प्रसार भारती और डॉयचे वेले, जर्मनी के बीच समझौता ज्ञापन का विनिमय

- **एसबीसी के साथ समझौता ज्ञापनः** प्रसार भारती, भारत और सेशेल्स ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन, सेशेल्स के पब्लिक ब्रॉडकास्टर (एसबीसी) के बीच प्रसारण पर सहयोग और सहकारिता पर समझौता ज्ञापन पर 17.8.2021 को हस्ताक्षर किए गए। सेशेल्स में भारत के उच्चायुक्त जनरल दलबीर सिंह सुहाग ने प्रसार भारती की ओर से समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, जबकि एसबीसी के सीईओ श्री बेरार्ड डुपरेस ने एसबीसी, सेशेल्स की ओर से इस पर हस्ताक्षर किए।

17.08.2021 को प्रसार भारती, भारत और सेशेल्स ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन, सेशेल्स (एसबीसी) के पब्लिक ब्रॉडकास्टर के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर।

- **केबीएस कोरिया के साथ समझौता ज्ञापनः** प्रसार भारती और केबीएस कोरिया के बीच एक समझौता ज्ञापन को 21.12.2021 को एक और वर्ष (यानी 01.01.2022 से 31.12.2022) के लिए नवीनीकृत किया गया था, जिसमें मायकेके ऐप प्लेटफॉर्म पर डीडी इंडिया चैनल की मेज़बानी के लिए आपसी सहमति थी।

- **यप्प टीवी यूएसए के साथ समझौता ज्ञापनः** यप्प टीवी ओटीटी प्लेटफॉर्म पर डीडी इंडिया चैनल की मेज़बानी के लिए 07.03.2022 को प्रसार भारती और यप्प टीवी के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए और आदान–प्रदान किया गया। समझौता ज्ञापन के अनुसार, यप्प टीवी अमेरिका, ब्रिटेन, यूरोप, ऑस्ट्रेलिया, मलेशिया और मध्य पूर्व में डीडी इंडिया का प्रसारण करेगा।
- **डॉयचे वेले, जर्मनी (इको–इंडिया) के साथ समझौता ज्ञापनः** प्रसार भारती और डॉयचे वेले, जर्मनी के बीच 14.03.2022 को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए, जो दूरदर्शन को भारत के क्षेत्र में "इको–इंडिया" की मान्यता को बढ़ाने के उद्देश्य से दूरदर्शन के विभिन्न चैनलों पर हिंदी / अंग्रेजी / क्षेत्रीय भाषाओं में कार्यक्रम 'इको–इंडिया' को डब, अनुवाद, उपशीर्षक और प्रसारण करने में सक्षम बनाता है।
- **एसबीएस ऑस्ट्रेलिया के साथ समझौता ज्ञापनः** प्रसार भारती और विशेष प्रसारण सेवा (एसबीएस), ऑस्ट्रेलिया के बीच कार्यक्रम विषय विनिमय, क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण के आदान–प्रदान के क्षेत्र में 17.03.2022 को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।
- **एफबीसी फिजी के साथ समझौता ज्ञापनः** प्रसार भारती और फिजी ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन (एफबीसी) फिजी के बीच कार्यक्रम विषय विनिमय, क्षमता निर्माण, प्रशिक्षण और कार्यक्रम विषय के सह–उत्पादन के क्षेत्र में 24.05.2017 को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए थे। इस संबंध में 18.03.2022 को ऑडियो–वीडियो कार्यक्रमों के आदान–प्रदान के लिए प्रसार भारती और फिजीयन ब्रॉडकास्ट कॉरपोरेशन (एफबीसी) के बीच उक्त समझौता ज्ञापन के एक परिशिष्ट पर भी हस्ताक्षर किए गए थे।

2. टीवी कार्यक्रमों का सह–निर्माणः–

I. ईबीएस कोरिया के साथ "फैमिली एशिया" नामक प्रसार भारती के तीसरे अंतरराष्ट्रीय सह–निर्माण का प्रसारण डीडी नेशनल पर 26–27 जून 2021 को रात 11.00 बजे (आईएसटी) किया गया था।

II. ईबीएस, कोरिया के साथ चौथा अंतरराष्ट्रीय सह–निर्माण अर्थात् 'बीस्ट्स ऑफ एशिया' 23 और 24 अप्रैल 2022 को शाम 5:00 बजे (आईएसटी) डीडी नेशनल पर प्रसारित किया गया था।

3. **संयुक्त कार्य समूह (जेडब्ल्यूजी) का गठनः** प्रसार भारती, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय और विदेश मंत्रालय के अधिकारियों को शामिल करते हुए एक संयुक्त कार्य समूह (जेडब्ल्यूजी) का गठन किया गया था ताकि दुनिया भर में डीडी इंडिया चैनल के वितरण की संभावनाओं सहित अंतर्राष्ट्रीय प्रसारकों के साथ प्रसार भारती के सहयोग और सहकारिता को बढ़ाने के लिए रणनीति तैयार की जा सके। संयुक्त कार्य समूह (जेडब्ल्यूजी) की छठी बैठक 24.01.2022 को आयोजित की गई।

ख. राजदूतों और अन्य लोगों के साथ मुख्य कार्यकारी अधिकारी, प्रसार भारती और अपर महानिदेशक (ग्लोबल आउटरीच) की बैठकें:

विश्व स्तर पर डीडी इंडिया चैनल पहुंच को बढ़ावा देना और प्रसारण के क्षेत्र में सहयोग को विकसित करने प्रसार भारती के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और विभिन्न देशों जैसे उज़्बेकिस्तान, जापान, भूटान, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, फ्रांस आदि के राजदूतों के बीच ऑनलाइन / फिज़िकल बैठकें अपने–अपने देशों में प्रसारण के क्षेत्र में आपसी सहयोग के संभावित क्षेत्रों का पता लगाने के लिए आयोजित और चर्चा की गई।

क्र.सं.	देश/प्रसारक	दिनांक	राजदूत की बैठक का विवरण
1.	आरटी रूस	06.04.2021	प्रसार भारती के अपर महानिदेशक (ग्लोबल आउटरीच), श्री सुनील और आरटी रूस की वितरण उप अध्यक्ष, सुश्री माया के बीच प्रसारण के क्षेत्र में सहयोग के मामलों पर चर्चा करने के लिए एक वर्चुअल बैठक आयोजित की गई।
2.	फ्रांस 24	14.04.2021	प्रसार भारती और फ्रांस 24 के बीच प्रसारण और चैनलों के आदान–प्रदान के क्षेत्र में सहयोग के मामलों पर चर्चा करने के लिए 14 अप्रैल 2021 को नई दिल्ली में प्रसार भारती, फ्रांसीसी दूतावास, सूचना और प्रसारण मंत्रालय के अधिकारियों और फ्रांस मीडिया मोंडे (फ्रांस 24) टीम के बीच एक बैठक आयोजित की गई थी।
3.	पीएसएम मालदीव	18.05.2021	पीएसएम मालदीव की पुनर्गठन पर चर्चा करने के लिए मालदीव के लोक सेवा मीडिया (पीएसएम) के साथ अपर महानिदेशक (ग्लोबल आउटरीच) श्री सुनील, निदेशक (ग्लोलबल आउटरीच) श्री रमन कुमार की एक वर्चुअल बैठक आयोजित की गई।
4.	जापान सूचना केंद्र, जापान का दूतावास	13.07.2021	प्रसार भारती के अपर महानिदेशक (ग्लोबल आउटरीच), और जापान सूचना केंद्र, जापान दूतावास के सुश्री मुफ्ती मारिया मोहम्मद और निदेशक कोजी योशिदा के बीच 13 जुलाई 2021 को डीडी नेटवर्क पर जापानी कार्यक्रम के प्रसारण और द्विपक्षीय आधार पर समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के प्रस्ताव से संबंधित जापान दूतावास से प्राप्त प्रस्ताव पर चर्चा करने के लिए एक वर्चुअल बैठक आयोजित की गई।
5.	फ़िजी	14.07.2021	फिजी के उच्चायुक्त श्री कमलेश शशि प्रकाश और अपर महानिदेशक –ग्लोबल आउटरीच, प्रसार भारती श्री सुनील के बीच 14.07.2021 को दूरदर्शन भवन में एक बैठक आयोजित की गई थी, जिसमें दोनों देशों के प्रसारकों के बीच प्रसारण के क्षेत्र में सहयोग के मामले पर चर्चा की गई थी।
6.	एमबीसी मॉरीशस	23.07.2021	प्रसारण के क्षेत्र में सहयोग और एमबीसी प्लेटफॉर्म पर डीडी चैनलों को दर्शाने के मामले पर एमबीसी मॉरीशस के इंजीनियरिंग, सैटेलाइट और आईपीजीपी के प्रमुख श्री सूरज, पोर्ट लुईस में भारतीय उच्चायोग की द्वितीय सचिव (राजनीतिक प्रेस सूचना) सुश्री श्वेता एम और अपर महानिदेशक– ग्लोबल आउटरीच, प्रसार भारती श्री सुनील के बीच 23.07.2021 को चर्चा करने के लिए एक बैठक हुई।
7.	भूटान ब्रॉडकास्टिंग कोऑपरेशन (बीबीसी), भूटान	22.10.2021 और 17.11. 2021	अपर महानिदेशक (ग्लोबल आउटरीच), प्रसार भारती और भूटान ब्रॉडकास्टिंग कोऑपरेशन (बीबीसी), भूटान के सीईओ के बीच 22.10.2021 और 17.11.2021 को बीबीसी भूटान के एसडी स्टूडियो सेटअप से एचडी स्टूडियो सेटअप में बदलाव पर चर्चा करने के लिए एक वर्चुअल बैठक बुलाई गई थी।
8.	भारत में तुर्कमेनिस्तान के राजदूत	25.11.2021	प्रसारण के क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग और सहकारिता पर चर्चा करने के लिए 25.11. 2021 को प्रसार भारती के अपर महानिदेशक (ग्लोकबल आउटरीच) और भारत में तुर्कमेनिस्तान के महामहिम राजदूत के बीच एक बैठक बुलाई गई।
9	भूटान ब्रॉडकास्टिंग कोऑपरेशन (बीबीसी), भूटान	05.01.2022	प्रसार भारती के अपर महानिदेशक (ग्लोबल आउटरीच) और भूटान ब्रॉडकास्टिंग कोऑपरेशन (बीबीसी), भूटान के सीईओ के बीच 05.01.2022 को बीबीसी भूटान के एसडी स्टूडियो सेटअप से एचडी स्टूडियो सेटअप में बदलाव पर चर्चा करने के लिए एक वर्चुअल बैठक बुलाई गई थी।
10	फ्रांस 24	25.01.2022	निजी केबल ऑपरेटरों के माध्यम से फ्रांस में डीडी इंडिया चैनल ले जाने की संभावना पर चर्चा करने के लिए अपर महानिदेशक (ग्लोबल आउटरीच) श्री सुनील की अध्यक्षता में 25.01.2022 को प्रसार भारती और फ्रांस 24 के प्रतिनिधियों के बीच एक वर्चुअल बैठक बुलाई गई।

क्र.सं.	देश/प्रसारक	दिनांक	राजदूत की बैठक का विवरण
11	एमबीसी मॉरीशस	02.02.2022	मॉरीशस में पांच डीडी चैनलों के प्रसारण के लिए समझौते पर हस्ताक्षर करने पर चर्चा करने के लिए अपर महानिदेशक (ग्लोबल आउटरीच), प्रसार भारती और ई–इन–सी, एमबीसी मॉरीशस के बीच 02.02.2022 को एक वर्चुअल सम्मेलन आयोजित किया गया था।
12	रोबोकॉन सचिवालय (एनएचके, जापान)	08.02.2022 और 28.02.2022	प्रसार भारती, एबीयू और रोबोकॉन सचिवालय (एनएचके, जापान) के बीच 08.02.2022 और 28.02.2022 को फिजिकल / ऑनलाइन मोड में कार्यक्रम की मेज़बानी करने की संभावना पर चर्चा और विचार–विमर्श करने के लिए एक वर्चुअल बैठक आयोजित की गई।
13	एटीएन, कनाडा	05.04.2022	एटीएन कनाडा और प्रसार भारती के बीच संबंधों को औपचारिक रूप देने पर चर्चा करने के लिए 05 अप्रैल, 2022 को एटीएन, कनाडा के अध्यक्ष और सीईओ डॉ शान चंद्रशेखर के साथ अपर महानिदेशक (ग्लोबल आउटरीच), श्री सुनील की बैठक संपन्न हुई।

1. **फ्रांसः** प्रसार भारती और फ्रांस 24 के बीच प्रसारण और चैनलों के आदान–प्रदान के क्षेत्र में सहयोग के मामलों पर चर्चा करने के लिए 14 अप्रैल 2021 को नई दिल्ली में प्रसार भारती, फ्रांसीसी दूतावास, सूचना और प्रसारण मंत्रालय के अधिकारियों और फ्रांस मीडिया मोंडे (फ्रांस 24) टीम के बीच एक बैठक आयोजित की गई थी।
2. **फ़िजीः** फिजी के उच्चायुक्त, महामहिम श्री कमलेश शशि प्रकाश और अपर महानिदेशक–ग्लोबल आउटरीच, प्रसार भारती श्री सुनील के बीच 14.07.2021 को दूरदर्शन भवन में एक बैठक आयोजित की गई थी, जिसमें दोनों देशों के प्रसारकों के बीच प्रसारण के क्षेत्र में सहयोग के मामले पर चर्चा की गई थी।

श्री सुनील, अपर महानिदेशक (ग्लोबल आउटरीच), प्रसार भारती और फिजी के उच्चायुक्त, महामहिम श्री कमलेश शशि प्रकाश के बीच 14.07.2021 को बैठक

3. **बांग्लादेशः** भारत–बांग्लादेश 50वीं वर्षगांठ समारोह वर्ष के अवसर पर, माननीय सांसद डॉ हसन महमूद, माननीय बांग्लादेश सरकार के सूचना और प्रसारण मंत्री ने 07.09.2021 को प्रसार भारती का दौरा किया और मुख्य कार्यकारी अधिकारी, प्रसार भारती से मुलाकात की। बैठक में रेडियो और टीवी प्रसारण के क्षेत्र में आपसी सहयोग के विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। इस अवसर पर, डीडी न्यूज़ द्वारा अतिथि गणमान्य व्यक्ति के साथ एक साक्षात्कार भी रिकॉर्ड किया गया था और 08.09.2021 को रात 8.30 बजे डीडी इंडिया पर प्रसारित किया गया था।

4. **तुर्कमेनिस्तानः** प्रसार भारती के अपर महानिदेशक (ग्लोबल आउटरीच), श्री सुनील और भारत में तुर्कमेनिस्तान के राजदूत महामहिम, श्री शालर गेल्डिनाज़ारोव के बीच प्रसारण के क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग और सहकारिता पर चर्चा करने के लिए 25.11.2021 को एक बैठक आयोजित की गई थी।

ग. एशिया पैसिफिक ब्रॉडकस्टिंग यूनियन (एबीयू), एशिया पैसिफिक इंस्टीट्यूट फॉर ब्रॉडकास्टिंग डेवलपमेंट (एआईबीडी) और अन्य विदेशी संगठनों से संबंधित गतिविधियां:

1. श्री मयंक कुमार अग्रवाल, महानिदेशक, दूरदर्शन को अप्रैल 2021 में एशिया पैसिफिक इंस्टीट्यूट फॉर ब्रॉडकास्टिंग डेवलपमेंट (एआईबीडी) के नए अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया था। भारत, एआईबीडी के पूर्ण सदस्य के रूप में एआईबीडी की अध्यक्षता का पद रखता है।

2. भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले निदेशक– ग्लोबल आउटरीच, श्री रमन कुमार को एआईबीडी जनरल कॉन्फ्रेंस एंड एसोसिएटेड मीटिंग्स 2021 के दौरान नवंबर 2021 में आयोजित चुनाव में रणनीतिक और योजना टीम (एसपीटी) के उपाध्यक्ष के पद के लिए चुना गया।

3. प्रसार भारती के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, श्री शशि शेखर वेम्पटि ने टेलीविजन, रेडियो ब्रॉडकास्टिंग एंड सिनेमाटोग्राफी के लिए तुर्कमेनिस्तान की राज्य समिति के अध्यक्ष, श्री ए अशिरोव से प्राप्त निमंत्रण पर 24 मार्च 2021 को अश्गाबात में आयोजित "आधुनिक दुनिया में शांति और विश्वास की प्रासंगिकता" (द रिलिवेंस ऑफ पीस एंड ट्रस्ट इन द माड्रन वर्ल्ड) नामक ऑनलाइन प्रेस कॉन्फ्रेंस में भाग लिया।

4. श्री सुनील, अपर महानिदेशक (ग्लोबल आउटरीच), दूरदर्शन, प्रसार भारती ने सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अपर सचिव के नेतृत्व में भारतीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्य के रूप में 28 सितंबर से 3 अक्तूबर, 2021 तक ताशकंद, उज़्बेकिस्तान में निर्धारित अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव "पर्ल ऑफ द सिल्क रोड" में भाग लिया।

5. डीडी इंडिया ने 27.11.2021 को केपीओपी के ग्रैंड फिनाले का लाइव प्रसारण किया। केपीओपी दक्षिण कोरिया में उत्पन्न एक संगीत शैली है जिसे ऑडियोविज़ुअल तत्वों की एक विस्तृत विविधता की विशेषता है। केपीओपी शब्द जिसमें दक्षिण कोरिया में "लोकप्रिय संगीत" की सभी शैलियां शामिल हैं, का उपयोग अक्सर दक्षिण कोरियाई पॉप संगीत के एक मॉडल रूप का वर्णन करने के लिए किया जाता है, जिसमें ज्यादातर पॉप नृत्य, पॉप बैलाड, इलेक्ट्रॉनिक, रॉक, हिप हॉप आदि शामिल हैं।

6. **अबू रोबोकॉन 2021:**

   एबीयू रोबोकॉन 2021 (भारतीय अध्याय) की राष्ट्रीय प्रतियोगिता का आयोजन 18.08.2021 को दूरदर्शन द्वारा आईआईटी दिल्ली के सहयोग से किया गया था। इस कार्यक्रम का डीडी यूट्यूब पर भी सीधा प्रसारण किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में प्रसार भारती के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने सभी विजेता टीम को संबोधित किया और इंजीनियरिंग छात्रों की उभरती प्रतिभा का समर्थन करने के लिए एक लोक सेवा प्रसारक के रूप में प्रसार भारती द्वारा निभाई जा रही प्रमुख भूमिका पर प्रकाश डाला।

- प्रसार भारती बोर्ड की सदस्य सुश्री शाइना एनसी ने 12.12.2021 को वर्चुअल रूप से आयोजित अंतर्राष्ट्रीय एबीयू रोबोकॉन 2021 प्रतियोगिता में भाग लिया और भाग लेने वाले छात्र प्रतियोगियों को संबोधित किया। एबीयू रोबोकॉन 2022 के मेज़बान प्रसार भारती की ओर से, उन्होंने शांगडोंग रेडियो और टीवी स्टेशन, चीन (वर्ष 2021 के लिए मेज़बान) से एबीयू रोबोकॉन ध्वज (वर्चुअली) प्राप्त किया और भाषण दिया, जिसमें उन्होंने भारत सरकार की नीतियों के बारे में संक्षेप में वर्णन किया, जिसका नाम 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' था, जो छात्राओं को अधिक से अधिक भागीदारी के लिए प्रोत्साहित करता है।

7. एआईबीडी ने 2 और 3 जून 2021 को नए मानदंड में मीडिया की भूमिकाओं को फिर से परिभाषित करने के विषय के साथ नेताओं के वेब–शिखर सम्मेलन का आयोजन किया। प्रसार भारती के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री शशि शेखर वेम्पटि ने एआईबीडी सीईओ इनसाइट्स – महामारी के दौरान पारंपरिक मीडिया को पुनःसशक्त करने पर सत्र में एक पैनलिस्ट के रूप में भाग लिया। दूरदर्शन समाचार के महानिदेशक और एआईबीडी के अध्यक्ष

सुश्री शाइना एनसी ने शांगडोंग रेडियो और टीवी स्टेशन, चीन (वर्ष 2021 के लिए मेज़बान) से एबीयू रोबोकॉन ध्वज प्राप्त किया

श्री मयंक कुमार अग्रवाल, अपर महानिदेशक (समाचार), श्री सेंथिल राजन और प्रसार भारती के पीबीएनएस के हेड, श्री समीर कुमार ने भी शिखर सम्मेलन के विभिन्न सत्रों में वक्ता के रूप में भाग लिया।

8. श्री शशि शेखर वेम्पटि, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, प्रसार भारती ने 14 और 15 जून 2021 को आयोजित एबीयू द्वारा आयोजित 'एबीयू राय डेज' सम्मेलन में एक पैनलिस्ट के रूप में भाग लिया। पूरे भारत से दूरदर्शन केंद्रों / आकाशवाणी केंद्रों के 20 से अधिक अधिकारियों ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया।

9. एबीयू के एशिया विजन समाचार विभाग ने 9 जून 2021 को एक ऑनलाइन एडिटर–इन–चीफ बैठक का आयोजन किया। श्री शशि शेखर वेम्पटि, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, प्रसार भारती मुख्य अतिथि थे और उन्होंने मुख्य कार्यकारी अधिकारी का पहला वक्तव्य दिया।

10. एबीयू की '111वीं एडमिनिस्ट्रेटिव कांउसिल मीटिंग (एसीएम)' 29 और 30 जून 2021 को ऑनलाइन आयोजित की गई थी। एसीएम एबीयू का नीति निर्माण निकाय है। प्रसार भारती के निम्नलिखित अधिकारियों ने इस वर्चुअल बैठक में भाग लिया :

- श्री शशि शेखर वेम्पटि, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, प्रसार भारती
- श्री सुनील, अपर महानिदेशक (ग्लोबल आउटरीच), प्रसार भारती
- श्री रमन कुमार, निदेशक (ग्लोबल आउटरीच), प्रसार भारती

29–30 जून 2021 को आयोजित 111वीं एबीयू एडमिनिस्ट्रेटिव कांउसिल मीटिंग के दौरान प्रसार भारती के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, श्री शशि शेखर वेम्पटि और अपर महानिदेशक (ग्लोबल आउटरीच) श्री सुनील।

11. वर्ल्ड एक्सपो 2020, दुबई, संयुक्त अरब अमीरात में, 11 जून, 2021 को "कंटेंट क्रिएशन फॉट दमेटिक एंड क्यूरेटेड एक्ज़ीबीशन स्पेस ऑफ इंडिया पवेलियन" विषय पर एक ऑनलाइन बैठक आयोजित की गई थी, जिसमें श्री सुनील, अपर महानिदेशक (ग्लोबल आउटरीच), श्री आदित्य चतुर्वेदी, उप महानिदेशक (केंद्रीय अभिलेखागार), श्री रमन कुमार, निदेशक (ग्लोबल आउटरीच), प्रसार भारती ने सूचना प्रसारण मंत्रालय के अन्य अधिकारियों के साथ भाग लिया। उप महानिदेशक (केंद्रीय अभिलेखागार), श्री आदित्य चतुर्वेदी को इसके लिए नोडल अधिकारी के रूप में नामित किया गया था।

12. एबीयू ने राष्ट्रीय प्रसारण और मल्टीमीडिया अकादमी (एनएबीएम), प्रसार भारती के सहयोग से 24.01.2022 को 'क्लाउड आधारित समाचार डेटा प्रबंधन के साथ स्वदेशी विकास समाचार कक्ष स्वचालन' (इंडिजनस डिवेलप्मेंट न्यूज़ रूम ऑटोमेशन विद क्लाउड बेस न्यूज़ डेटा मेनेजमेंट) नामक एक वेबिनार का आयोजन किया। उस पर

दूरदर्शन केंद्र चेन्नई और दूरदर्शन केंद्र हैदराबाद के निम्नलिखित अधिकारियों को व्याख्यान देने के लिए विशेषज्ञों के रूप में नामित किया गया था:

- श्री टी.एस. रामकृष्ण, उप महानिदेशक, दूरदर्शन केंद्र हैदराबाद श्री एस. गुरु मणिकम, सहायक निदेशक अभियांत्रिकी, दूरदर्शन केंद्र चेन्नई
- श्री के बालाजी, सहायक निदेशक अभियांत्रिकी, दूरदर्शन केंद्र चेन्नई
- श्री आर अरुल, सहायक अभियंता, दूरदर्शन केंद्र चेन्नई

13. एआईबीडी ने 09.02.2022 को अपनी मध्य वर्ष की रणनीति योजना टीम (एसपीटी) की बैठक भी वर्चुअल रूप से आयोजित की। श्री रमन कुमार, निदेशक (ग्लोबल आउटरीच) और श्री संदीप सूद, सहायक निदेशक कार्यक्रम, दूरदर्शन केंद्र मुंबई ने बैठक में भाग लिया।

14. 12 फरवरी, 2022 को विश्व रेडियो दिवस के अवसर पर, प्रसार भारती के मुख्य कार्यकारी अधिकारी को यूनेस्को द्वारा 'रेडियो और ट्रस्ट' विषय पर एक ऑनलाइन वेबिनार के लिए सम्मानित अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था।

15. विश्व रेडियो दिवस–2022 के अवसर पर, एआईबीडी ने 17.02.2022 को एक वेब–शिखर सम्मेलन का भी आयोजन किया, जिसमें रेडियो उद्योग के लिए आगामी रुझानों और एशिया–प्रशांत और अफ्रीकी क्षेत्र से व्यावहारिक केस स्टडी पर प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर मुख्य कार्यकारी अधिकारी, प्रसार भारती ने पैनल चर्चा में भाग लिया। श्री मयंक कुमार अग्रवाल, महानिदेशक, समाचार और अध्यक्ष एआईबीडी ने भी वेब–शिखर सम्मेलन में भाग लिया।

16. एशिया–पैसिफिक इंस्टीट्यूट फॉर ब्रॉडकास्टिंग डेवलपमेंट (एआईबीडी) ने रूस टुडे (आरटी) चैनल के सहयोग से 23 से 25 फरवरी 2022 तक 'न्यूज़–पैकेज' पर एक ऑनलाइन क्षेत्रीय कार्यशाला का आयोजन किया। दूरदर्शन न्यूज़, प्रसार भारती के अपर महानिदेशक, श्री सेंथिल राजन ने कार्यशाला में एक वक्ता के रूप में भाग लिया और कार्यशाला में "ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के लिए सामग्री का निर्माण" विषय पर अपने विचार साझा किए।

17. भारत ने 1 अक्तूबर 2021 से 31 मार्च 2022 तक दुबई में आयोजित "वर्ल्ड एक्सपो–2020" में सक्रिय रूप से भाग लिया। प्रसार भारती ने सूचना और प्रसारण मंत्रालय की कुछ मीडिया इकाइयों के साथ एक्सपो में भाग लिया और एक्सपो में भारतीय पविलियन में ऑडियो विजुअल डिस्प्ले के माध्यम से भारत की उपलब्धि/ग्लोबल आउटरीच का प्रदर्शन किया। दूरदर्शन के महानिदेशक, श्री मयंक कुमार अग्रवाल ने सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के प्रतिनिधिमंडल के सदस्य के रूप में "वर्ल्ड एक्सपो" में भाग लिया।

18. एबीयू ने दूरदर्शन अधिकारियों के लिए 2 से 4 मार्च 2022 तक और आकाशवाणी अधिकारियों के लिए 9 से 11 मार्च 2022 तक आपदा जोखिम न्यूनीकरण (डिज़ास्टर रिस्क रिडक्शन) (डीआरआर) पर एक विशेष ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किया। डॉ. डी. के. मजूमदार, कार्यक्रम निष्पादक, एनएबीएम को इन प्रशिक्षणों के लिए फोकल प्वाइंट के रूप में नामित किया गया था। ऑनलाइन प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया गया। संपूर्ण भारत से उक्त प्रशिक्षण में उप महानिदेशक, उप निदेशक, सहायक निदेशक, कार्यक्रम निष्पादक स्तर के दूरदर्शन के 33 अधिकारियों और उप महानिदेशक, उप निदेशक, सहायक निदेशक, कार्यक्रम निष्पादक स्तर के आकाशवाणी के 35 अधिकारियों ने भाग लिया।

19. प्रसार भारती को एबीयू द्वारा 21–24 मार्च 2022 को वर्चुअल रूप से आयोजित एबीयू डिजिटल ब्रॉडकास्टिंग संगोष्ठी –2022 (डिजिटल ब्राडकास्टिंग सिम्पोज़ियम) में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था। प्रसार भारती के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और एबीयू के उपाध्यक्ष ने मुख्य भाषण दिया। संगोष्ठी में संपूर्ण भारत से आकाशवाणी, दूरदर्शन केंद्रों के अपर महानिदेशक, उप महानिदेशक, सहायक निदेशक, अभियांत्रिकी, सहायक निदेशक कार्यक्रम, कार्यक्रम निष्पादक, सहायक अभियंता स्तर के लगभग 20 अधिकारियों ने भाग लिया।

20. एबीयू द्वारा 28.03.2022 को टीम एबीयू और टीम प्रसार भारती / आकाशवाणी / दूरदर्शन / के बीच एक वर्चुअल बैठक आयोजित की गई थी। एबीयू ने वीडियो प्रस्तुति के माध्यम से अपने विभिन्न विभागों की प्रगति

रिपोर्ट प्रस्तुत की। बैठक में मुख्य कार्यकारी अधिकारी, प्रसार भारती और ग्लोबल आउटरीच, दूरदर्शन न्यूज़, आकाशवाणी समाचार, एनएबीएम, प्रसार भारती के तकनीकी स्कंध के अधिकारियों, महानिदेशकः दूरदर्शन और महानिदेशकः आकाशवाणी सहित ने भाग लिया।

21. एबीयू ने मॉरीशस में 23 से 25 मार्च 2022 को आयोजित एशिया–प्रशांत और अफ्रीका के वरिष्ठ टीवी प्रस्तुतकर्ताओं के बीच डीडी इंडिया प्रतिभागी या डब्ल्यूबीयू / यूएनडीआरआर ग्लोबल मीडिया सेविंग लाइव्स इनिशिएटिव – क्रॉस–क्षेत्रीय, सह–कार्यक्रम निर्माण बैठक आमंत्रित की। डीडी इंडिया, प्रसार भारती के सहायक निदेशक कार्यक्रम, श्री अनूप खजूरिया ने बैठक में भाग लिया।

घ. अंतर्राष्ट्रीय घटनाओं/एबीयू और एआईबीडी वेबिनार की सूची जिसमें प्रसार भारती ने 01.04.2021 से 31.03.2022 तक भाग लियाः

क्षमता निर्माण की सुविधा और फिजिकल बैठकों से बचने के लिए, एबीयू और एआईबीडी ने अप्रैल 2021 से कई ऑनलाइन वेबिनार और कार्यशालाओं का आयोजन किया था। प्रसार भारती ने इस अवसर का लाभ उठाया और विभिन्न वेबिनार में उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रसार भारती के अधिकारियों द्वारा भाग लेने वाली कुछ महत्वपूर्ण वर्चुअल कार्यशालाएं निम्नानुसार हैंः

क्र.सं.	इवेंट्स/वेबिनार का नाम	तारीख
1.	एबीयू डीबीएस (डिजिटल ब्रॉडकास्टिंग सिम्पोज़ियम) 2021	5–8 अप्रैल, 2021
2.	एबीयू वेबिनार पर यूसुफ उमर के साथ 'युवा दर्शकों तक कैसे पहुंचे'	28.04.2021
3.	एबीयू डिजिटल 2021	26–27 मई, 2021
4.	एबीयू मिड–ईयर पीएसजी बैठक'	20.05.2021
5.	एबीयू एशिया–विजन वेबिनार जिसका शीर्षक है "अपने लाइव प्रस्तुति कौशल को सही करें"	31.05.2021
6.	'एबीयू राय के दिन'	14–15 जून, 2021
7.	'प्रशासनिक परिषद की 111वीं बैठक (एसीएम)'	29–30 जून, 2021
8.	एबीयू कार्यक्रम ब्यूरो की बैठक	12.10.2021
9.	एबीयू योजना और रणनीति समूह (पीएसजी) की बैठक	19.10.2021
10.	एबीयू रेडियो वर्किंग पार्टी	10.11.2021
11.	10वीं एबीयू टीवी गीत समारोह	18.11.2021
12.	एबीयू आईपीएलसी कानूनी वेबिनार	31.01.2022
13.	सामाजिक आर्थिक विकास पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव पर आईपीसीसी रिपोर्ट पर एबीयू डीप ब्रीफ फोरम	08.02.2022
14.	एबीयू डीप ब्रीफ फोरम दोः डीप फोकस– महामारी की वित्तीय अनिश्चितताओं को नेविगेट करना।	16.02.2022
15.	एबीयू प्राइज़ रिफॉर्म वर्किंग पार्टी वेबिनार	22.02.2022
16.	एबीयू आपदा जोखिम न्यूनीकरण ऑनलाइन प्रशिक्षण	9–11 मार्च, 2022
17.	एबीयू डिजिटल ब्रॉडकास्टिंग संगोष्ठी (डीबीएस) 2022	21–24 मार्च, 2022
18.	एआईबीडी आईपीडीसी–यूनेस्को इनवेस्टिगेटिव जर्नलिज़्म पर वेबिनारः 'गोइंग बियोंड द हेडलाइंस'	05–09 अप्रैल, 2021

क्र.सं.	इवेंट्स/वेबिनार का नाम	तारीख
19.	एआईबीडी यूनेस्को आईपीडीसी, पत्रकारों के लिए सुरक्षा पर क्षेत्रीय ऑनलाइन कार्यशालाएं / प्रशिक्षण	14.04.21–05.05.2021
20.	विषय के साथ एआईबीडी नेताओं का वेब–शिखर सम्मेलनः नए मानदंड में मीडिया की भूमिकाओं को फिर से परिभाषित करना	02–03 जून, 2021
21.	एआईबीडी होसो बुंका फाउंडेशन (एचबीएफ), जापान उप–क्षेत्रीय कार्यशाला 'कहानियों को बताने के लिए दर्शकों को आकर्षित करना'	14– 18 जून, 2021
22.	एआईबीडी 'प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण' पर ऑनलाइन कार्यशाला	23–27 अगस्त, 2021 6–10 सितंबर, 2021
23.	एआईबीडी रणनीतिक योजना टीम (एसपीटी) की बैठक	29.11.2021
24.	एआईबीडी क्षेत्रीय मीडिया संवाद "महिलाओं के श्रम प्रवासन पर मीडिया को संवेदनशील बनाना"	30.11.2021
25.	एआईबीडी जनरल कॉन्फ्रेंस 2021	08–09.12.2021
26.	एआईबीडी एसपीटी की बैठक	09.02.2022
27.	समाचार पैकेजों पर एआईबीडी क्षेत्रीय कार्यशाला	23–25 फरवरी, 2022

अध्याय 3

क्षमता निर्माण–प्रशिक्षण अवसंरचना राष्ट्रीय प्रसारण और मल्टीमीडिया अकादमी (एनएबीएम)

1. परिचय

राष्ट्रीय प्रसारण और मल्टीमीडिया अकादमी (एनएबीएम), दिल्ली प्रसार भारती की प्रमुख प्रशिक्षण अकादमी है। यह आकाशवाणी और दूरदर्शन के विभिन्न केंद्रों और कार्यालयों में कार्यरत कार्यक्रम, अभियांत्रिकी और प्रशासनिक कर्मियों को प्रशिक्षण दिए जाने के लिए उत्तरदायी है। अकादमी का मुख्य उद्देश्य प्रसारण पेशेवरों को गतिशील और चुनौतीपूर्ण प्रसारण वातावरण में उनके इष्टतम प्रदर्शन के लिए विकसित और पोषित करना है। राष्ट्रीय प्रसारण और मल्टीमीडिया अकादमी, समय के साथ, एशिया–प्रशांत क्षेत्र के प्रसारकों को रेडियो और टेलीविजन के कार्यक्रम निर्माण, पोस्ट–प्रोडक्शन और प्रसारण के क्षेत्र में प्रशिक्षण प्रदान करने वाली एक प्रमुख संस्थान के रूप में उभरा है।

राष्ट्रीय प्रसारण और मल्टीमीडिया अकादमी (एनएबीएम) के पास सूचना प्रौद्योगकी में हो रहे तकनीकी परिवर्तनों के साथ तालमेल रखते हुए विश्व स्तरीय प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए आधुनिक बुनियादी ढांचा है। प्रशिक्षण हेतु क्लास रूम नवीनतम ऑडियो/विजुअल सुविधाओं, नवीनतम कार्यक्रम निर्माण और पोस्ट–प्रोडक्शन उपकरण के साथ रेडियो और टीवी स्टूडियो, माप प्रयोगशाला, कंप्यूटर प्रयोगशाला, नेटवर्किंग प्रयोगशाला, रेडियो और टीवी ट्रांसमीटर से सुसज्जित हैं। इसमें 11000 से अधिक पुस्तकों के संग्रह के साथ एक पुस्तकालय है। अकादमी में 125 कमरों के साथ उत्कृष्ट छात्रावास की सुविधा है।

2. इतिहास

प्रशिक्षण सुविधा को आकाशवाणी : महानिदेशालय, नई दिल्ली के एक संबद्ध कार्यालय के रूप में वर्ष 1948 में स्थापित किया गया। एनएबीएम (तकनीकी) पूर्ववर्ती कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (अभि.), वर्ष 1985 से आकाशवाणी महानिदेशालय का हिस्सा है, जो अब किंग्सवे कैंप, दिल्ली से संचालित है। यह आकाशवाणी और दूरदर्शन के अभियांत्रिकी कर्मचारियों जिसमें तकनीशियनों से लेकर अपर महानिदेशक स्तर तक के अधिकारी शामिल हैं, के लिए प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित करता है। यह विभागीय, अर्हक और प्रतियोगी परीक्षा भी आयोजित करता है। आरंभ में, राष्ट्रीय प्रसारण और मल्टीमीडिया अकादमी (तकनीकी) का एक परिसर भुवनेश्वर में और एक क्षेत्रीय प्रसारण और मल्टीमीडिया अकादमी शिलांग और मुंबई (मलाड) में भी हैं।

एनएबीएम (कार्यक्रम) पूर्ववर्ती कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (कार्यक्रम) को महानिदेशालयः आकाशवाणी के अधीनस्थ कार्यालय के रूप में दिनांक 1 जनवरी 1990 से वर्तमान स्थान रेडियो कॉलोनी, किंग्सवे कैंप, दिल्ली पर स्थानांतरित कर दिया गया। इसे आकाशवाणी और दूरदर्शन के विभिन्न केंद्रों और कार्यालयों में कार्यरत कार्यक्रम और प्रशासनिक संवर्ग के कर्मियों को प्रशिक्षण प्रदान करने का कार्य सौंपा गया है। इसके पश्चात, छह क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान जिसमें नामतः एनएबीएम भुवनेश्वर और अहमदाबाद, हैदराबाद, लखनऊ, शिलांग और तिरुवनंतपुरम में स्थित क्षेत्रीय प्रसारण और मल्टीमीडिया अकादमी (आरएबीएम) जिसमें पूरे देश को कवर करने वाले विभिन्न क्षेत्रों के आकाशवाणी और दूरदर्शन के कर्मचारियों को प्रशिक्षण प्रदान करने का अधिदेश दिया गया अस्तित्व में आए।

राष्ट्रीय प्रसारण और मल्टीमीडिया अकादमी का पर्यवेक्षण और प्रबंधन वर्ष 2016 में प्रसार भारती सचिवालय द्वारा किया गया। वर्ष 2019 में डीटीआई, लखनऊ सहित अहमदाबाद, हैदराबाद, लखनऊ, तिरुवनंतपुरम और मुंबई (मलाड) में स्थित क्षेत्रीय अकादमियों को प्रसार भारती द्वारा किए गए औचित्य–स्थापन उपायों के भाग के रूप में बंद कर दिया गया है।

वर्तमान तीन स्थानों पर तीन अकादमियां नामतः राष्ट्रीय प्रसारण और मल्टीमीडिया अकादमी दिल्ली एनएबीएम भुवनेश्वर; और आरएबीएम शिलांग काम कर रही हैं और ये प्रत्येक वर्ष 3500 से अधिक अभियांत्रिकी/ कार्यक्रम / प्रशासनिक कर्मियों को प्रशिक्षित करते हैं। राष्ट्रीय प्रसारण और मल्टीमीडिया अकादमी एशिया प्रशांत क्षेत्र के विभिन्न देशों के रेडियो और टेलीविजन इंजीनियरिंग कर्मियों के लिए प्रशिक्षण/कार्यशालाओं का आयोजन करने के लिए एशिया प्रशांत प्रसारण विकास संस्थान (एआईबीडी) और एशिया प्रशांत प्रसारण संघ (एबीयू) के साथ सहयोग करता है। यह आकाशवाणी और दूरदर्शन के कार्यक्रम कर्मियों हेतु विशिष्ट प्रशिक्षण मॉड्यूल के लिए संयुक्त राष्ट्र बाल आपातकालीन कोष (यूनिसेफ) और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीएम) जैसे संगठनों के साथ भी मिलकर कार्य करता है।

3. प्रशिक्षण गतिविधियों (कार्यक्रम और अभियांत्रिकी प्रभाग) का विवरण

लॉकडाउन और कोविड–19 महामारी के कारण लगाए गए आधिकारिक यात्रा प्रतिबंधों के कारण, राष्ट्रीय प्रसारण और मल्टीमीडिया अकादमी, दिल्ली और अन्य संस्थानों ने पारंपरिक फेस टू फेस क्लासरूम शिक्षण के स्थान पर सिस्को वेबएक्स मीटिंग एप्लिकेशन का उपयोग करके ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम दिए जाने की ओर अपना रुख किया। लॉकडाउन अवधि के दौरान, इन्होंने विभिन्न प्रसारण विषयों पर कई वेबिनार आयोजित किए। इसके साथ, राष्ट्रीय प्रसारण और मल्टीमीडिया अकादमी ने वार्षिक प्रशिक्षण कैलेंडर (एटीसी) के अनुसार निर्धारित प्रशिक्षण गतिविधियों का आयोजन किया गया। आकाशवाणी / दूरदर्शन के अभियांत्रिकी, कार्यक्रम और प्रशासनिक कर्मचारियों के लिए वर्चुअल कॉन्फ्रेंस सिस्टम का उपयोग करके कई विशेष और मांग / आवश्यकता आधारित ऑनलाइन प्रशिक्षण और वेबिनार भी आयोजित किए गए।

क. तकनीकी पाठ्यक्रमः

दूरदर्शन अधिकारियों के लिए 16:9 पहलू अनुपात में प्रसारण के लिए एसओपी (मानक संचालन प्रक्रिया) पर वेबिनार और 16:9 पहलू अनुपात में एसडी ट्रांसमिशन की गहन समझ और एसडी को 16:9 एसडी बनाने के लिए एफएफएमईजी और कैस्पार्क के उपयोग पर वेबिनार आयोजित किया गया। कुछ वेबिनार जैसे ई–ऑफिस और सीएएस, प्रसारण में सोशल मीडिया, पावर क्वालिटी सॉल्यूशन–रिएक्टिव पावर एंड हारमोनिक्स पर वेब आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम, टीवी स्टूडियो में फाइल आधारित वर्कफ़्लो, अभियांत्रिकी सहायकों के लिए ओरिएंटेशन कोर्स, कंप्यूटर हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर और नेटवर्क रखरखाव और निजी सहायकों /आशुलिपिकों के लिए एक्सेल/पावर पॉइंट/एमएस वर्ड/ईमेल और इंटरनेट एप्लिकेशन पर प्रशिक्षण, क्षेत्रीय कार्यालयों के लिए केंद्रीकृत लेखा सिस्टम (सीएएस) के ई–अकाउंट मॉड्यूल पर प्रशिक्षण भी आयोजित किया गया।

राष्ट्रीय प्रसारण और मल्टीमीडिया अकादमी को व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करने वाले प्रशिक्षण आयोजित करने में विशेषज्ञता है। इस तरह के प्रशिक्षण ऑनलाइन मोड में आयोजित करना एक चुनौती है और इसके लिए अतिसावधानी पूर्वक योजना बनाने की आवश्यकता होती है। ऐसा ही एक कोर्स तकनीशियनों के लिए एलईडी/एलसीडी टीवी रिपेयरिंग वर्कशॉप और एयर कंडीशनिंग सिस्टमः कॉन्सेप्ट्स एंड मेंटेनेंस टेक्स वरिष्ठ तकनीशियन/ तकनीशियन के लिए था। 5 दिनों के पाठ्यक्रम या उससे अधिक के लिए प्रतिभागियों की रुचि बनाए रखना ऑनलाइन प्रारूप में चुनौतीपूर्ण है। ऑनलाइन प्रशिक्षण में उपस्थिति के आंकड़ों से उम्मीदवारों की उपस्थिति ली जाती है और उम्मीदवारों को ऑनलाइन प्रमाण पत्र जारी किए जाते हैं। पाठ्यक्रमों का पुनर्भरण गुगल फीडबैक फोर्म्स पर ऑनलाइन भी लिया जाता है। ऑनलाइन पाठ्यक्रमों को कर्मचारियों की विशेषताओं को बढ़ावा देने और सुविधाजनक बनाने और मीडिया / प्रसारण के साथ बदलते समय की चुनौतियों का सामना करने के लिए जागरूकता बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

आकाशवाणी और दूरदर्शन अभियांत्रिकी कर्मचारियों के लिए मुख्य प्रशिक्षण गतिविधियों का विवरण नीचे दिया गया है:

I. टीवी पाठ्यक्रम:

- टीवी स्टूडियो अनुप्रयोग के लिए सीएएसपीएआरसीजी मॉड्यूल का विकास
- 16:9 अवस्थिति अनुपात में प्रसारण के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी)
- 16:9 अवस्थिति अनुपात में एसडी प्रसारण की गहनता से समझ
- एनईसी ट्रांसमीटरों के पॉवर एम्पलीफायर मरम्मत।
- एलईडी / एलसीडी टीवी की मरम्मत पर कार्यशाला
- एसडी को 16:9 एसडी बनाने के लिए एफएफ एमपीईजी और कैस्पर सीजी का उपयोग
- इन–हाउस न्यूज़ एनआरसीएस प्रणाली
- सीएएसपीएआर क्लाइंट प्रतिक्रिया के साथ सीएएसपीएआर सीजी ग्राफिक्स
- फ़ाइल आधारित वर्कफ़्लो
- डीवीबी टी2 टीx के लिए रखरखाव कार्यनितियां

II. रेडियो पाठ्यक्रम:–

- एफएम (आर एण्ड एस)
- टीबीएस और टीबीएस डैशबोर्ड

III. कंप्यूटर प्रौद्योगिकी:–

- क्लाउड कंप्यूटिंग
- साइबर सुरक्षा
- कंप्यूटर हार्डवेयर रखरखाव

IV. विशेष पाठ्यक्रम / कार्यशालाएं :–

- एलईडी / एलसीडी टीवी की मरम्मत कार्यशाला
- कार्यालयाध्यक्ष / ईएमटी प्रबंधकों के ई–ऑफिस
- गुगल वेब डिज़ाइनर के उपयोग से सीएएसपीएआरसीजी मॉड्यूल डिजाइनिंग।
- जीएसटी / जीईएम
- एजेएनआईएफएम द्वारा सार्वजनिक खरीद (मूल),
- एजेएनआईएफएम द्वारा सार्वजनिक खरीद (उच्च)
- सोशल मीडिया और प्रसारण
- साइबर सुरक्षा पर जेनेरिक ऑनलाइन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

V. अन्य :–

- डीजल जनरेटर / एयर कंडीशनर
- प्रबंधन और प्रशासनिक कौशल विकास पाठ्यक्रम
- प्रवेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम
- अभि. सहायकों, सहा. निदे. (अभि.) और सहा. अभियंताओं हेतु अभिविन्यास प्रशिक्षण कार्यक्रम

VI. राजस्व सृजन पर पाठ्यक्रम :—

- इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों हेतु ग्रीष्म कालीन प्रशिक्षण
- उत्तर प्रदेश / महाराष्ट्र के पॉलिटेक्निक / भारत के महापंजीयक कार्यालय के लिए प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किए गए।

ख. कार्यक्रम एवं प्रशासनिक पाठ्यक्रम

कोविड–19 महामारी के संकट के दौरान सामाजिक दूरी को बनाए रखते हुए कार्यक्रमों के निर्माण पर कोविड से संबंधित जागरूकता कार्यक्रमों पर विशेष इन–हाउस ऑनलाइन प्रशिक्षण, रेडियो जन आंदोलन, कोविड–19 के बीच रेडियो और टीवी प्रसारकों की सुरक्षा, आकाशवाणी और दूरदर्शन के कार्यक्रम के अधिकारियों / कर्मचारियों के लिए आयोजित किया गया।

आरटीआई के मामलों को देखना, भविष्यः पेंशन और अन्य सेवानिवृत्ति के पश्चात लाभों जैसे विभिन्न मांग आधारित पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त् आहरण एवं संवितरण अधिकारियों के लिए "अनुशासनात्मक कार्यवाही और विभागीय जांच", "प्रशासनिक सतर्कता", 'प्रशासनिक और वित्तीय प्रबंधन" पाठ्यक्रम भी आयोजित किए गए।

आकाशवाणी और दूरदर्शन के कार्यक्रम और प्रशासनिक कर्मचारियों के लिए कार्यक्रम और प्रशासनिक पाठ्यक्रमों के तहत मुख्य प्रशिक्षण गतिविधियों का विवरण नीचे दिया गया हैः

I. कार्यक्रम प्रबंधन और कार्यक्रम निर्माण/प्रस्तुति

(क) कार्यक्रम प्रबंधन

- पारस्परिक प्रबंधन
- संविदात्मक बुकिंग और असाइनमेंटः नीति और दिशानिर्देश
- लिंग संवेदनशील मीडिया प्रोग्रामिंग और कार्यस्थल से संबंधित।
- सीमा पार प्रसारण–रणनीतिक प्रोग्रामिंग और समाचार रिपोर्टिंग
- कला और संस्कृति के संरक्षक के रूप में लोक सेवा प्रसारण
- चुनावों के प्रसारण की संवेदनशील और बारीकियां
- रेडियो एग्री – दृष्टि (भाग i व ii)
- ई–ऑफिस प्रबंधन

(ख) प्रसारण मीडिया में प्रौद्योगिकी नवाचार

- प्रसारण मीडिया में डिजिटल परिवर्तन
- कृत्रिम मेघा (एआई)ः प्रसारण मीडिया का भविष्य

(ग) टीवी विशिष्ट कार्यक्रम पाठ्यक्रमः

- टीबीएस प्रतिभा बुकिंग प्रणाली / कलाकार बुकिंग प्रणाली।

I. कार्यक्रम निर्माण और प्रस्तुति

- रचनात्मक मनोरम रेडियो नाटक
- सामाजिक–आर्थिक परिवर्तन लाने के लिए रेडियो
- वृत्तचित्र निर्माणः विश्वासप्रद दर्शक
- विज्ञान और प्रौद्योगिकी कार्यक्रमों के लिए रेडियो लेखन की कला

- क्रॉस मीडिया अभियान– सोशल मीडिया और प्रसारण
- डिजिटल युग में अभिनव रेडियो लेखन
- रेडियो संग्रह, डिजिटलीकरण और पुनः पैकेजिंग
- खेल की और गैर–खेल कार्यक्रमों की रेडियो कोमेंट्रिज के लिए
- बदलते समय में बच्चों के कार्यक्रम
- भाषा (असमिया) उच्चारण पर कार्यशाला
- वोकल फॉर लोकल : आत्मनिर्भर भारत के लिए मुखर – रचनात्मक दृष्टिकोण

II. कोविड –19 पर विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम उचित व्यवहार

- कोविड–19 के लिए रेडियो जन आंदोलन उचित व्यवहार
- कोविड –19 के दौरान रेडियो और टीवी प्रसारकों की सुरक्षाः एक बहुमुखी चुनौती

ख. प्रशासनिक मामले

- सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 को देखना
- भविष्यः पेंशन और अन्य सेवानिवृत्ति पश्चात के लाभ
- अनुशासनात्मक कार्यवाही और विभागीय जांच
- प्रशासनिक सतर्कता
- डीडीओज के लिए प्रशासनिक और वित्तीय प्रबंधन
- स्थापना नियम
- लोक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली

ग. प्रसार भारती मीडिया इंटर्न्स के लिए विशेष अभिविन्यास प्रशिक्षण

- मीडिया इंटर्न्स के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम (बैच – I)
- मीडिया इंटर्न्स के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम (बैच– I)

घ. राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों के साथ अंतर्राष्ट्रीय सहयोगी वेबिनार

- एआईबीडी–एनएबीएम का वृत्तचित्र निर्माण पर सहयोगी वेबिनारः दर्शकों को विश्वासप्रद करना।
- एबीयू–एनएबीएम' डीआरआर पर सहयोगी वेबिनार– आकाशवाणी के लिए आपदा जोखिम न्यूनीकरण
- एबीयू–एनएबीएम डीआरआर पर सहयोगी वेबिनार– दूरदर्शन के लिए आपदा जोखिम न्यूनीकरण

4. वार्षिक प्रशिक्षण कलेंडर 2020–21 के अनुसार प्रशिक्षण लक्ष्य

वार्षिक प्रशिक्षण बैठक 2021–2022 एनएबीएम, दिल्ली में आयोजित की गई थी, जिसमें वित्तीय वर्ष 2021–2022 में एनएबीएम में आयोजित किए जाने वाले तकनीकी प्रभाग और कार्यक्रम प्रभाग से संबंधित निम्नलिखित पाठ्यक्रमों को अंतिम रूप दिया गया

क्रम सं.	प्रशिक्षण संस्थान का नाम	कार्यक्रम पाठ्यक्रम	प्रशासनिक पाठ्यक्रम	तकनीकी पाठ्यक्रम
i.	राष्ट्रीय प्रसारण एवं मल्टीमीडिया अकादमी, दिल्ली	50	12	55
ii.	राष्ट्रीय प्रसारण एवं मल्टीमीडिया अकादमी, भुवनेश्वर	13	4	30
iii.	क्षेत्रीय प्रसारण एवं मल्टीमीडिया अकादमी, शिलांग	8	0	17

5. प्राप्त लक्ष्य/कुल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम और प्रशिक्षित कर्मचारियों की संख्या (अप्रैल, 2021 से मार्च, 2022 की अवधि के दौरान)

क्रम सं.	प्रशिक्षण संस्थान का नाम	पाठ्यक्रम/वेबिनार के लिए	आयोजित पाठ्यक्रम/वेबिनार	प्रशिक्षित व्यक्ति
i.	राष्ट्रीय प्रसारण एवं मल्टीमीडिया अकादमी, दिल्ली	तकनीकी	66	7068
		कार्यक्रम और प्रशासनिक	36	1922
		कुल	102	8990
ii.	राष्ट्रीय प्रसारण एवं मल्टीमीडिया अकादमी, भुवनेश्वर	तकनीकी	30	1667
		कार्यक्रम और प्रशासनिक	17	219
		कुल	47	1886
iii.	क्षेत्रीय प्रसारण एवं मल्टीमीडिया अकादमी, शिलांग	तकनीकी	10	438
		कार्यक्रम और प्रशासनिक	05	165
		कुल	15	603
	कुल योग		164	11479

6. अप्रैल 2021—मार्च, 2022 की अवधि के दौरान अर्जित राजस्व :

क्रम सं.	संगठन का नाम	राशि
I	राष्ट्रीय प्रसारण एवं मल्टीमीडिया अकादमी, दिल्ली	रु. 10,65,665/—
II	राष्ट्रीय प्रसारण एवं मल्टीमीडिया अकादमी, भुवनेश्वर	रु. 64,74,964/—

अध्याय 4

आकाशवाणी और दूरदर्शन के लिए सामान्य सुविधाएं

क. प्रसार भारती अभिलेखागार

प्रसार भारती अभिलेखागार न केवल उन महान कलाकारों के स्मरणीय अभिनय का खजाना है, जिन्होंने भारत की समृद्ध संस्कृति, संगीत और नृत्य की विरासत में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है, बल्कि यह जब से हमारे देश में प्रसारण का शुभारंभ हुआ है, तब से स्वतंत्रता दिवस समारोह, गणतंत्र दिवस परेड, माननीय प्रधानमंत्री का राष्ट्र को संबोधन आदि जैसे महत्वपूर्ण कार्यक्रमों के साथ ही साथ, अन्य महत्वपूर्ण प्रसारण से जुड़े दुर्लभ मीडिया परिसंपत्तियों का भी संग्रह है। ये स्मरणीय अभिनय की दुर्लभ परिसंपत्तियां संगीत, नृत्य, नाटक, साक्षात्कारों, लघु फीचर फिल्मों, वृत्त चित्र, फीचर फिल्मों आदि जैसी शैलियों में ध्वनि–रिकॉर्डिंग और ऑडियो–विजुअल फुटेज के रूप में उपलब्ध है।

अभिलेखीय गतिविधियां का आरंभ प्रत्यंकन और कार्यक्रम विनिमय सेवा (टीएण्डपीईएस) के रूप में 3 अप्रैल 1954 से हुआ था, तब उसे सभी गणमान्य व्यक्तियों विशेष संदर्भ में भारत के राष्ट्रपतियों और प्रधानमंत्रियों के भाषणों की रेडियो रिकॉर्डिंग का प्रत्यंकन तैयार किए जाने का मुख्य कार्य सौंपा गया था। हालांकि देश में पहले से ही ऐसे अभिलेखों को संरक्षित किए जाने लिए अनौपचारिक अभिलेखागार थे, परंतु प्रत्यंकन सेवा की स्थापना हो जाने के बाद यह एक संगठित गतिविधि के रूप में परिवर्तित हो गया। वर्ष 2004 में दूरदर्शन अभिलेखागार की स्थापना मूल्यवान ऑडियो–विजुअल फुटेजों का अंकीकरण और संग्रहण किए जाने के उद्देश्य से की गई। हालांकि आरंभ में आकाशवाणी और दूरदर्शन में उनके संबंधित कार्यक्षेत्र के तहत अभिलेखीय सेटअप अलग–अलग हो गए थे। परन्तु वर्ष 2018 में इन दोनों सेटअपों को आपस में मिलाया गया था और एक अलग वर्टिकल के रूप में 'प्रसार भारती अभिलेखागार' के अंतर्गत उसे लाया गया।

उद्देश्य

प्रसार भारती अभिलेखागार का प्राथमिक उद्देश्य पूरे आकाशवाणी व दूरदर्शन नेटवर्क में निर्माण की गई मीडिया परिसंपत्तियों का ध्वनि रिकॉर्डिंग और ऑडियो–विजुअल शैली के रूप संग्रहण, डिजिटलीकरण और संरक्षण करना है। इस उद्देश्य में शामिल है धरोहर मीडिया को भावी पीढ़ी, अनुसंधान और कला एवं संस्कृति को पोषित करने के लिए डिजिटल डोमेन में सुरक्षित रखा जाना है। आकाशवाणी और दूरदर्शन चैनलों और ओटीटी प्लेटफार्मों को कार्यक्रम की सामग्री प्रदान करने के साथ–साथ प्रसार भारती राजस्व सृजन के लिए मीडिया परिसंपत्तियों के मुद्रीकरण के दृष्टिगत अभिलेखीय सामग्री का भी पुनः उपयोग किया जाता है।

ढॉचा

पूरे देशभर में आकाशवाणी एवं दूरदर्शन केंद्रों में उपलब्ध मीडिया परिसंपत्तियों की पहचान करने और उसे संग्रहित करने के लिए प्रसार भारती ने एक ढॉचा तैयार किया है। इस अभिलेखीय ढॉचे के अंतर्गत निम्नलिखित स्थापनाएं हैं :–.

1. केन्द्रीय अभिलेखागार (केंद्रीय और उत्तरी जोन), नई दिल्ली
2. क्षेत्रीय अभिलेखागार, पूर्वी क्षेत्र कोलकाता
3. क्षेत्रीय अभिलेखागार, पश्चिमी क्षेत्र, मुंबई

4. क्षेत्रीय अभिलेखागार, दक्षिणी क्षेत्र, चेन्नई
5. क्षेत्रीय अभिलेखागार, पूर्वोत्तर क्षेत्र, गुवाहाटी

विभिन्न राज्यों/क्षेत्रों के अभिलेखागार सेटअप विभिन्न केंद्रों/स्टेशनों में उपलब्ध अनमोल मीडिया परिसंपत्तियों की पहचान करने, डिजिटलीकरण और संग्रहण करने के कार्य में व्यस्त हैं।

केंद्रीय अभिलेखागार प्रसार भारतीः–

केंद्रीय अभिलेखागार आकाशवाणी भवन, संसद मार्ग, नई दिल्ली में स्थापित किया गया। यह प्रसार भारती के केन्द्रीय क्षेत्र और उत्तरी क्षेत्र की अभिलेखीय आवश्यकताओं को पूरा करता है। केंद्रीय अभिलेखागार नामतः दो विंगों में कार्य करता है, जो हैंः–

1. आकाशवाणी अभिलेखगार और 2. दूरदर्शन अभिलेखागार

1) आकाशवाणी अभिलेखगार

क. डिजिटल ध्वनि अभिलेखागार / लाइब्रेरी

डिजिटल ध्वनि अभिलेखागार प्रख्यात/प्रसिद्ध व्यक्तित्व, स्वतंत्रता सेनानियों, राष्ट्रीय नेताओं जैसे सुभाषचन्द्र बोस, महात्मा गांधी, जे.आर.डी. टाटा, उस्ताद अली अकबर खान, हरिवंश राय बच्चन, डॉ. वर्गीस कुरियन जैसे अन्य कई व्यक्तियों की अमूल्य रिकॉर्डिंग/आत्मकथाओं का समृद्ध भंडार है। इसके अतिरिक्त, दुर्लभ संगीत (शास्त्रीय, सुगम शास्त्रीय व लोकगीतों) की रिकॉर्डिंग, नाटक, फीचर, वृत्तचित्र, व्याख्यान और संस्कार गीत लाइब्रेरी में सुरक्षित रखे गए हैं।

ख. कार्यक्रम विनिमय एकांश

पूरे देश भर में फैले आकाशवाणी केंद्रों के बीच धारावाहिकों, फीचर, लोक गीत गायन, नाटकों और मासिक श्रृंखला नाटकों जैसे रेडियो कार्यक्रमों का प्रसारण करती है। इसे सरकारी और निजी संगठनों और शोध विद्वानों को अनुसंधान और वाणिज्यिक उद्देश्यों के लिए उनके अनुरोध पर ऑडियो सुनने / पूर्वावलोकन सुविधाएं प्रदान करने के लिए प्रयोग किया जाता है।

ग. डिजिटलीकरण एकांश

केंद्रीय अभिलेखागार के आकाशवाणी विंग ने सभी एनालॉग सामग्री को डिजिटाइज़ करने की एक मेगा परियोजना का आरंभ किया है। जिस कार्य में राष्ट्रीय प्रसारण, आकाशवाणी, दिल्ली, आकाशवाणी महानिदेशालय का नाटक अनुभाग और आकाशवाणी महानिदेशालय से संस्कार गीत कार्यक्रमों से प्राप्त टेप और सीडी का डिजिटलीकरण के साथ–साथ डिजिटाइज़्ड कार्यक्रमों की प्रतिकृति (डेटा बैकअप) को आपदा प्रतियों के रूप में भोपाल और बेंगलुरु में संग्रहीत किया जाना शामिल है। डिजिटलीकरण के बाद, महत्वपूर्ण कार्यक्रमों को सूचीबद्ध करने और लाइब्रेरी मैनेजमेंट सिस्टम में डेटा बनाए रखने का काम किया जाता है।

घ. प्रत्यंकन सेवा एकांश

यह एकांश भारत के राष्ट्रपतियों और प्रधानमंत्रियों द्वारा दिए गए भाषणों की रिकॉर्डिंग को लिप्यांतरित और संरक्षित करती है।

ङ. नवीनीकरण एकांश

यह एकांश केन्द्रीय अभिलेखागार में उपलब्ध आकाशवाणी अभिलेखागार की अनमोल रिकॉर्डिंगों की श्रव्य गुणवत्ता को बढ़ाने पर ध्यान देती है। जिस कार्य में रिकॉर्डिंग का नवीनीकरण, संपादन व वॉटरमार्किंग और उचित पूर्वावलोकन / अनुमोदन के बाद अपलोड के लिए सोशल मीडिया इकाई को प्रदान करना शामिल है।

च. वाणिज्यिक रिलीज और विपणन

यह एकांश लाइसेंस के साथ वाणिज्यिक और गैर–वाणिज्यिक आधार पर भाषण, फीचर, वृत्तचित्र आदि जैसी ऑडियो परिसंपत्तियां प्रदान करती है। इसके समृद्ध अभिलेखागार से कई एसीडी / डीवीडी शीर्षक वर्षों से जारी किए गए हैं। इन प्रकाशनों को पहले www.amazon.in और प्रसार भारती अभिलेखागार वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन बेचा गया था।

छ. पुनरुत्पादन एकांश

आकाशवाणी की अभिलेखीय विषयवस्तु को प्रसारण के लिए नए कार्यक्रम के रूप में पुनः प्रस्तुत किया जा रहा है। सार्वजनिक हित की अभिलेखीय कार्यक्रम सामग्री को ओटीटी/सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के लिए पुनः निर्माण किया गया है।

आकाशवाणी अभिलेखागार की महत्वपूर्ण गतिविधियां (2021–22):

- 1 अप्रैल, 2021 से 31 मार्च, 2022 के दौरान, आकाशवाणी अभिलेखागार डिजिटलीकरण एकांश ने 1265 घंटे (एनालॉग टेप) कार्यक्रमों का डिजिटलीकरण किया है। 31.03.2022 तक किया गया कुल डिजिटलीकरण 40,488 घंटे (कार्यक्रमों की संख्या 1,34,271) है।
- कार्यक्रमों का डिजिटलीकरण (एनालॉग ऑडियो से डिजिटल सिग्नल में रूपांतरण) और एलटीओ में भंडारण के लिए सैन सर्वर में स्थानांतरण। (17,881 घंटे 52,565 कार्यक्रमों की संख्या)।
- केन्द्रीय अभिलेखागार द्वारा आकाशवाणी की दुर्लभ कार्यक्रम सामग्री पर आधारित 52 एपिसोड की 'संग्रहालय के गलियारों से' नामक कार्यक्रम श्रृंखला का निर्माण किया गया और आकाशवाणी के इंद्रप्रस्थ, राजधानी, एफएम गोल्ड और एफएम रेनबो चैनल पर प्रसारित किया गया।
- सीडी/डीवीडी के लिए उपकरणों की अनुपलब्धता के कारण साथ ही साथ बाजार में कम मांग को देखते हुए 31.12.2021 से सीडी/डीवीडी का विक्रय बंद कर दिया गया है।
- वित्तीय वर्ष 2021–22 के दौरान, कार्यक्रम विनिमय एकांश ने संगीत सम्मेलन की क्यूरेटेड रिकॉर्डिंग उपलब्ध करवाई है और प्रसार भारती अभिलेखागार और आकाशवाणी रागम यू–ट्यूब चैनल पर अपलोड करने के लिए सीडी/डीवीडी कार्यक्रम सामग्री जारी की है। सभी सीडी/डीवीडी कार्यक्रम सामग्री को इसके डिजिटल विपणन और उपस्थिति दर्ज करवाने के लिए अपलोड किया गया है।
- स्टोरेज एरिया नेटवर्क सिस्टम को 6 टीबी से 24 टीबी तक अपग्रेड किया गया था और एलटीओ –7 टेप में स्टोरेज डेटा स्थानांतरित किया गया।
- 31 मार्च, 2021 की स्थिति के अनुसार आकाशवाणी टेप पुस्तकालयों में ऑडियो परिसंपत्तियों की 65,777 डिजिटाइज़्ड अमूल्य टेप/सीडीज शामिल हैं।

आकाशवाणी अभिलेखागार की गतिविधियों का सार (2021–22):

क्र. सं.	कार्यक्रम का विवरण	2020–21 (1 अप्रैल 2020–31 मार्च 2021)	2021–22 (1 अप्रैल 2021–31 मार्च 2022)	टिप्पणी
1.	कार्यक्रम सामग्री डिजिटाइज्ड	1,820 घंटे	1,265 घंटे	कुल डिजिटलीकरण: 40,488 घंटे
2.	संस्कार गीत डिजिटाइज्ड (संख्या)	571	20	कुल डिजिटिज़ेशन: 1,777 घंटे (21,891 संख्या)
3.	गूगल बुक्स पर डिजिटाइज्ड पुराने जर्नल और पत्रिकाओं को अपलोड किया जाना (संख्या)	3,042	463	अपलोड की गई कुल पुस्तकें: संख्या 3,505
4.	जर्नल और पत्रिकाएं (डाउनलोड)	54,760	71,872	कुल: 1,26,632 बार पुस्तकें डाउनलोड की गई हैं और लोगों द्वारा एक्सेस की गई हैं।
5.	अभिलेखीय सामग्री और नए निर्मित कार्यक्रमों की रीपैकेजिंग	26	52	वर्ष 2017 में शुरुआत हुई थी
6.	इन्वेंट्री (एलएमएस)	––	––	93,020 संख्या
7.	राजस्व सृजित (आकाशवाणी और दूरदर्शन दोनों)	रू. 54,08,612/–	रू. 66,48,100/–	ए/वी अभिलेखीय सामग्री के लाइसेंस शुल्क, सोशल मीडिया यूट्यूब चैनल सीडी/डीवीडी की ऑनलाइन विक्रय के माध्यम से सृजित राजस्व।

2) दूरदर्शन अभिलेखागार

क. वीडियो लाइब्रेरी/अभिलेखागार

केंद्रीय अभिलेखागार की वीडियो लाइब्रेरी एक समृद्ध कार्यक्रम सामग्री लाइब्रेरी है और पूरे प्रसार भारती नेटवर्क में विभिन्न दूरदर्शन केंद्रों से प्राप्त टेपों का एक केंद्रीय भंडार है। लाइब्रेरी सेटअप में अभिलेखागार की गतिविधियों को संग्रहीत करने के रूप में कार्य करता है। इसमें अमूल्य एनालॉग और नए डिजिटल प्रारूप में विभिन्न प्रकार के टेप का विशाल संग्रह है।

ख. डिजिटलीकरण और अभिलेखागार

दूरदर्शन केंद्रों द्वारा निर्माण किए गए एनालॉग मीडिया कार्यक्रम सामग्री को मीडिया परिसंपत्ति प्रबंधन (एमएएम) प्रणाली में डिजिटाईज़्ड और संरक्षित किया जाता है। मूलतः डिजिटल सामग्री को एमएएम प्रणाली में सीधे संग्रहीत किया जा रहा है। यू–मैटिक, बीसीएन, बीटाकैम और डीवीसी प्रो इत्यादि जैसे ये विभिन्न अमूल्य प्रारूप मीडिया के लिए हैं। यू–मैटिक, बीसीएन, बीटाकैम से लेकर डीवीसी प्रो–50 तक की सामग्री की डबिंग के लिए डबिंग/ट्रांसफर सूट लगाए गए हैं। इन सभी उपकरणों का रखरखाव वर्तमान अभियांत्रिकी संवर्ग के कर्मचारियों द्वारा किया जाता है।

ग. पुस्तकालय सूचना प्रणाली

आकाशवाणी केंद्रों और दूरदर्शन नेटवर्क के विभिन्न कार्यक्रम पुस्तकालयों में उपलब्ध मीडिया परिसंपत्तियों की खोज/सूची बनाने के लिए एक ऑनलाइन पुस्तकालय सूचना प्रणाली तैयार की गई है।

घ. धरोहर मीडिया की साफ–सफाई और पुनः स्थापन

किसी भी प्रकार के नुकसान से बचने के लिए धरोहर मीडिया की टेप की पूरी तरह से जांच की जाती है। डिजिटलीकरण से पहले आवश्यकता पड़ने पर उन्हें साफ किया जाता है और सामग्री का पुनः स्थापन किया जाता है। इस उद्देश्य के लिए उच्च गुणवत्ता वाले वीडियो डिजिटल का स्थापन और ध्वनि न्यूनीकरण प्रणाली को शामिल किया गया है। वीडियो पर किसी भी प्रकार की समस्या / व्याधि को उच्च गुणवत्ता वाली डिजिटल स्थापन प्रणाली (आर्केंजल) और डिजिटल ध्वनि न्यूनीकरण प्रणाली (प्यूरिटन) पर ठीक किया जाता है। इन प्रणालियों को वर्ष 2008 में स्थापित किया गया था। ओईएम के पास भी इन उपकरणों के कलपुर्जे उपलब्ध नहीं हैं। अभियांत्रिकी संवर्ग स्वयं बाहरी एजेंसियों को एएमसी दिए बिना ही इन मशीनों का संचालन / अनुरक्षण करता है।

ड. रीपैकेजिंग / पुनरुत्पादन करना

दूरदर्शन केन्द्रों द्वारा प्रसारण प्रयोजनों के लिए डिजिटाइज्ड अभिलेखीय सामग्री को क्यूररेटेड / पुनः पैकेज किया जाता है। सार्वजनिक हित की अभिलेखीय सामग्री को ओटीटी / सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के लिए रीपैकेजिंग किया गया है।

च. कार्यक्रम विनिमय

दूरदर्शन केन्द्रों के बीच कार्यक्रमों के विनिमय के प्रयोजनार्थ केन्द्रीय अभिलेखागार में कुछ चुनिंदा कार्यक्रमों का एक पूल बनाया गया है। प्रसारण उद्देश्य के लिए इस सामग्री का उपयोग प्राय दूरदर्शन केंद्रों के बीच विनिमय के लिए किया जाता है।

छ. फुटेज का विक्रय

मीडिया परिसंपत्तियां लाइसेंस के साथ वाणिज्यिक और गैर–वाणिज्यिक आधार पर विक्रय के लिए उपलब्ध हैं।

दूरदर्शन अभिलेखागार की महत्वपूर्ण गतिविधियां (2021–22):

- दूरदर्शन अभिलेखागार ने मीडिया परिसंपत्तिया मैनेजमेंट सिस्टम (एमएएम) के माध्यम से अब तक 24,324 घंटे की सामग्री को गहनता से संग्रहीत किया है, जिसमें से 111 घंटे की सामग्री को 1 अप्रैल 2021 से 31 मार्च 2022 की अवधि के दौरान संग्रहीत किया गया है।
- 31 मार्च 2022 तक कुल 34,232 घंटे 34 मिनट की अमूल्य सामग्री को डिजिटल टेप में डब/डिजिटाइज़ और संग्रहीत किया गया है, जिसमें से 1 अप्रैल 2021 से 31 मार्च 2022 की अवधि के दौरान 1476 घंटे 12 मिनट सामग्री का डिजिटलीकरण किया गया है।
- दिनांक ऑनलाइन लाइब्रेरी मैनेजमेंट सिस्टम (एलएमएस) में अब तक 59,415 की प्रविष्टियां फीड की गई हैं, उनमें से 286 प्रविष्टियों को 1 अप्रैल 2021 से 31 मार्च 2022 तक की अवधि के दौरान किया गया है।
- कार्यक्रम विनिमय योजना के अंतर्गत दूरदर्शन अभिलेखागार ने नेटवर्क में विभिन्न चैनलों जैसे डीडी नेशनल, डीडी भारती, डीडी रेट्रो को 13,213 घंटे की कार्यक्रम सामग्री प्रदान की है। जिसमें से 1612 घंटे की सामग्री 1 अप्रैल 2021 से 31 मार्च 2022 की अवधि के दौरान प्रदान की गई।
- विभिन्न गैर–रैखिक संपादन प्रणालियां जैसे कैनोपस एडियस प्रो और एफसीपी आदि सोशल मीडिया के लिए कार्यक्रम निर्माण/ट्रांसकोडिंग/ट्रांसफर करने के लिए दूरदर्शन अभिलेखागार में एनआरईपी सेटअप और दो कैस्पर सीजी प्ले आउट सर्वर स्थापित किए गए हैं।

दूरदर्शन अभिलेखागार की गतिविधियों का सार (2021–22):

क्र. सं.	कार्यक्रम विवरण	2020–21 (1 अप्रैल 2020–31 मार्च 2021)	2021–22 (1 अप्रैल 2021– 31 मार्च 2022)	कुल
1.	कार्यक्रम सामग्री संग्रहीत (एमएएम)	578 घंटे	111 घंटे 04 मिनट	24,324 घंटे 04 मिनट
2.	कार्यक्रम विनिमय	2,500 घंटे	1,612 घंटे	13,213 घंटे 07 मिनट
3.	डबिंग/डिजिटलीकरण	824 घंटे	1,476 घंटे 12 मिनट	34,232 घंटे 34 मिनट
4.	इनवेंटरी	1,917 संख्या	286 संख्या	59,415 संख्या
5.	मेटाडाटा	–––	–––	3,846 घंटे
6.	प्रसार भारती अभिलेखागार यूट्यूब चैनल पर अपलोड किए गए कार्यक्रम	1,070 संख्या	875 संख्या	3,951 संख्या
7.	अन्य चैनलों/सोशल मीडिया हैंडल पर अपलोड किए गए कार्यक्रम	395 संख्या	1,438 संख्या	1,833 संख्या
8.	टेप की साफ–सफाई	3,010 संख्या	2,450 संख्या	87,791 संख्या
9.	पुनः स्थापन	172 घंटे	80 घंटे	4,152 घंटे

सोशल मीडिया सेलः केंद्रीय अभिलेखागार

केंद्रीय अभिलेखागार सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफार्मों पर प्रसार भारती की उपस्थिति का विस्तार करने के लिए ओटीटी/सोशल मीडिया प्लेटफार्मों जैसे यूट्यूब, ट्विटर, फेसबुक, इंस्टाग्राम और कू पर सार्वजनिक हितों की आकाशवाणी और दूरदर्शन की मीडिया सामग्री को सार्वजनिक करता है।

प्रसार भारती अभिलेखागार पीबी अभिलेखागार, डीडी सिनेमा, पीबी लोक संपदा यूट्यूब चैनलों का प्रबंधन कर रहा है। सोशल मीडिया सेल द्वारा इन चैनलों में श्रेणियों के अनुसार प्रासंगिक सामग्री नियमित रूप से अपलोड की जा रही है। यह सोशल मीडिया सेल प्रसार भारती के अन्य यूट्यूब चैनलों जैसे डीडी नेशनल, डीडी भारती आदि में भी अपना योगदान देता है।

प्रसार भारती अभिलेखागार की ट्विटर, इंस्टाग्राम, फेसबुक और कू पर महत्वपूर्ण डिजिटल उपस्थिति दर्ज है। यूट्यूब पर अपलोड की गई सामग्री के विषय में लोगों को सूचित करने के लिए ट्वीट और फेसबुक पर नियमित रूप से पोस्ट किए जाते हैं।

विभिन्न प्लेटफार्मों के लिंक निम्नानुसार हैं:

यू टयूब चैनलः

i. प्रसार भारती अभिलेखागारः https://www.youtube.com/c/DDARCHIVES

ii. डीडी सिनेमाः https://www.youtube.com/c/ddcinemachannel

iii. आकाशवाणी रागमः https://www.youtube.com/c/AIRRaagam

iv. डीडी भारतीः https://www.youtube.com/channel/UCIAnlTV3O9NYWMI-DwYZaWg

v. डीडी नेशनलः https://www.youtube.com/doordarshannational

ट्विटरः

i. प्रसार भारती अभिलेखागारः https://twitter.com/centralarchives

ii. डीडी सिनेमाः https://twitter.com/DD_Cinema

इंस्टाग्रामः

i. प्रसार भारती अभिलेखागारः https://www.instagram.com/pbarchives/

ii. डीडी सिनेमाः https://www.instagram.com/doordarshancinema

फेसबुक पेज

i. प्रसार भारती अभिलेखागारः https://www.facebook.com/DDArchives

ii. डीडी सिनेमाः https://www.facebook.com/Doordarshancinema

कू ऐप

i. प्रसार भारती अभिलेखागारः https://www.kooapp.com/profile/pbarchives

ii. डीडी अभिलेखागारः https://www.kooapp.com/profile/DDCinema

महत्वपूर्ण गतिविधियांः

i. प्रसार भारती अभिलेखागार का यूट्यूब चैनल 01 मार्च, 2017 को सृजित किया गया था और इस चैनल का 20 सितंबर, 2018 से मुद्रीकरण किया गया है। प्रसार भारती यूट्यूब चैनल अब तक लगभग 114.6 मिलियन दर्शकों, लगभग 11 मिलियन घंटे देखने का समय और लगभग 766.0 हजार अभिदाताओं तक पहुंच गया है। अब तक कुल 3,950 वीडियो अपलोड किए जा चुके हैं। चैनल का मुद्रीकरण किए जाने के बाद अब तक लगभग 34,20,000/– रुपये (केवल चौंतीस लाख बीस हजार रुपये) अर्जित किए जा चुके हैं।

ii. वर्ष के दौरान यूट्यूब चैनल पर 35 मिलियन से अधिक बार देखा गया। इसके अतिरिक्त वर्ष 2021–22 में 3.4 मिलियन घंटे का वॉच टाइम दर्ज किया गया है।

iii. वर्ष के दौरान प्रसार भारती अभिलेखागार यू–ट्यूब चैनल से 13,40,000/– रुपये (केवल तेरह लाख चालीस हजार रुपये) से अधिक का राजस्व प्राप्त हुआ।

iv. एक नया यूट्यूब चैनल 'डीडी सिनेमा' सृजित किया गया था, जिस पर (सिनेमा और टेलीफिल्म कार्यक्रम सामग्री) इस चैनल पर अपलोड की जाती है। वाईटी चैनल में अब तक 321 सिनेमा/टेलीफिल्म उपलब्ध करवाई जा चुकी हैं। वित्तीय वर्ष 2021–22 के दौरान इसमें 162 वीडियो जोड़े गए। दुर्लभ अभिलेखीय कार्यक्रम सामग्री और बढ़ते हुए वॉच टाइम को देखते हुए, चैनल को इस वर्ष मुद्रीकृत किया गया है।

v. पिछले वर्षों के दौरान राजस्व बढ़ाने के लिए प्रसार भारती अभिलेखागार यूट्यूब चैनल पर सार्वजनिक की गई मीडिया परिसंपत्तियों का विवरण नीचे दिया गया हैः

चैनल का नाम	वित्तीय वर्ष	वीडियो की संख्या	सब्सक्राइबर की संख्या	वॉच टाइम (घंटे)	दर्शक	राजस्व (रुपये में)
प्रसार भारती अभिलेखागार	2018–19	609	49.7 हजार	821.4 हजार	8.2 मिलियन	51,051
	2019–20	1406	182.5 हजार	2.0 मिलियन	22.5 मिलियन	4,79,066
	2020–21	2219	262.6 हजार	4.0 मिलियन	40.4 मिलियन	14,06,845
	2021–22	815	228.10 हजार	3.4 मिलियन	35 मिलियन	13,40,000
डीडी सिनेमा	2021–22	170	13.37 हजार	273 हजार	1762 हजार	1,15,890

चैनल का नाम	वित्तीय वर्ष	वीडियो की संख्या	सब्सक्राइबर की संख्या	वॉच टाइम (घंटे)	दर्शक	राजस्व (रुपये में)
डीडी भारती	2021–22	267	5.4 हजार	38 हजार	570 हजार	9,077
आकाशवाणी रागम	2021–22	440	8.19 हजार	45 हजार	477 हजार	19,973

vi. किए गए महत्वपूर्ण अपलोड की प्लेलिस्टः

क्र.सं.	प्लेलिस्ट का नाम	यूट्यूब लिंक
1	भारत की जनजातियां	https://youtube.com/playlist?list=PLqtVCj5iilH6-TRHKoFWltNkAHqjXFDpp
2	टेलीफिल्म	https://youtube.com/playlist?list=PLAnB9RBWdEb7T52MHsfzcf7HWjERukV8n
3	संग्रहालय के गलियारे से	https://youtube.com/playlist?list=PLqtVCj5iilH6-GsQaf7gBn7aIAG0pxQtM
4	स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति का संदेश	https://youtube.com/playlist?list=PLqtVCj5iilH4QghSrtPnTrdgoGZyhcM22
5	आजादी के 75 वर्ष	https://youtube.com/playlist?list=PLqtVCj5iilH6aRqGUpJq6DsgnoRwBKHtu
6	आजादी की कहानी भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की कहानी	https://youtube.com/playlist?list=PLqtVCj5iilH7V4gQhJdkSAWm9QFJOoGcf
7	रेडियो की आत्मकथा	https://youtube.com/playlist?list=PLqtVCj5iilH5JdXwPPCklwAjcZ1oBSOka
8	बांग्लादेश की आज़ादी 1971	https://youtube.com/playlist?list=PLqtVCj5iilH6vLoor08dv8-wBcqADI6ZH
9	गणतंत्र दिवस परेड	https://youtube.com/playlist?list=PLqtVCj5iilH5AV4mzlFe7IhihqIrTJ5Ud
10	जेआरडी टाटा	https://youtube.com/playlist?list=PLqtVCj5iilH524g4JjTG25DNW7cEL8fWB
11	कश्मीर में आतंकवाद का इतिहास और उत्पत्ति	https://youtube.com/playlist?list=PLqtVCj5iilH7NFxUns330bjLy55r_B0LO
12	डीडी दस्तावेज़ (डीडी न्यूज द्वारा टीवी श्रृंखला)	https://www.youtube.com/playlist?list=PLqtVCj5iilH5qevkKPYLhZ_49L2w5rfHy
13	1983 क्रिकेट विश्व कप	https://www.youtube.com/playlist?list=PLqtVCj5iilH6VyLE-6giaxcgnHqV5ugs5

विक्रय/विपणनः केंद्रीय अभिलेखागार

वित्तीय वर्ष (2021–22) के दौरान विक्रय/राजस्वः

i.	डीडी फुटेज विक्रय	: रू. 47,00,280
ii.	यूट्यूब से राजस्व (प्रसार भारती अभिलेखागार + डीडी सिनेमा)	: रू. 14,56,015
iii.	अभिलेखागार वेबसाइट पर ऑनलाइन विक्रय	: रू. 1,24,171
iv.	आकाशवाणी भवन स्थित काउंटर पर विक्रय	: रू. 1,52,284
v.	आकाशवाणी फुटेज विक्रय	: रू. 2,15,350
	कुल	**: रू. 66,48,100**

ख. सिविल निर्माण स्कंध

सिविल निर्माण स्कंमध के संबंध में : आकाशवाणी

1.0 अवलोकन

सिविल निर्माण स्कंध, आकाशवाणी (सीसीडब्लयू, आकाशवाणी) की स्थापना वर्ष 1971 में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत आने वाले संगठनों के सिविल कार्यों को पूरा करने के लिए की गई थी। इससे पूर्व यह कार्य केंद्रीय लोक निर्माण विभाग द्वारा निष्पादित किया जाता था। सिविल निर्माण स्कंध, आकाशवाणी (सीसीडब्लयू, आकाशवाणी) द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यालय भवनों, आवासीय भवनों, रेडियो स्टूडियो, टीवी स्टूडियो, सड़कों, आरसीसी और स्टील टॉवर, स्टील मास्क का निर्माण और अनुरक्षण व सूचना और प्रसारण मंत्रालय के अधीन प्रसार भारती (आकाशवाणी एवं दूरदर्शन और अन्य मीडिया यूनिटों के लिए अन्य विकासात्मक कार्यों को निष्पादित किया जाता है। सिविल निर्माण स्कंध आकाशवाणी पूरे भारत में अन्य मंत्रालयों, विभागों, स्वायत्त निकायों, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों इत्यादि के सिविल कार्यों को भी डिपोज़िट वर्क के रूप में निष्पादित करता है। दिनांक 31 जनवरी, 2008 को सूचना और प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार नई दिल्ली द्वारा सिविल निर्माण स्कंध को केंद्रीय लोक निर्माण संगठन (सीपीडब्ल्यूओ) घोषित किया गया। सामान्य वित्तीय नियम (जीएफआर) के नियम 133(2) के तहत सूचना और प्रसारण मंत्रालय के अंतर्गत (सीसीडब्ल्यू) की सिविल ईकाई की पहचान लोक निर्माण संगठन के रूप में हुई है। सीसीडब्ल्यू केंद्रीय लोक निर्माण विभाग की कार्य पद्धति के अनुसार कार्य करता है। सीसीडबल्यू के पास सिविल इंजीनियरों, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरों और आर्किटेक्ट्स का कार्यबल है। प्रशासनिक रूप से सीसीडब्लयू आकाशवाणी महानिदेशालय का हिस्सा है जिसका नेतृत्व एक मुख्य अभियंता द्वारा किया जाता है जो प्रमुख अभियंता के माध्यम से महानिदेशक आकाशवाणी को रिपोर्ट करता है। सिविल निर्माण स्कंध नई दिल्ली के मुख्यालय में मुख्य अभियंता की सहायता के लिए कार्यों का अधीक्षक सर्वेक्षक, आर्किटेक्ट इकाइयां, अभियांत्रिकी अधिकारी, वित्त सलाहकार और इन अधिकारियों के साथ कार्यरत अन्य सहायक स्टॉफ है। एक अधीक्षक अभियंता (प्रशिक्षण) दिल्ली में हैं जो प्रमुख अभियंता, आकाशवाणी को रिपोर्ट करते हैं। अधीक्षक अभियंता (प्रशिक्षण) गुणवत्ता आश्वासन और प्रौद्योगिकी की पहचान/अद्यतन करने के लिए और सीसीडब्ल्यू के अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्माण प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नई सामग्री मानकों, विशिष्टताओं और नवाचारों के बारे में प्रशिक्षण प्रदान करते हैं।

सिविल निर्माण स्कंध ने पूरे देश में अपनी पहचान बनाई है और जिसमें 7 सिविल सर्कल, 3 इलेक्ट्रिक सर्कल, 24 सिविल डिविज़न, 11 इलेक्ट्रिक डिविज़न और एक वास्तुकला संबंधी एकांश है। जनवरी, 2022 तक की स्थिति के अनुसार, सीसीडब्ल्यू में आकाशवाणी और दूरदर्शन भवनों के निर्माण और रखरखाव के साथ ही साथ कारगिल से कन्याकुमारी और ज़िरो (अरुणाचल प्रदेश) से भुज (गुजरात) तक डिपोज़िट वर्क को करने के लिए समग्र 427 की तकनीकी जनशक्ति तैनात है।

महामारी के दौरान देशभर में सीसीडब्ल्यू में ई–ऑफिस पर कार्य किया जाना लागू कर दिया गया था, जिसके परिणामस्वरूप बिना किसी भौतिक फाइलों के घर ही से कार्य ई–ऑफिस पर सरलता और शीघ्र किया जा रहा है।

महामारी के दौरान पूरे भारत वर्ष में अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए बहुत से वर्चुअल प्रशिक्षण आयोजित किए गए। कार्यपालक अभियंता (प्रशिक्षण) के अंतर्गत भौतिक फाइलों का डिजिटलीकरण पूरा किया गया है।

सिविल निर्माण स्कंध को पूरे देश में सबसे लंबे आरसीसी और आरसीसी सह स्टील टीवी टावर के निर्माण किए जाने का श्रेय प्राप्त है।

2.0 सीसीडब्ल्यू की उपस्थिति

सिविल सर्कल, डिवीज़न व सब–डिवीज़न

सर्कल	डिवीज़न	सब–डिवीज़न
चेन्नई	चेन्नई, बंगलौर, कोच्चि, हैदराबाद	13
मुंबई	मुंबई, वड़ोदरा, भोपाल, पुणे	11
कोलकाता	कोलकाता, भुवनेश्वर, पटना, सिलीगुड़ी	12
गुवाहाटी	गुवाहाटी, सिलचर, ईटानगर	9
दिल्ली सर्किल – I	मंडी हाउस, लखनऊ	7
दिल्ली सर्किल – II	सूचना भवन I और II, जम्मू, चंडीगढ़	12
दिल्ली सर्किल – III	जयपुर, दिल्ली मेट्रो I और II	08
7	24	72

इलेक्ट्रिकल सर्किल, डिवीज़न और सब–डिवीज़न

सर्किल	डिवीज़न	सब–डिवीज़न
कोलकाता	कोलकाता, पटना, गुवाहाटी	09
नागपुर	नागपुर, मुंबई, चेन्नई, बैंगलुरू	12
दिल्ली	दिल्ली I, II, III	12
3	11	31

3.0 महामारी के दौरान महत्वपूर्ण उपलब्धि

3.2 महामारी के दौरान आकाशवाणी, दूरदर्शन और अन्य मीडिया इंस्टालेशनों को पूरी तरह से कार्यरत रखने के लिए नियमित रखरखाव और विशेष मरम्मत कार्य सफलतापूर्वक किए गए।

3.3 एफएम ट्रांसमीटर भवन सुल्तानपुर

Civil Circles/ Divisions/ Sub Divisions Offices

Electrical Circles/ Divisions/ Sub Divisions Offices

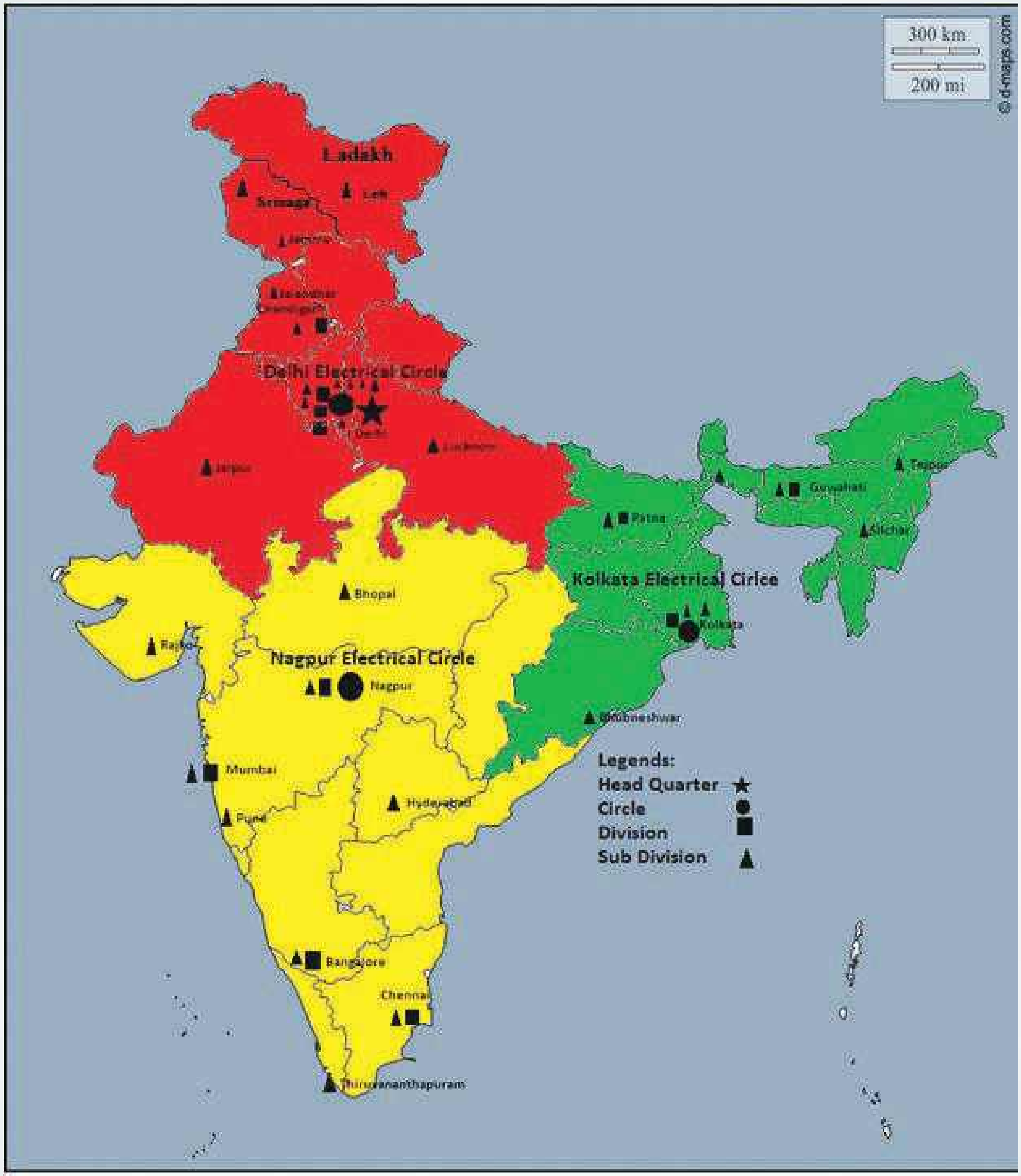

अध्याय 5

मानव संसाधन और प्रशासन

क. कर्मचारियों की संख्याः

प्रसार भारती में स्वीकृत पदों की संख्या एवं पदस्थ कार्यबल का दिनांक 31.03.2022 की स्थिति के अनुसार विवरण नीचे दिया गया है:

	आकाशवाणी	दूरदर्शन	कुल
स्वीकृत पद	26,129	19,662	45,791
पदस्थ	11,674	9,551	21,225

ख. पदोन्नतिः

2021–22 के दौरान आयोजित विभागीय पदोन्नति समिति की बैठकें (डीपीसी)

01.04.2021 से 31.03.2022 के दौरान समूह–क के पदों के लिए आयोजित विभागीय पदोन्नति समिति की बैठकें (डीपीसी) का विवरण निम्न प्रकार है:

क्र. सं.	संवर्ग/ग्रेड व दिनांक को आयोजित विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक	कितने अधिकारियों को पदोन्नति के लिए संस्तुत किया गया
1.	रिक्त वर्ष 2019, 2020 और 2021 की उप निदेशक (श्रोता अनुसंधान) के पदों पर पदोन्नति के लिए दिनांक 06.04.2021 को विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक आयोजित की गई।	07
2.	भारतीय प्रसारण (अभि.) सेवा के कनि. प्रशासनिक. ग्रेड से वरि. प्रशासनिक ग्रेड में एनएफयू (वेतन समानता) प्रदान करने के लिए दिनांक 13.04.2021 को विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक आयोजित की गई।	25
3.	रिक्त वर्ष 2020 और 2021 के लिए कार्यकारी अभियंता (सिविल)/सर्वेयर ऑफ वर्क्स (सिविल) के ग्रेड में पदोन्नति प्रदान करने के लिए दिनांक 23.06.2021 को विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक आयोजित की गई।	09
4.	रिक्त वर्ष 2020 और 2021 के लिए कार्यपालक अभियंता (इलेक्ट्रिकल) / कार्य सर्वेक्षक (इलेक्ट्रिकल) के ग्रेड में पदोन्नति दिए जाने के लिए दिनांक 16.07.2021 को विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक आयोजित की गई।	03
5.	भारतीय प्रसारण (कार्य.) सेवा के वरि. प्रशासनिक ग्रेड में पदोन्नति प्रदान करने के लिए दिनांक 15.01.2021 को विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक आयोजित की गई।	03
6.	भारतीय प्रसारण (कार्य.) सेवा के कनि. प्रशासनिक ग्रेड में श्री एन.के. मोहन राम को पदोन्नति के लिए दिनांक 18 अगस्त, 2021 को विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक आयोजित की गई।	01

क्र. सं.	संवर्ग/ग्रेड व दिनांक को आयोजित विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक	कितने अधिकारियों को पदोन्नति के लिए संस्तुत किया गया
7.	रिक्त वर्ष 2019 के लिए श्रोता अनुसंधान अधिकारी के पद पर पदोन्नति के लिए दिनांक 15.09.2021 को विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक आयोजित की गई।	02
8.	भारतीय प्रसारण (अभि.) सेवा के एसटीएस से कनि. प्रशासनिक. ग्रेड में एनएफयू (वेतन समानता प्रदान करने के लिए दिनांक 21.10.2021 को विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक आयोजित की गई।	51
9.	वर्ष 2021 की उप निदेशक (प्रशा.) के पद पर पदोन्नति की रिक्तियों के लिए दिनांक 23.11.201 को विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक आयोजित की गई।	08
10.	वर्ष 2019–2020 के लिए भारतीय प्रसारण (अभि.) सेवा के सीनियर टाइम स्केल से सीनियर टाइम स्केल (एनएफएसजी) तक प्लेसमेंट के लिए दिनांक 06.12.2021 को विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक आयोजित की गई।	43
11.	रिक्त वर्ष 2021 के लिए सीनियर टाइम स्केल से भारतीय प्रसारण (अभि.) सेवा में कनि. प्रशासनिक ग्रेड में पदोन्नति के लिए दिनांक 29 दिसंबर, 2021 को विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक आयोजित की गई।	06
12.	वर्ष 2021 के लिए भारतीय प्रसारण (अभि.) सेवा के वरि. प्रशासनिक ग्रेड से एचएजी तक में पदोन्नति के लिए सूचना और प्रसारण मंत्रालय में विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक आयोजित और 10.02.2022 को आदेश जारी किए गए।	01
13.	श्री एन. के. मोहन राम को कनि. प्रशासनिक ग्रेड (एनएफएसजी) में पदोन्नति देने के लिए दिनांक 2 मार्च, 2021 को विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक आयोजित की गई।	01

ग. भर्ती :

प्रसार भारती अधिनियम, 1990 की धारा 32 की उप–धारा (2) के खंड (डी) और (ई) के साथ पठित धारा 10 की उप–धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, प्रसार भारती (भारतीय प्रसारण निगम) भर्ती बोर्ड की स्थापना नियम, 2020 नामक एक अधिसूचना को सूचना और प्रसारण मंत्रालय द्वारा भारत के राजपत्र असाधारण दिनांक 12.02.2020 में जारी किया गया है।

घ. आरक्षण :

I. अनुसूचित जातियों / अनुसूचित जनजातियों / अन्य पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षणः

प्रसार भारती में एक समर्पित अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति सेल की स्थापना करके अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग के कर्मचारियों से संबंधित आरक्षण नीति के कार्यान्वयन के लिए आवश्यक उपाय किए हैं। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति सेल समय–समय पर अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति कर्मचारियों के लिए जारी आरक्षण संबंधी आदेशों का उचित अनुपालन सुनिश्चित करता है। सरकारी सेवा में कार्यरत अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग के कर्मचारियों को लाभ प्रदान करने के लिए नोडल मंत्रालयों/विभागों द्वारा जारी सभी संबंधित नीतियों निर्देशों और अनुदेशों को संबंधित महानिदेशालयों द्वारा व्यापक रूप से कार्यान्वयन के लिए सभी अधीनस्थ/क्षेत्रीय कार्यालयों के बीच परिचालित किया गया।

माननीय राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग (एनसीएससी) और माननीय राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग (एनसीएसटी) की सिफारिशें, जैसा कि उनकी वार्षिक रिपोर्टों में दर्शाया गया है, के कठोर अनुपालन के लिए विभिन्न स्तरों पर प्रसारित की जाती हैं। आरक्षित श्रेणी के कर्मचारियों के प्रतिनिधित्व पर समेकित वार्षिक विवरण और आरक्षित श्रेणी के

कर्मचारियों के संबंध में नियुक्ति और रिक्तियों से संबंधित अन्य विशिष्ट जानकारियों का विवरण समय–समय पर संबंधित प्राधिकारियों को प्रस्तुत किया जाता है। शिकायत निवारण तंत्र के माध्यम से कर्मचारियों की शिकायतों के निवारण के लिए भी आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

प्रसार भारती और विभिन्न समूहों की सेवाओं में कार्यरत अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के कर्मचारियों का समग्र प्रतिनिधित्व निम्नानुसार है:

प्रसार भारती में अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति / अन्य पिछड़ा वर्ग / ईडब्ल्यूएस / अनारक्षित वर्गों का विभिन्न समूहों की सेवाओं में आकाशवाणी और दूरदर्शन में प्रतिनिधित्व।

समूह	कुल स्वीकृत पद	कुल	अनु. जाति	अनु. जनजाति	अ.पि.वर्ग	सामान्य
ए	3119	945	173	69	63	640
बी	21854	10222	1569	1007	1185	6461
सी	20818	10058	2080	1381	1211	5386
कुल	45791	21225	3822	2457	2459	12487

आकाशवाणी महानिदेशालय के आंकड़ों में विसंगतियां हैं जिन्हें अभी ठीक किया जाना है।

II. दिव्यांगजनों (पीडब्ल्यूडी) के लिए आरक्षण:

भारत का संविधान सभी व्यक्तियों में समानता, स्वतंत्रता, न्याय व गरिमा का सभी व्यक्तियों में भाव सुनिश्चित करता है और दिव्यांगजनों सहित सभी के लिए एक समावेशी समाज को अनिवार्य बनाता है। भारत सरकार ने दिव्यांगजनों के लिए समान अवसर और राष्ट्र निर्माण में उनकी पूर्ण भागीदारी सुनिश्चित करने के प्रयास में "दिव्यांगजन (समान अवसर, अधिकारों का संरक्षण और पूर्ण भागीदारी) अधिनियम, 1995" अधिनियमित किया है। दिव्यांगजन अधिनियम वर्ष 1996 में लागू हुआ है। तदउपरांत भारत सरकार ने "दिव्यांगजनों के अधिकार अधिनियम, 2016" पारित किया जो 19 अप्रैल 2017 से लागू हुआ व दिव्यांगजनों के लिए आरक्षण से संबंधित निर्देशों को कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग के कार्यालय ज्ञापन दिनांक 15.01.2018 द्वारा जारी किया गया। दिव्यांगजनों के लिए आरक्षण अधिनियमित हो जाने से समूह क, ख और ग वर्ग के पदों की सीधी भर्ती के मामले में भी लागू हो गया।

दिव्यांगजनों के लिए पदोन्नति में आरक्षण के संबंध में, समूह 'घ' (पूर्ववर्ती) से समूह 'ग' में की जाती है और समूह 'ग' के चिन्हित पदों पर पदोन्नति की जाती है।

प्रसार भारती ने दिव्यांगजनों के लिए आरक्षण के कार्यान्वयन संबंधी सभी आवश्यक उपाय सुनिश्चित किए हैं। कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग द्वारा दिव्यांगजनों के लिए समय–समय पर जारी सभी संबंधित नीतिगत निर्णयों और निर्देशों का पालन किया जा रहा है।

प्रसार भारती अपने चैनलों के माध्यम से दिव्यांगजनों पर कार्यक्रम प्रसारित करता है। जिनमें केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा दिव्यांगजनों के कल्याण के लिए कार्यान्वित की जा रही योजनाओं पर कार्यक्रम शामिल हैं। उसमें उनके स्वास्थ्य, सामाजिक और सांस्कृतिक सरोकारों से संबंधित कार्यक्रम भी शामिल हैं। इन कार्यक्रमों की विषय–वस्तु इस प्रकार तैयार की जाती है, जिससे न केवल दिव्यांगजनों को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का पूरा लाभ प्राप्त करने में मदद मिले, बल्कि वे उन्हें सम्मान के साथ जीने के लिए प्रोत्साहित भी किया जा सके। कार्यक्रम सामाजिक जागरूकता की दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं और दिव्यांगजनों के प्रति लोगों के असंवेदनशील रवैये को बदलने में भी उपयोगी हैं।

यद्यपि दिव्यांगजनों के लाभ के लिए कोई विशिष्ट बजट शीर्ष नहीं है, दिव्यांगजनों के लिए रैम्प, विशेष शौचालयों जो विशेष रूप से कार्यालयों के भूतल पर स्थित हो का निर्माण जैसी गतिविधियां सिविल निर्माण स्कंध, आकाशवाणी के 'लघु निर्माण कार्यों' बजट शीर्ष से संचालित की जाती हैं।

I. आकाशवाणी

	आकाशवाणी		
	कुल स्वीकृत पद	कुल पदस्थ	पदस्थ दिव्यांगजन
समूह ए	1867	658	7
समूह बी	12535	5448	42
समूह सी	12508	4971	50
कुल	**26910**	**11077**	**99**

ङ. लोक शिकायत और निवारण तंत्र :

शिकायत निवारण और अभिगम्य तंत्र प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग के दिशानिर्देशों के अनुसार काम कर रहा है और जिसकी केंद्रीकृत लोक शिकायत निवारण और निगरानी प्रणाली (सीपीजीआरएएमएस) के माध्यम से निगरानी की जाती है। लोक शिकायतों और पेंशन निवारण याचिकाओं पर तुरंत ध्यान दिया जाता है और उनका जल्द से जल्द निपटारा किया जा रहा है। शिकायतों के निपटान से संबंधित मासिक स्थिति रिपोर्ट सूचना और प्रसारण मंत्रालय को प्रस्तुत की जाती है। याचिकाकर्ताओं को भेजे गए एटीआर/उत्तर भी डीएआरपीजी पोर्टल पर अपलोड किए जाते हैं।

01.04.2021 से 31.03.2022 की अवधि के दौरान डीएआरपीजी पोर्टल पर शिकायतों की स्थिति नीचे दी गई है:

विवरण	शिकायतों की संख्या
शेष (01.04.2021 तक)	190
प्राप्त शिकायत (2021–22 के दौरान)	1088
कुल	1278
निपटाया गया	1187
अंत शेष (31.03.2022 तक)	91

च. अदालत के मामलों का प्रबंधन:

प्रसार भारती अदालती मामलों और मध्यस्थता के मामलों की निगरानी, विधि कार्य विभाग के कानूनी सूचना प्रबंधन और ब्रीफिंग सिस्टम (एलआईएमबीएस) के माध्यम से करता है। सभी कोर्ट के मामलों को इस पोर्टल पर लाने के लिए ठोस प्रयास किया गया है। इसके लिए लिम्बस संस्करण–2.0 को भी लागू किया गया है और सभी अदालती मामलों को अपलोड और अपडेट किया जा रहा है। कोर्ट के मामलों की प्रगति की नियमित निगरानी के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। प्रसार भारती सचिवालय में केंद्रीकृत मासिक समीक्षा की एक प्रणाली आरंभ की गई है। अदालत के मामलों और वाणिज्यिक मामलों का वर्तमान विवरण नीचे दिया गया है:

(क) अधिकांश कोर्ट के मामले विभिन्न माननीय केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरणों (कैटों) में लंबित हैं। 01.04.2021 से 31.03.2022 की अवधि में केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण के मामलों में निर्णयों/आदेशों के कार्यान्वयन की सूचना निम्नानुसार है:

क्र.सं.	मीडिया इकाइयां/ अनुभाग	माननीय कैट में अदालती मामलों की संख्या	केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण से प्राप्त निर्णय/आदेश की संख्या	लागू किए गए निर्णय/ आदेश की संख्या
1.	महानिदेशालयः दूरदर्शन	250	45	34
2.	महानिदेशालयः आकाशवाणी	101	51	7
	कुल	351	96	41

छ. सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 का कार्यान्वयनः

श्रेणी	प्राप्त हुए	निपटाए गए
आरटीआई	1207	993
प्रथम अपील	238	222

सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत आवेदन प्रत्यक्ष और ऑनलाइन मोड में प्राप्त होते हैं। सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत प्राप्त प्रत्यक्ष आवेदनों को ऑनलाइन मोड में परिवर्तित करने का प्रयास किया गया और ई–ऑफिस के माध्यम से संचालित किया गया। प्रसार भारती की वेबसाइट पर केंद्रीय जनसूचना अधिकारियों और अपीलीय प्राधिकारियों की सूची नियमित रूप से अद्यतन की जाती है।

ज. राजभाषा का कार्यान्वयनः

i) प्रसार भारती सचिवालय में हिंदी का प्रगामी प्रयोग

- प्रसार भारती की वार्षिक रिपोर्ट, लेखा परीक्षा रिपोर्ट और प्रसार भारती के वार्षिक लेखे का हिंदी अनुवाद।
- संसद के समक्ष रखे जाने वाले संसदीय प्रश्नों के उत्तरों का हिंदी अनुवाद।
- समझौता ज्ञापनों (एमओयू) का हिंदी अनुवाद।
- सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत प्राप्त विभिन्न प्रश्नों के उत्तरों का हिंदी अनुवाद।

प्रसार भारती सचिवालय के हिंदी अनुभाग द्वारा निम्नलिखित कार्य निष्पादित किया जाता हैः–

- हिंदी के प्रगामी प्रयोग संबंधी तिमाही, अर्धवार्षिक और वार्षिक रिपोर्ट तैयार करना।
- सभी बैठकों की कार्यसूची और कार्यवृत्त हिंदी में तैयार करना।
- राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठकें आयोजित करना, बैठक के कार्यवृत्त जारी करना और बैठकों में लिए गए निर्णयों का अनुपालन।
- संसदीय राजभाषा समिति को दिए गए आश्वासनों को पूरा करने के लिए की गई कार्रवाई का अनुपालन।
- राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) के अंतर्गत आने वाले सभी प्रकार के दस्तावेजों का हिंदी अनुवाद।
- हिंदी कार्यशालाओं और डेस्क–कार्यशालाओं का आयोजन।
- हिंदी शिक्षण योजना के अंतर्गत हिंदी प्रशिक्षण, हिंदी टंकण/आशुलिपि प्रशिक्षण की व्यवस्था करना।
- हिंदी दिवस/हिंदी माह आदि का आयोजन तथा हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए हिंदी प्रतियोगिताएं आयोजित करना।
- प्रसार भारती सचिवालय के सभी कंप्यूटरों पर हिंदी में कार्य के लिए यूनिकोड का प्रयोग सुनिश्चित करना।
- आवश्यकता के अनुसार किसी अन्य रिपोर्ट, विवरण और पाठ का हिंदी अनुवाद।
- प्रसार भारती सचिवालय में हिंदी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ाने हेतु गतिविधियों का आयोजन।

ii) दूरदर्शन महानिदेशालय में हिंदी का प्रगामी प्रयोग

दूरदर्शन महानिदेशालय का हिंदी अनुभाग महानिदेशालय और इसके अधीनस्थ कार्यालयों में राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग की स्थिति की समीक्षा करता है और हिंदी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए सभी प्रयास करता है।

इस संदर्भ में 1 अप्रैल, 2021 से मार्च, 2022 तक इस अनुभाग द्वारा किए गए प्रमुख कार्य निम्नानुसार हैं:–

- राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3(3) के तहत आने वाले सभी दस्तावेज़ द्विभाषी रूप में जारी किए गए और हिंदी में प्राप्त सभी पत्रों के उत्तर हिंदी में दिए गए।
- दूरदर्शन महानिदेशालय के कंप्यूटरों में हिंदी फॉँट डाले गए।
- महानिदेशालय में राजभाषा नीति के अनुपालन की स्थिति की समीक्षा हेतु नियमित आधार पर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकें आयोजित की गईं।
- अधिकारियों एवं कर्मचारियों में राजभाषा हिंदी के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने और उन्हें हिंदी में काम करने के लिए प्रेरित करने के लिए प्रत्येक तिमाही पर हिंदी कार्यशालाओं का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।
- इस अवधि के दौरान लगभग 24 दूरदर्शन केन्द्रों /दूरदर्शन अनुरक्षण केन्द्रों/उच्च शक्ति ट्रांसमीटरों का निरीक्षण किया गया तथा समीक्षा रिपोर्ट भेजी गई।
- राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय के निदेशानुसार हिंदी के प्रगामी प्रयोग की स्थिति का पता लगाने के लिए महानिदेशालय के आंतरिक अनुभागों का राजभाषा संबंधी निरीक्षण किया गया।
- दूरदर्शन महानिदेशालय के विभिन्न अनुभागों से प्राप्त हिंदी के प्रगामी प्रयोग से संबंधित तिमाही प्रगति रिपोर्ट समेकित कर राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय को प्रेषित की गई।
- दूरदर्शन महानिदेशालय (प्रसार भारती) की वार्षिक रिपोर्ट (2020–2021) का हिंदी अनुवाद किया गया।
- इस अवधि के दौरान सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय से प्राप्त तारांकित एवं अतारांकित प्रश्नों का हिंदी अनुवाद किया गया।
- संसदीय राजभाषा समिति द्वारा जुलाई तथा अक्तूबर, 2021 में क्रमशः दूरदर्शन केन्द्र, लेह और दूरदर्शन केन्द्र, गंगटोक का संसदीय राजभाषाई निरीक्षण सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।
- दूरदर्शन महानिदेशालय में हिंदी पखवाड़ा मनाया गया और हिंदी पखवाड़ा मनाने के लिए विभिन्न केन्द्रों आदि को परिपत्र जारी किए गए। मुख्य कार्यकारी अधिकारी, प्रसार भारती और महानिदेशक, दूरदर्शन द्वारा विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित किए गए।
- राजभाषा अधिनियम, 1976 के नियम 8(4) के तहत दूरदर्शन महानिदेशालय के अनुभागों को अधिकांश कार्य हिंदी में करने के लिए निर्दिष्टि किया गया।
- हिंदी प्रोत्साहन योजना राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय के कार्यान्वरन के संबंध में दूरदर्शन महानिदेशालय और उसके अधीनस्थ कार्यालयों के अनुभागों को परिपत्र जारी किए गए थे।
- संसदीय राजभाषा समिति द्वारा मार्च, 2022 में दूरदर्शन केन्द्र अगरतला का सफलता पूर्वक राजभाषा संबंधी निरीक्षण किया गया।

iii) आकाशवाणी में हिंदी का प्रगामी प्रयोगः

आकाशवाणी महानिदेशालय मुख्यालय का हिंदी एकक भारत संघ की राजभाषा नीति के अनुपालन और कार्यान्वयन के प्रति निरंतर प्रतिबद्ध है और गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा समय समय पर जारी आदेशों/अनुदेशों के कार्यान्वयन तथा विभिन्न आकाशवाणी केन्द्रों/कार्यालयों में वार्षिक कार्यक्रम में उल्लिखित लक्ष्यों को हासिल करने के लिए सतत रूप से प्रयासरत है। हिंदी एकक द्वारा दिनांक 1 अप्रैल 2021 से 31 मार्च 2022 तक राजभाषा नीति के कार्यान्वयन के अतिरिक्त राजभाषा हिंदी में कार्य करने हेतु अधिकारियों, कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने के साथ–साथ राजभाषा नीति के कार्यान्वयन में तेजी लाने के लिए निम्नलिखित उल्लेखनीय कार्य किए गए।

1 अप्रैल 2021 से 31 मार्च 2022 के दौरान आयोजित हिंदी दिवस/हिंदी पखवाड़ा तथा किए गए अन्य विशिष्ट कार्यों की रिपोर्टः–

हिंदी दिवस / हिंदी पखवाड़ा

प्रत्येक वर्ष 14 सितंबर हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता है। आकाशवाणी महानिदेशालय भी इस आयोजन में अग्रणी रहता है। कोविड–19 महामारी के कारण सीमित संख्या में अधिकारियों और कर्मचारियों ने इस आयोजन में भाग लिया। केन्द्रीय गृह मंत्री, सूचना और प्रसारण मंत्री, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, प्रसार भारती और प्रधान महानिदेशक, आकाशवाण ी महानिदेशालय के संदेश ई–मेल के माध्यम से पूरे भारत में स्थित विभिन्न कार्यालयों और केन्द्रों को भेजे गए। एक नवीन प्रयास के रूप में पहली बार हिंदी दिवस पर प्रधान महानिदेशक का संदेश रिकार्ड किया गया और आकाशवाण ी के सभी केन्द्रों को भेजा गया। दैनिक सरकारी कामकाज राजभाषा के प्रयोग हेतु उपयुक्त वातावरण तैयार करने के लिए दिनांक 01.09.2021 से 15.09.2021 तक हिंदी पखवाड़ा का आयोजन किया गया। कोविड–19 दिशानिर्देशों का अनुपालन करते हुए आकाशवाणी महानिदेशालय के अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए चार प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं जिनमें स्टाफ की सक्रिय भागीदारी देखी गई। इसके अतिरिक्त, प्रसिद्ध हस्तियों के चुनिंदा कथनों को बैनर में लिखकर आकाशवाणी महानिदेशालय में मुख्य स्थानों में प्रदर्शित किए गए।

हिंदी कार्यशाला

संदर्भाधीन अवधि के दौरान कोविड–19 महामारी के कारण राजभाषा के विभिन्न आयामों से जुड़ी ऑनलाइन कार्यशालाएं आयोजित की गईं। इन कार्यशालाओं में प्रसिद्ध महानुभावों को आमंत्रित किया गया जिन्होंने इस दौरान अपने अनुभव साझा किए।

बहुजनहिताय बहुजनसुखाय

आकाशवाणी

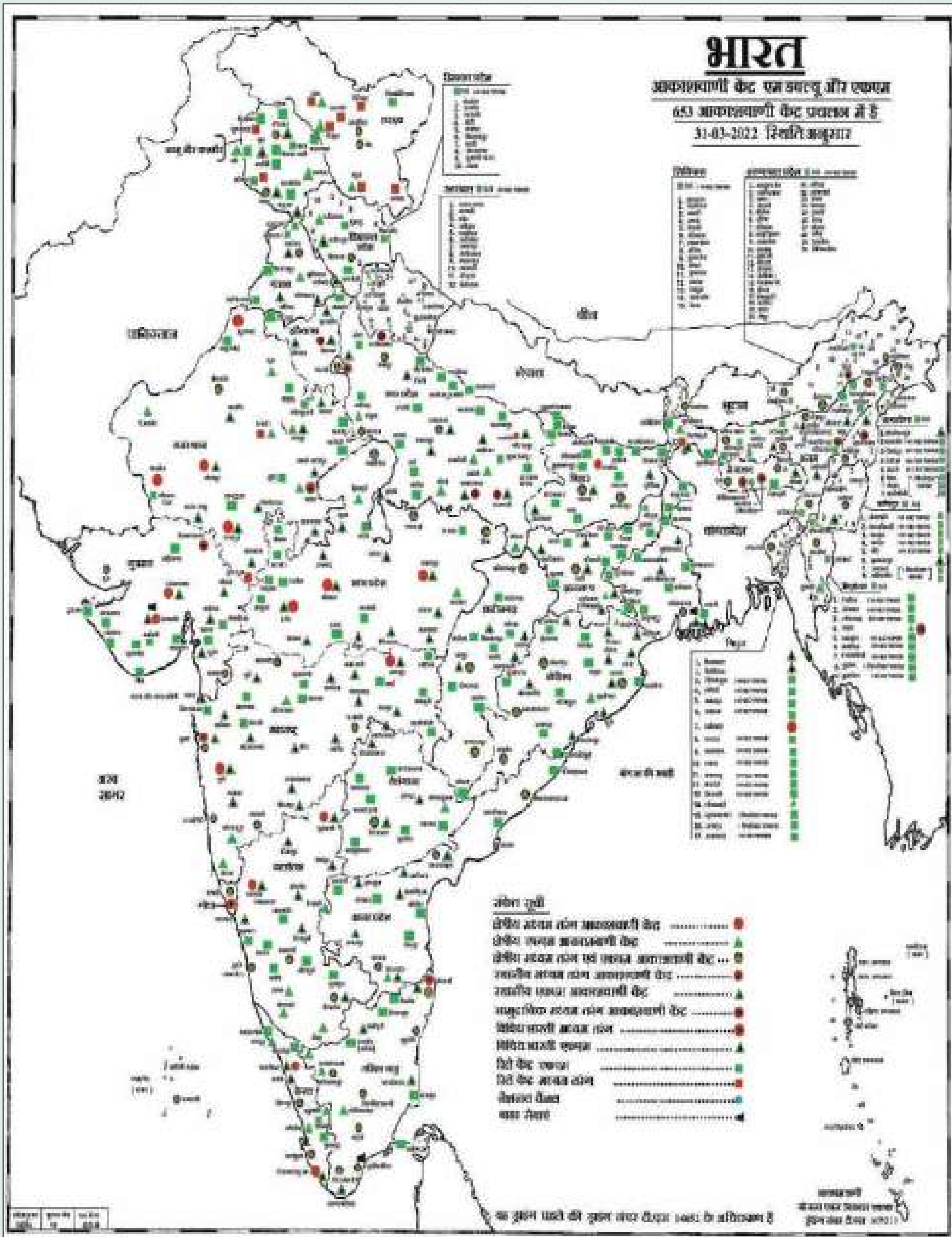
भारत
आकाशवाणी केंद्र एम डब्ल्यू और एफएम
653 आकाशवाणी केंद्र प्रचालन में है
31-03-2022 स्थिति अनुसार

उन 99 शहरों के स्थल जहां प्रसार भारती ने निजी एफ.एम. प्रसारकों के साथ करार किया हुआ है।

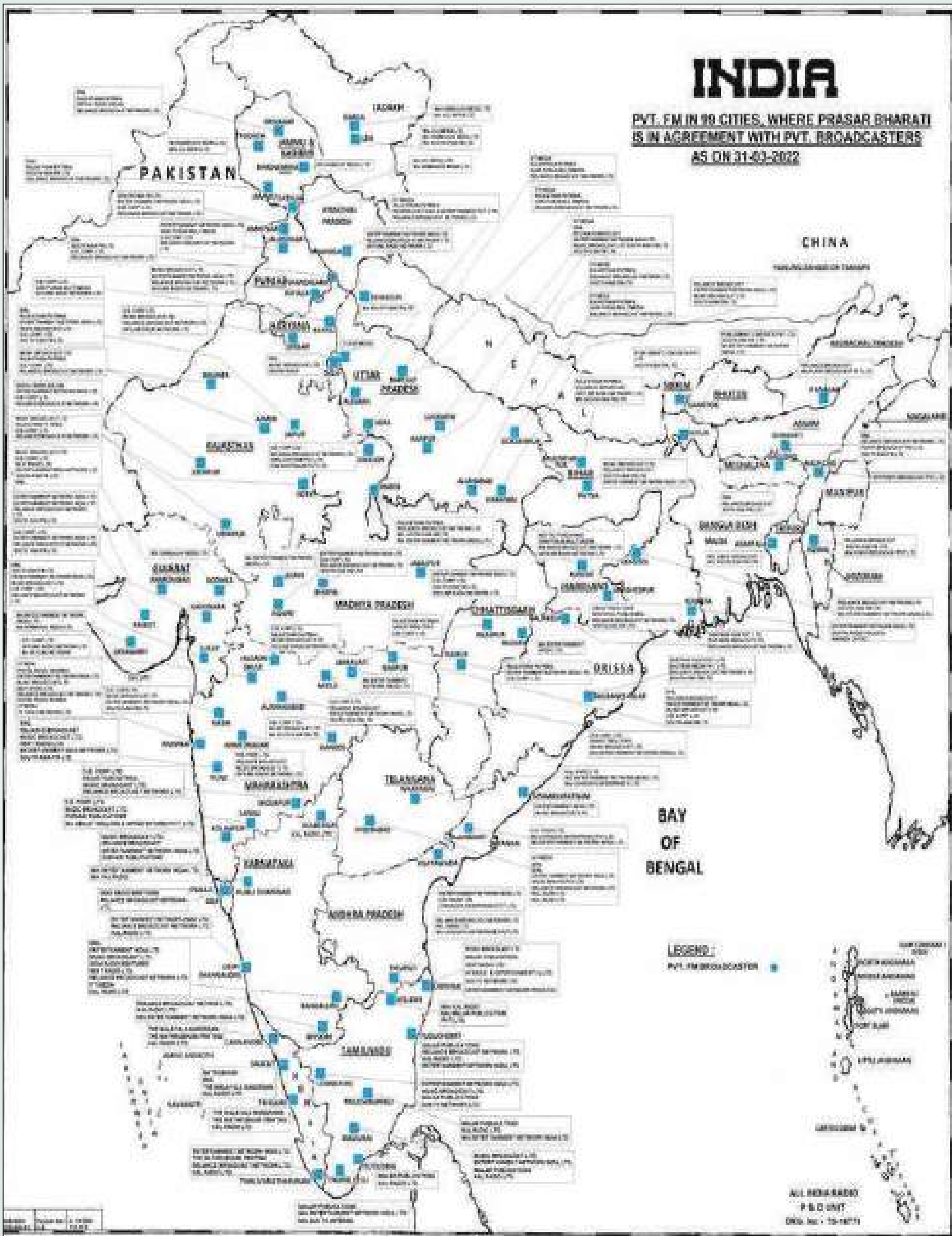

अध्याय 6

आकाशवाणी – तथ्यों पर एक नज़र

(31.03.2022 की स्थिति के अनुसार)

प्रसारण केन्द्रः

क्षेत्रीय केन्द्र	133
स्थानीय रेडियो केन्द्र	92
रिले केन्द्र	271
समुदाय रेडियो केन्द्र	5
कुलः	501

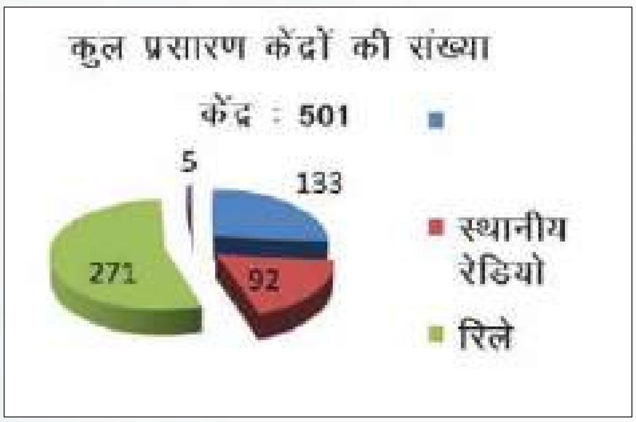

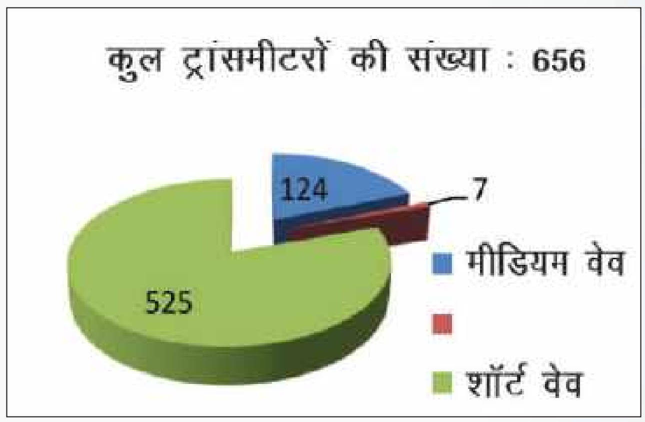

ट्रांसमीटरः

- मीडियम वेव : 124
- शार्ट वेव : 7
- एफ.एम : 525
- कुल : 656

अन्यः

डीटीएच प्लेटफार्म पर आकाशवाणी चैनल : 48

क्षेत्रीय समाचार एकांश : 46

आकाशवाणी

क. प्रस्तावना

आकाशवाणी का लक्ष्य (बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय) आम जनता के कल्याण और खुशहाली को बढ़ावा देने के लिए सूचना, शिक्षा और मनोरंजन को उपलब्ध कराना है।

पिछले आठ दशकों में आकाशवाणी द्वारा की गई उल्लेखनीय उपलब्धियों ने इसे विश्व भर में सबसे बड़े रेडियो नेटवर्कों में से एक बना दिया है। अब आकाशवाणी के 501 केंद्र और 656 ट्रांसमीटर हैं। हमारे बहु–सांस्कृतिक समाज की सूचना संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु नई तकनीकों को अपनाते हुए और कार्यक्रम निर्माण तकनीकों का समावेश करते हुए इस नेटवर्क का विस्तार हुआ।

अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए कई वर्षों से आकाशवाणी ने राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और स्थानीय प्रसारण नामक त्रिस्तरीय प्रणाली विकसित की है। आकाशवाणी के केंद्र देश के लगभग सभी श्रोताओं तक समाचार, संगीत और उच्चरित शब्द के कार्यक्रम पहुंचाते हैं। खासकर ग्रामीण एवं जनजातीय क्षेत्रों तक इसकी व्यापक पहुँच इसे प्राथमिकता प्रदान करती है और कभी कभी तो यह सूचना एवं मनोरंजन का एकमात्र साधन होती है।

राष्ट्रीय कार्यक्रम, जो देश के अधिकांश भागों में मीडियम वेब पर सुने जाते हैं, प्रसारण का पहला स्तर है। क्षेत्रीय भाषाओं/बोलियों में कार्यक्रमों के साथ और क्षेत्रीय एवं सांस्कृतिक आयामों को बढ़ाने वाले क्षेत्रीय और उप–क्षेत्रीय केंद्र प्रसारण का दूसरा स्तर होते हैं। इसके अतिरिक्त एफएम चैनल श्रोताओं विशेषतः युवा वर्ग की आवश्यकताओं को पूरा करते हैं। मुख्यतः एफएम चैनलों पर विविध भारती सेवा भी पूरे देश में 43 स्थानों पर उपलब्ध है। देश के विभिन्न भागों में स्थित छोटे शहरों के श्रोताओं की आवश्यकताओं एवं रूचियों के लिए एफ़एम मोड पर मौजूद 92 केंद्र, वे रेडियो केंद्र हैं जो प्रसारण के तीसरे स्तर पर होते हैं। आकाशवाणी ने पूर्वोत्तर क्षेत्र में स्थानीय जनजातीय लोगों की आवाज के तौर पर वहां पांच स्थानों पर सामुदायिक रेडियो सेवा की स्थापना भी की है।

ख. संगठनात्मक ढांचाः

आकाशवाणी के प्रमुख महानिदेशक होते हैं, जिनकी सहायता के लिए अपर महानिदेशक कार्यक्रम, प्रशासन तथा वित्त स्कंध तथा अभियांत्रिकी स्कंध से प्रमुख अभियन्ता होते हैं। समाचार स्कंध का नेतृत्व महानिदेशक (समाचार) करते हैं।

महानिदेशक, आकाशवाणी नीति–निर्माण, योजना एवं विकास, अवसंरचना एवं प्रौद्योगिकी उन्नयन, बजट संबंधी योजना एवं नियंत्रण, मानव संसाधन प्रबंधन के लिए उत्तरदायी हैं तथा वे प्रचालन एवं अनुरक्षण संबंधी गतिविधियों आदि की निगरानी करते हैं।

पूर्व में आकाशवाणी के कार्यक्रम स्कंध को ग्यारह कार्यक्रम क्षेत्रोंः दिल्ली (उत्तरी क्षेत्र–I एवं II), मुंबई (पश्चिमी क्षेत्र–I एवं II), बेंगलुरु (दक्षिणी क्षेत्र–I एवं II), लखनऊ (मध्य क्षेत्र–I), भोपाल (मध्य क्षेत्र–II), कोलकाता (पूर्वी क्षेत्र–I एवं II) और गुवाहाटी (पूर्वोत्तर क्षेत्र) मेंः तथा अभियांत्रिकी को परियोजना एवं अनुरक्षण संबंधी अभियांत्रिकी गतिविधियों के लिए दिल्ली (उत्तरी क्षेत्र), कोलकाता (पूर्वी क्षेत्र), मुंबई (पश्चिमी क्षेत्र), गुवाहाटी (पूर्वोत्तर क्षेत्र) और चेन्नई (दक्षिण क्षेत्र) सहित पांच जोनों में विभाजित किया गया था।

इन जोनों को अब भौगोलिक आधार पर उत्तरी क्षेत्र (दिल्ली में), दक्षिणी क्षेत्र (चेन्नई में), पूर्वी क्षेत्र (कोलकाता में), पश्चिमी क्षेत्र (मुंबई में) तथा पूर्वोत्तर क्षेत्र (गुवाहाटी में) के रूप में पुनर्गठित किया गया है। इसके अतिरिक्त, दूरदर्शन और आकाशवाणी की राष्ट्रीय प्रसारण सामग्री (कॉन्टेंट) के पर्यवेक्षण हेतु एक राष्ट्रीय जोन का भी सृजन किया गया है। इनमें से प्रत्येक जोन में अपर महानिदेशक स्तर के अधिकारी, आंचलिक प्रमुख (कॉन्टेन्ट ऑपरेशन), आंचलिक प्रमुख (ब्रॉडकास्ट ऑपरेशन) और आंचलिक प्रमुख (प्रशासन) के रूप में तैनात किए जाते हैं।

ग. आकाशवाणी की सेवाएं और चैनल:

i. क्षेत्रीय चैनल:

आकाशवाणी के क्षेत्रीय (प्राथमिक) चैनल राज्यों की राजधानियों और प्रत्येक राज्य के प्रमुख भाषायी–सांस्कृतिक क्षेत्रों में स्थित हैं। ऐसे 133 चैनल देश के 28 राज्यों और 8 संघ शासित प्रदेशों में फैले हैं। क्षेत्रीय चैनल अपने श्रोताओं के जीवन को समृद्ध बनाने के उद्देश्य से क्षेत्रीय भाषाओं और बोलियों में सूचना और मनोरंजन के कार्यक्रम प्रस्तुत करते हैं। इनका प्रसारण मुख्यतः मीडियम वेव पर होता जिनमें से अधिकतर एफ. एम. समर्थित होते हैं और इनका भी सीधा प्रसारण किया जाता है।

भारतीय शास्त्रीय संगीत पर जोर पर देते हुए ये कला और संस्कृति को बढ़ावा देते हैं। कुल प्रसारण का लगभग 40 प्रतिशत प्रसारण संगीत पर आधारित होता है, जिसमें शास्त्रीय संगीत, सुगम, लोक और फिल्म संगीत सम्मिलित होता है। प्रसारण समय का 20 से 30 प्रतिशत समाचार और सामयिक विषयों के कार्यक्रमों का होता है। ग्रामीण जनता को सशक्त बनाने की दिशा में रेडियो नाटक, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण कार्यक्रम, महिलाओं व बच्चों के लिए कार्यक्रम, कृषि एवं गृह कार्यक्रम उच्चरित शब्द कार्यक्रम के ऐसे अन्य कार्यक्रम हैं जो प्राइमरी चैनलों के महत्वपूर्ण भाग हैं। ये चैनल सर्वाधिक सुलभ व सबसे अधिक समझी जाने वाली भाषाओं के माध्यम से अपने श्रोताओं तक पहुंचने का प्रयास करते हैं।

ii. स्थानीय रेडियो केन्द्र (एल आर एस):

वर्तमान में 92 स्थानीय रेडियो केन्द्र हैं जो पूरे देश में फैले हैं। ये केन्द्र जीवन को समृद्ध बनाने में माइक्रोफोन के प्रयोग के द्वारा उपयोगी सेवाएं उपलब्ध करवा कर समुदाय के दिलों तक पहुंच कर क्षेत्र की स्थानीय आबादी की जरूरतों को पूरा करते हैं। इनका जमीनी स्तर पर जोड़ने, बारीकी से पहुंचने और स्वच्छंद दृष्टिकोण स्थानीय रेडियो को क्षेत्रीय नेटवर्क से अलग करता है। स्थानीय रेडियो के कार्यक्रम क्षेत्र विशेष पर आधारित होते हैं। लचीले और अपनी उन्मुक्तता के कारण ये केन्द्र स्थानीय लोगों की आवाज बन जाते हैं।

वर्तमान परिदृश्य में चूंकि आकाशवाणी के अधिकांश स्थानीय रेडियो केन्द्र एफ.एम. पर हैं इसलिए इनके द्वारा स्थानीय सामग्री के साथ–साथ विविध भारती कार्यक्रमों को रिले किया जाता है। वर्तमान में अधिकांश स्थानीय रेडियो केन्द्र 17 घंटे का प्रसारण कर रहे हैं जिनमें से 7 घंटे विविध भारती रिले के लिए है। इनके कार्यक्रमों में लगभग 60 प्रतिशत स्थानीय और 40 प्रतिशत रिले (समाचार और क्षेत्रीय केन्द्रों के अन्य रिले कार्यक्रम) शामिल है।

iii. सामुदायिक रेडियो केंद्र (सी आर एस):

पूर्वोत्तर क्षेत्र में स्थानीय जनजातीय लोगों के लिए 5 स्थानों पर सामुदायिक रेडियो केंद्र स्थापित किए गए थे:–

1.	मोन	1 किलोवाट मीडियम वेव	1584 किलोहर्टज
2.	तेंगसेंग	1 किलोवाट मीडियम वेव	1602 किलोहर्टज
3.	नांगस्टाइन	1 किलोवाट मीडियम वेव	1485 किलोहर्टज
4.	विलियमनगर	1 किलोवाट मीडियम वेव	1602 किलोहर्टज
5.	सेहा	1 किलोवाट मीडियम वेव	1602 किलोहर्टज

iv. एफएम रेनबो:

आकाशवाणी के एफएम रेनबो चैनल का आरंभ उस समय हुआ था जब विशेषकर बड़े शहरों में रेडियो का सुनना कम हो रहा था। एफएम रेडियो ने शोरमुक्त उच्च कोटि का संगीत प्रसारण सुनिश्चित कर इस कमी को पूरा किया है। चौबीसो घंटे एफएम पर प्रसारण होने वाली अनौपचारिक प्रस्तुति श्रोताओं के बदलते रूझान को काफी भाया और युवाओं की नब्ज पकड़ी। कार्यक्रम उद्घोषकों की आपसी दोस्ताना बातचीत वाली शैली युवाओं को बेहद पसंद आई और उन्हें यह रेडियो के करीब लाने में सफल रहा। चौबीसो घंटे लगातार चलने वाले प्रसारण ने श्रोताओं के सामने मनोरंजन की पूरी नई दुनिया ही पेश कर दी। जल्द ही एफएम रेडियो ने आधुनिक रेडियो का दर्जा हासिल कर लिया क्योंकि यह उन्हीं की शैली में बात कर रहा था और उन्हें सुनने सुनाने का नया अनुभव दे रहा था।

वर्तमान समय में आकाशवाणी के पास पूरे देश में 525 एफ एम ट्रांसमीटर हैं जिससे वह देश में 58.78 प्रतिशत क्षेत्र और 68 प्रतिशत जनसंख्या को कवर करता है। एफ एम रेनबो चैनल 25 स्थानों– दिल्ली, मुंबई, चेन्नै, कोलकाता, बंगलुरू, लखनऊ, पणजी, जालंधर, कानपुर, कोच्ची, पुद्दुचेरी, शिलांग, चंडीगढ़, कटक, कोडईकनाल, तिरूचिरापल्ली, कोयम्बटूर, हैदराबाद, विशाखापट्टनम, रायबरेली, मुदरै, तिरूनलवेल्ली, विजयवाड़ा, पटना और रांची में उपलब्ध है। आकाशवाणी एफ एम रेनबो चार महानगरों में 24x7 उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त दिल्ली रेनबो, मसूरी, अलीगढ़ से पूर्ण रूप से और धर्मशाला एवं भटिंडा से आंशिक रूप से रिले किया जाता है। एफ एम चैनल में पॉप संगीत, फिल्म संगीत, शास्त्रीय व भक्ति संगीत, मुख्य समाचार आदि सम्मिलित हैं।

v. एफएम गोल्ड

एफएम गोल्ड चैनल 1 सितबर, 2001 से दिल्ली में एक उत्कृष्ट सूचना व मनोरंजन चैनल के रूप में प्रारंभ हुआ जिसमें 50 प्रतिशत समाचार एवं समसामयिक विषयों के कार्यक्रम और 50 प्रतिशत मनोरंजन के कार्यक्रम थे। वर्तमान में एफएम गोल्ड चार महानगरों अर्थात दिल्ली, मुबंई, कोलकाता और चेन्नई में चौबीसों घंटे 100.1 मेगाहर्टज पर उपलब्ध है। अप्रैल, 2020 से एफएम गोल्ड के चौबीसों घंटे चलने वाले प्रसारण में लगभग 60 प्रतिशत समय समाचार व समसामयिक कार्यक्रमों के लिए तथा शेष 40 प्रतिशत समय पश्चिमी संगीत, फिल्म संगीत, सुगम, शास्त्रीय और भक्ति संगीत सहित सूचना–मनोरंजन कार्यक्रमों के लिए निर्धारित है। प्रत्येक घंटे हिंदी और अंग्रेजी में समाचार बुलेटिनों का प्रसारण आकाशवाणी दिल्ली से किया जाता है और मुंबई, कोलकाता और चेन्नई के एफएम गोल्ड चैनल इसे रिले करते हैं। वर्तमान में देश की स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में "आजादी का अमृत महोत्सव" आधारित कार्यक्रमों का प्रसारण प्रतिदिन किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त गांधीवादी विचारधारा एवं योग पर आधारित उच्चरित शब्द के अन्य कार्यक्रमों का प्रसारण भी एफएम गोल्ड चैनल पर किया जा रहा है। यह चैनल मनोरंजन के साथ–साथ विशुद्ध सूचना मुहैया करा रहा है और चौबीसों घंटे अपने श्रोताओं को बाँधे रखता है।

vi. डायरेक्ट टू होम (डी टी एच) सेवा:

डी टी एच रेडियो चौबीसों घंटे की उपग्रह सेवा है जो प्रसार भारती के डी टी एच प्लेटफार्म के माध्य म से उपलब्ध है जिसकी अपलिंकिंग की सुविधा टोडापुर, दिल्ली में है। ये कोई भूस्थानीक– प्रसारण सेवा नहीं है और डी टी एच कार्यक्रमों को सामान्य रेडियो रिसीवर सेटों के माध्यम से नहीं सुना जा सकता। यह पूरे देश के साथ–साथ पड़ोसी देशों को भी कवर करता है। इसकी योजना इस प्रकार बनायी गयी है कि दोहराव कम से कम हो। डी टी एच सेवा पूरे देश में विभिन्न भाषाओं के चैनलों को उपलब्ध करवाती है। इसकी डिजिटल क्वालिटी सुखदपूर्ण अनुभव का एहसास कराती है। इस वर्ष जो नए चैनल जोड़े गए हैं वे हैं लेह (लद्दाख), पणजी, पुदुचेरी, पोर्ट ब्लेयर और गंगटोक।

vii. विविध भारती राष्ट्रीय सेवा

विविध भारती राष्ट्रीय सेवा पूरे देश के विभिन्न केन्द्रों से रिले हेतु सेटेलाइट प्रसारण के माध्यम से उपलब्ध चौबीसों घंटे वाली सेवा है। विविध भारती का प्रस्तुतिकरण एवं अपलिंकिग संबंधी कार्य मुंबई से किया जाता है। इस चैनल को सही मायनों में राष्ट्रीय सेवा का दर्जा हासिल है। इस चैनल को मुख्यतः 43 सीबीएस–वीबी केन्द्रों से रिले किया जाता है (17

घंटे)। विविध भारती राष्ट्रीय सेवा को देश भर के 65 स्थानीय रेडियो केन्द्रों और 100 वॉट एफएम ट्रांसमीटरों से भी रिले किया जाता है। ये चैनल हिंदी के अतिरिक्त स्थानीय भाषाओं में स्थान–विशेष वाले कार्यक्रम भी प्रसारित कर रहे हैं।

viii. लाइव स्ट्रीमिंग:

आज की तारीख में ए आई आर लाइव न्यूज़ 24x7, एफएम रेनबो, एफएम गोल्ड, विविध भारती सेवा, रागम आदि सहित लगभग 291 आकाशवाणी चैनल इंटरनेट के माध्यम से प्रसार भारती की वेबसाइट 'prasarbharati.gov.in' पर जाकर सुने जा सकते हैं। इसके अतिरिक्त ये चैनल आई ओ एस और एंड्रोएड आधारित मोबाइल फोनों पर ''newsonair'' ऐप के जरिए भी सुने जा सकते हैं।

ix. विदेश प्रसारण सेवा:

आकाशवाणी के विदेश प्रसारण सेवा प्रभाग के प्रसारण विभिन्न विदेशी और भारतीय भाषाओं में शॉर्ट वेव, 'न्यूज ऑन एयर' ऐप और डी डी फ्री डिश के जरिए लगभग 150 देशों तक पहुंच रहे हैं। आकाशवाणी जिन भाषाओं में अपनी विदेशी श्रोताओं तक पहुंचती है, वे हैं, अरबी, बलूची, बर्मी, चीनी, डारी, फ्रेंच, इंडोनेशियाई, फारसी, पश्तो, रूसी, सिंहला, स्वासहिली, थाई और तिब्बती। वर्तमान में भारतीय भाषा सेवा के संबंध में पड़ोसी देशों तथा भारतीय मूल के लोगों तक पहुंच बनाने के लिए जो भाषाएं रखी गई हैं वे हैं बांग्ला (मैत्री), नेपाली, पंजाबी, सिंधी, सरायकी और उर्दू।

घ. वर्ष के दौरान नई पहलें:

i. अभियांत्रिकी:

आकाशवाणी दुनिया के सबसे बड़े प्रसारण नेटवर्क में से एक है। स्वतंत्रता के समय छह रेडियो केन्द्र और 18 ट्रांसमीटर (6 मीडियम वेव और 12 शार्ट वेव) हुआ करते थे, जो देश की 11 प्रतिशत जनसंख्या और 2.5 प्रतिशत क्षेत्रफल को कवर करते थे।

31 मार्च 2022 तक, आकाशवाणी का नेटवर्क बढ़कर 501 केन्द्रों तक हो गया है। हालांकि ट्रांसमीटरों की कुल संख्या को घटाकर 656 (124 मीडियम वेव, 7 शार्ट वेव और 525 एफएम) कर दिया गया है, जो देश के 90 प्रतिशत से अधिक क्षेत्रफल में 98 प्रतिशत जनसंख्या को कवरेज प्रदान करते हैं। इसमें 208 की संख्या में 100 वाट एफएम ट्रांसमीटर शामिल हैं। इनको लगभग 8–10 कि.मी. के दायरे में स्थानीय कवरेज के लिए स्थापित किए गए।

वर्ष के दौरान नई पहलें निम्न प्रकार हैं:

क.	100 वाट एफएम ट्रांसमीटर:	1
ख.	1 किलोवाट एफएम ट्रांसमीटर:	7
ग.	5 किलोवाट एफएम ट्रांसमीटर:	1
घ.	10 किलोवाट एफएम ट्रांसमीटर: :	6
ङ.	चालू किए गए एफएम ट्रांसमीटर:	15 स्थान
च.	डीटीएच चैनलों का संवर्धन :	3
छ.	सीधे प्रसारण के लिए आकाशवाणी चैनलों का संवर्धन:	19

ज. आकाशवाणी के 79 केन्द्रों पर सर्वर की एसआईटीसी और रेडियो ऑटोमेशन का कार्य पूरा कर लिया गया है। डिजिटल कंसोल की आपूर्ति की गई है और आकाशवाणी के 29 केन्द्रों पर इन्हें स्थापित किया जा रहा है। गुवाहाटी में क्षेत्रीय अभिलेखीय सुविधा से संबंधित विभागीय कार्य पूर्ण हो चुका है।

ii. कार्यक्रम:

1. आजादी का अमृत महोत्सवः 15 अगस्त 2021 से 15 अगस्त 2022 तक आजादी का अमृत महोत्सव पर एक विशेष

कार्यक्रम का प्रसारण विभिन्न भाषाओं में किया गया। आज़ादी का अमृत महोत्सव उत्सव के एक भाग के रूप में यूथ #एआईआरएनएक्सटी द्वारा एक कार्यक्रम का प्रसारण सभी प्रमुख भाषाओं और बोलियों में पूरे देश में 28 नवंबर 2021 से 52 सप्ताहों के लिए किया गया।

2. कोविड–19 महामारी के दौरान कृषक समुदाय के लिए सरकारी परामर्शी पत्रों और मानक परिचालन प्रक्रियाओं से संबंधित अभियानः किसानवाणी और किसान की बात कार्यक्रम का प्रसारण कर रहे आकाशवाणी केन्द्रों ने देश के कृषक समुदाय के लिए गहन जागरूकता अभियानों का प्रसारण किया ताकि वे कोविड–19 महामारी के दौरान थ्रेसिंग, फसल उत्पादन, खरीद, विपणन, यातायात, ढुलाई, बुआई और कृषि से संबंधित अन्य गतिविधियों के बारे में सरकारी स्वास्थ्य संबंधित परामर्शी–पत्रों तथा विशिष्ट मानक प्रचालन प्रक्रियाओं का कड़ाई से पालन कर सकें।
3. केंद्रों ने केंद्रीय कृषि मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर द्वारा कृषि में ड्रोन ऐप्लिकेशंस से जुड़ी मानक प्रचालन प्रक्रियाओं से संबंधित राष्ट्रीय सम्मेलन में दिए गए संबोधन (22.12.2021) के प्रचार–प्रसार हेतु कार्यक्रम प्रसारित किए।
4. अंतर्राष्ट्रीय श्रीअन्न वर्ष 2023 का प्रचार – केंद्रों ने श्रीअन्न फसलों के व्यापक इस्तेमाल तथा अधिक उत्पादकता को प्रोत्साहित करने संबंधी विषय पर अभियान पूर्व प्रचार हेतु कार्यक्रमों का प्रसारण किया।
5. आकाशवाणी ने यूनिसेफ की सहायता से सितंबर, 2021 में राष्ट्रीय पोषण माह के दौरान पोषण संबंधी विषयों पर संदेश दिया और कार्यक्रमों का प्रसारण किया।
6. 100 करोड़ भारतीय नागरिकों को टीकाकरण संबंधी लक्ष्य हासिल करने पर स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने एक गीत जारी किया जिसका प्रसारण आकाशवाणी के मंच पर उपयुक्त स्लॉटों में किया गया।
7. पुराने एप्लिकेशन के लिए ऑनलाइन म्यूजिक ग्रेडेशन प्रणाली खुली है और सीएबी ऑडिशन के लिए स्टेशन और रिकॉर्डिंग।

iii. समाचार सेवाः

1. आकाशवाणी समाचार अब वेबसाइट पर अंग्रेजी, हिंदी, उर्दू, असमिया, डोगरी, गुजराती, मराठी, राजस्थानी और तमिल भाषाओं में उपलब्ध होने के साथ–साथ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर भी उपलब्ध है।
2. समाचार सेवा प्रभाग (एनएसडी) के क्षेत्रीय समाचार एकांशों (आरएनयू) ने आकस्मिक बुकिंग और भुगतान के लिए प्रसार भारती द्वारा शुरू किए गए टीबीएस (टैलेंट बुकिंग सिस्टम) सॉफ्टवेयर को लागू किया है।
3. बुलेटिन तैयार करने और पढ़ने के लिए नेतिया (एन ई टी आई ए) और टेलीप्रॉम्प्टर का उपयोग करके आर एन यू का ऑटोमेशन किया गया।
4. आरएनयू ने बजट अनुदान और मांग के लिए केंद्रीकृत लेखा प्रणाली (सीएएस) आरंभ की है।
5. विदेश प्रसारण सेवा का दिनांक 12.08.2021 को समाचार सेवा प्रभाग, आकाशवाणी में विलय कर दिया गया। विलय के बाद, विदेश सेवा कार्यक्रमों को पुनर्जीवित करने की दिशा में किए गए प्रयासों के परिणामस्वरूप अब कार्यक्रमों का प्रसारण 17 भाषाओं (11 विदेशी और 06 भारतीय भाषाओं) में किया जा रहा है और 8 भाषाओं अर्थात अरबी, फारसी, दरी, पश्तो, बलूची, चीनी, तिब्बती और नेपाली में प्रसारण को बढ़ाकर दोगुना कर दिया गया। दुनिया भर के श्रोताओं के लिए अब ये सेवाएं डिजिटल प्लेटफॉर्म पर एआईआर वर्ल्ड सर्विस यूट्यूब चैनल (https://www.youtube.com/c/AIRWorldService) पर लाइव स्ट्रीमिंग के साथ–साथ एंड्रॉइड और आईफोन के लिए न्यूजऑनएयर ऐप और डीडी फ्री डिश पर भी उपलब्ध हैं।
6. कोविड–19 जागरूकता संबंधी नए बुलेटिन और कार्यक्रमः समाचार सेवा प्रभाग, आकाशवाणी द्वारा अंग्रेजी और हिंदी में विशेष कोविड–19 बुलेटिन– प्रातः, दोपहर और संध्या प्रत्येक में 30 मिनट (सुबह 8–9 बजे, दोपहर 2–3 बजे, रात 8–9 बजे) प्रसारित किए जाते हैं।
7. कोरोना जागरूकता श्रृंखलाः मार्च 2020 में प्रसिद्ध अस्पतालों के अनुभवी चिकित्सा विशेषज्ञों और आम जनता के बीच शुरू किए गए एक लाइव फोन–इन कार्यक्रम ने कोविड–19 संक्रमण पर जागरूकता पैदा करने और मिथकों

को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। 9 सितंबर, 2021 को इसने अपनी 500वीं कड़ी पूरी कर ली है और यह कार्यक्रम कोविड–19 महामारी से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर नागरिकों के सवालों पर जागरूकता पैदा करने में अपना प्रभाव बनाए हुए है।

8. इन्फोबाइट्स– कोरोना– क्या कहते हैं विशेषज्ञः सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर विशेषज्ञों के साउंड बाइट के साथ दैनिक इन्फोग्राफिक्स दिए जाते हैं।

9. मिथ बस्टरः पोषण और स्वास्थ्य के संबंध में कोविड–19 के बारे में मिथकों को दूर करने वाले अनुभवी चिकित्सकों द्वारा ऑडियो संदेश प्रसारित किए जाते हैं।

10. ग्राउंड रिपोर्टः विद्यमान स्थिति, आवश्यक सेवाओं की उपलब्धता, घबराने की कोई आवश्यकता नहीं, राशन और भोजन का वितरण, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में जरूरतमंदों और गरीबों को खाना खिलाने के लिए सामुदायिक रसोई, प्रवासी श्रमिकों के लिए राहत शिविर, खाद्य पदार्थों और सामानों का परिवहन, पर्याप्त दवाओं की आपूर्ति, पीपीई की व्यवस्था, क्वारेंटीन स्थानों, संपर्क ट्रेसिंग आदि के बारे में जानकारी प्रसारित की जाती है।

11. सकारात्मक समाचारः स्वस्थ्य हुए मरीजों के साथ विशेष साक्षात्कार, खुश, स्वस्थ, सकारात्मक और व्यस्त रखने के बारे में आम जनता की राय, परिवार और दोस्तों की मदद संबंधी ढ़ांचा, स्वयं को अलग–थलग रखने और क्वारेंटीन संबंधी समाचार दिए जाते हैं।

12. कोविड–19 टीकाकरण का प्रचारः समाचार सेवा प्रभाग, आकाशवाणी और इसके 46 क्षेत्रीय एकांशों ने अपने बुलेटिनों, समाचार पत्रिका कार्यक्रमों, वार्ता कार्यक्रमों और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से भारत सरकार के मुफ्त टीकाकरण कार्यक्रम के बारे में जागरूकता पैदा कर रहे हैं।

13. 100 करोड़ वैक्सीन टीकाकरण मील का एक पत्थरः भारत द्वारा कोविड वैक्सीन की 100 करोड़ खुराक देने का ऐतिहासिक मील का पत्थर हासिल करने पर आकाशवाणी के समाचार सेवा प्रभाग, इसके 46 क्षेत्रीय समाचार एकांशों और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में देश के शीर्ष नेतृत्व द्वारा दिए गए बयानों और अपने बुलेटिनों, समाचार पत्रिका कार्यक्रमों, वार्ता कार्यक्रमों और सोशल मीडिया प्लेटफार्मों में राज्यपालों/मुख्यमंत्रियों, टीका लगाने वालों, फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं और आम जनता के विचारों को व्यापक कवरेज प्रदान किया।

14. भारत को बदलने वाले विचार – सुशासन के 20 वर्षः प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के ओजस्वी नेतृत्व में राष्ट्र द्वारा सभी क्षेत्रों में जबरदस्त प्रगति के साथ नए भारत की सोच मूर्त रूप ले रही है। उपलब्धियों को उजागर करने के लिए समाचार सेवा प्रभाग, आकाशवाणी ने 21 दिनों का एक विशेष अभियान चलाया जिसके तहत 17 सितंबर, 2021 से विभिन्न विषयों पर थीम आधारित कहानियां/विशेष कार्यक्रम प्रसारित किए गए।

15. परीक्षा पर चर्चा 2021ः आकाशवाणी का समाचार सेवा प्रभाग और इसके 46 क्षेत्रीय समाचार एकांश प्रधानमंत्री की 'परीक्षा पर चर्चा– 2021' को व्यापक कवरेज देते हैं।

16. प्रधानमंत्री जन–धन योजना (पीएमजेडीवाई) का 7वां वर्षः समाचार सेवा प्रभाग, आकाशवाणी ने पीएमजेडीवाई के सफल कार्यान्वयन के व्यापक प्रचार के लिए अगस्त में एक मीडिया कार्य योजना तैयार की।

17. जी20 और सीओपी26ः समाचार सेवा प्रभाग, आकाशवाणी ने रोम में जी20 शिखर सम्मेलन और ग्लासगो में सीओपी26 शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री के भाषण को विशेष कवरेज प्रदान किया।

18. आत्म–निर्भर भारत अभियानः 'आत्म–निर्भर भारत अभियान' की मुख्य विशेषताओं को प्रचारित करने पर विशेष ध्यान देने के साथ–साथ प्रधानमंत्री के राष्ट्र के नाम संबोधन को प्रमुखता से कवरेज प्रदान की गई।

ङ. कार्यक्रम गतिविधियांः

वर्ष 2021–22 (1 अप्रैल, 2021 से 31 मार्च, 2022) के लिए महत्वपूर्ण कवरेज, प्रसारण और रेडियो रिपोर्ट का विवरण अनुलग्नक–V में दिया गया है। अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रम संबंधी गतिविधियां भी नीचे दी गई हैंः

सरदार पटेल स्मृति व्याख्यान 2021 देते हुए दिवंगत चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल बिपिन रावत

i. उच्चरित शब्दः

आकाशवाणी ने वर्ष 2021–22 के दौरान 400 से अधिक केन्द्रों/चैनलों के अपने नेटवर्क पर विभिन्न विषयों पर जागरूकता सृजन संबंधी कार्यक्रम चलाए। उच्चरित शब्द प्रभाग, भारत सरकार के मंत्रालयों/विभागों के महत्वपूर्ण विषयों/योजनाओं/नीतियों के प्रचार से संबंधित है। 1 अप्रैल, 2021 से 31 मार्च, 2022 की अवधि के दौरान देश भर के सभी आकाशवाणी केंद्रों द्वारा कार्यक्रमों के विभिन्न प्रारूपों के जरिए प्रचार के साथ–साथ नियमित जानकारी भी प्रदान की गई।

1. माननीय प्रधानमंत्री की 'मन की बात' का प्रसारण पूरे आकाशवाणी नेटवर्क से प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को किया गया।
2. सिखों के नौवें गुरु, गुरु तेग बहादुर जी के 400वें प्रकाश पर्व की स्मृति में अप्रैल 2021 से अप्रैल 2022 तक "भारतः विविधता, संवाद और एकजुटता" विषय पर विशेष कार्यक्रमों का राष्ट्रव्यापी प्रसारण पर दिए गए व्याख्यान का राष्ट्रव्यापी प्रसारण।
3. 31 अक्तूबर, 2021 राष्ट्रीय एकता दिवस के सुअवसर पर सरदार पटेल स्मृति व्याख्यान 2021 के दौरान दिवंगत चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल बिपिन रावत द्वारा "राष्ट्र निर्माण में भारतीय सशस्त्र बलों की भूमिका" पर दिए गए व्याख्यान का राष्ट्रव्यापी प्रसारण।
4. भारत सरकार द्वारा 15 नवम्बर को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में घोषित करने का प्रचार–प्रसार तथा जनजातीय लोगों के गौरवमयी इतिहास, संस्कृति एवं उपलब्धियों का जश्न मनाने और उसे रेखांकित करने के लिए कार्यक्रमों का प्रसारण।
5. 3 दिसंबर, 2021 को श्री योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश के द्वारा दिए गए डॉ. राजेंद्र प्रसाद स्मृति व्याख्यान 2021 का प्रसारण।

आकाशवाणी स्टूडियो में सीमा सुरक्षा बल के महानिदेशक श्री पंकज कुमार सिंह रिकार्डिंग के लिए

6. 16 दिसंबर 2021 को बांग्लादेश की मुक्ति की 50वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में "विक्ट्रीज़ वॉइसः द रेडियो, 1971" शीर्षक से एक विशेष रूपक का प्रसारण।
7. विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर विशेष फोन–इन–कार्यक्रम का प्रसारण।
8. पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों के लिए रक्षा सेवा अस्पतालों में ऑनलाइन पंजीकरण प्रणाली (ओआरएस) के संबंध में प्रचार और कार्यक्रम का प्रसारण।
9. संस्कृति मंत्रालय द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव के संबंध में आयोजित की जाने वाली प्रतियोगिताओं को प्रचारित करने वाले जिंगल्स/ऑडियो क्लिप का प्रसारण।
10. 26 नवंबर, 2021 को संविधान दिवस मनाने के संबंध में प्रचार–प्रसार तथा संविधान की प्रस्तावना में निहित संविधान के लक्ष्यों और उद्देश्यों का प्रचार–प्रसार।
11. सशस्त्र सेना झंडा दिवस के संबंध में जागरूकता सृजन कार्यक्रम।
12. अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, कारगिल विजय दिवस, सशस्त्र सेना झंडा दिवस, राष्ट्रीय एकता दिवस, मातृभाषा दिवस, राष्ट्रीय मतदान दिवस इत्यादि जैसे विभिन्न दिनों/सप्ताहों पर विभिन्न मंत्रालयों/विभागों द्वारा आयोजित कार्यक्रमों/इवेंटों/गतिविधियों का प्रचार।
13. प्रत्येक माह प्रसार भारती को मासिक मंत्रिमंडल सारांश भेजा गया ताकि समय पर इसे आगे सूचना और प्रसारण मंत्रालय को भेजा जा सके।
14. आकाशवाणी के राष्ट्रीय नेटवर्क पर सभी अनुसूचित भाषाओं में गणतंत्र दिवस 2022 की पूर्व संध्या पर राष्ट्रीय कवि संगोष्ठी 2022 का प्रसारण।

23 नवंबर को लोक सेवा प्रसारण दिवस

आकाशवाणी में कार्यक्रम रिकार्ड कर रहे एसएसबी के महानिदेशक श्री कुमार राजेश चंद्रा

15. नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जन्म वर्षगांठ के अवसर पर 23 जनवरी 2022 को विशेष अंग्रेजी रूपक का प्रसारण।
16. विश्व रेडियो दिवस के अवसर पर 13 फरवरी 2022 को मुख्य कार्यकारी अधिकारी के संदेश सहित दिन भर सीधा प्रसारण।

ii. कार्यक्रम योजना और विकास (पीपी एंड डी) एककः

आकाशवाणी द्वारा प्रदान की जाने वाली विभिन्न सेवाओं को मोटे तौर पर (i) विश्व सेवाएं (ii) पड़ोस सेवाएं (iii) राष्ट्रीय सेवाएं; (iv) क्षेत्रीय सार्वजनिक सेवाएं और (v) भाषा विशिष्ट मनोरंजन सेवाओं के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है। इन सभी सेवाओं को डीटीएच पर उपलब्ध तथा सीधे प्रसारित कराया गया है ताकि दुनिया भर में व्यापक स्तर पर श्रोताओं तक इन्हें पहुंचाया जा सके।

iii. विषय रणनीतिः

आकाशवाणी देश की सर्वोत्कृष्ट रेडियो प्रसारण सेवा है। विविधता से परिपूर्ण भारत जैसे देश में प्रसारण करना एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। आकाशवाणी अपने कार्यक्रम नेटवर्क के माध्यम से जातीय–भाषाई, सांस्कृतिक विशेषताओं, कृषि–जलवायु परिस्थितियों, सामाजिक–आर्थिक स्थिति आदि को ध्यान में रखते हुए समाज के सभी वर्गों की जरूरतों को पूरा कर रही है। वर्षो से आकाशवाणी अपनी सामग्री नीति में लोगों, विशेष रूप से समाज के वंचित वर्गों से संबंधित लोगों की जरूरतों और आकांक्षाओं के अनुसार तैयार करने के लिए लगातार सुधार कर रही है। अपनी सामग्री नीति का यह निरंतर संशोधन प्रत्येक क्षेत्र में लगातार ऊचांइयां छू रहे एक जीवंत और प्रगतिशील राष्ट्र की बदलती सामाजिक–आर्थिक वास्तविकताओं से मेल खाने के लिए भी आवश्यक है।

iv. कृषि और गृह प्रसारण:

पाँच दशकों से अधिक समय से आकाशवाणी ने अपनी कार्यक्रम प्रसारण सेवाएं अपने ग्रामीण श्रोताओं को समर्पित की हुई हैं। कृषि एवं गृह कार्यक्रम आकाशवाणी के सभी राजधानी और क्षेत्रीय केन्द्रों द्वारा प्रसारित किए जाते हैं। इन कार्यक्रमों का निर्माण कृषि उत्पादों को बेहतर बनाने के लिए नवीनतम सूचना और प्रौद्योगिकी का समावेश करते हुए कृषक समुदाय की रोजमर्रा की मौसमी जरूरतों को पूरा करने के लिए किया गया है। इन कार्यक्रमों का लक्ष्य कृषि उत्पादों तथा देश के कृषक समुदाय की आर्थिक समृद्धि को बेहतर बनाना है। ग्रामीण महिलाओं, बच्चों और युवाओं के लिए इन कार्यक्रमों का प्रसारण प्रतिदिन प्रातः, दोपहर और संध्या को किया जाता है जिनकी अवधि औसतन 60 से 100 मिनट प्रतिदिन होती है।

आकाशवाणी केंद्रों का कृषि एवं गृह एकक ग्रामीण विकास, मूल कृषि और बागवानी, पशुपालन, कुक्कुट और डेयरी खेती, मत्स्य पालन, वानिकी, पर्यावरण संरक्षण, खाद्य और कृषि प्रसंस्करण, सूखा और बंजर भूमि पर कृषि जैसी कृषि संबद्ध गतिविधियों तथा रोजगार योजनाओं, ऋण, बीमा, स्वच्छता, स्वास्थ्य संबंधी साफ–सफाई और पोषण आदि के बारे में समेकित कार्यक्रमों का प्रसारण करते हैं।

आकाशवाणी ने कृषि सहयोग और किसान कल्याण विभाग, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के सहयोग से फरवरी 2004 से कृषि विस्तार को जनसंचार सहायता पर 'किसानवाणी' नामक एक कार्यक्रम की विशिष्ट परियोजना की शुरूआत से अपने कृषि प्रसारण का विस्तार किया है ताकि स्थानीय किसानों को दैनिक बाजार कीमतों, मौसम रिपोर्टों तथा सूक्ष्म स्तर पर उनके संबंधित क्षेत्रों में दिन प्रतिदिन की जानकारी उपलब्ध कराई जा सके। इस समय देश के 96 निर्धारित आकाशवाणी केन्द्रों से किसानवाणी का प्रसारण किया जा रहा है। नैरो कास्टिंग मोड में ये कार्यक्रम अधिकतर बातचीत पर आधारित होते हैं जिसमें फील्ड आधारित रिकार्डिंग तथा विशेषज्ञों और कृषि समुदाय के साथ स्टूडियो डायल आउट तथा डायल–इन शामिल हैं जो लक्षित श्रोताओं के बीच बेहद लोकप्रिय हैं। सितंबर 2018 से भारत सरकार के कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के सहयोग से किसानवाणी की तर्ज पर एक नया कृषि कार्यक्रम 'किसान की बात' आरंभ किया गया है और इसका प्रसारण आकाशवाणी, दिल्ली के एफएम गोल्ड चैनल से किया जा रहा है।

विचाराधीन अवधि के दौरान केन्द्रों द्वारा निम्नलिखित विशिष्ट प्रचार/प्रमुख कार्यक्रम सामग्री का प्रसारण किया गया:

1. कोविड–19 महामारी के दौरान कृषक समुदाय के लिए सरकारी परामर्शों और मानक प्रचालन प्रकियाओं (एसओपी) पर अभियान

'किसानवाणी' और 'किसान की बात' कार्यक्रमों का प्रसारण करने वाले आकाशवाणी केन्द्रों ने कोविड–19 महामारी के दौरान देश के कृषक समुदाय के लिए गहन जागरूकता अभियान चलाए ताकि थ्रेशिंग, कटाई, खरीद, विपणन, ढुलाई, बुवाई और अन्य कृषि संबंधी गतिविधियों के बारे में किसानों के लिए सरकारी परामर्शों और विशिष्ट एसओपी का कड़ाई से पालन किया जा सके। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद से प्राप्त परामर्शी पत्रों के आधार पर सभी आकाशवाणी केंद्रों को अनुदेश जारी किए गए। केन्द्रों ने कृषक समुदाय के लिए कोविड–19 सुरक्षा उपायों और मौसमी क्षेत्र की गतिविधियों के लिए सामाजिक दूरी की आवश्यकता पर माननीय प्रधानमंत्री के संदेशों के ऑडियो बाइट्स वाले रेडियो जिंगल और ऑडियो संदेश भी प्रसारित किए।

2. मधुमक्खी पालक शिखर सम्मेलन (सीआईएच), मेडीजिफेमा, नागालैंड का कवरेज

आकाशवाणी केन्द्रों ने 11.11.2021 को केंद्रीय बागवानी संस्थान (सीआईएच), मेडीजिफेमा, नागालैंड द्वारा आयोजित मधुमक्खी पालक शिखर सम्मेलन और माननीय कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय और माननीय राज्य मंत्री (कृषि) द्वारा किसान छात्रावास के उद्घाटन को कवरेज प्रदान किया।

3. विश्व पर्यावरण दिवस 2021 का कवरेज

सभी आकाशवाणी केन्द्रों ने विश्व पर्यावरण दिवस, 5 जून, 2021 के संबंध में नई दिल्ली में आयोजित और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा संबोधित कार्यक्रम का प्रसारण किया। केन्द्रों ने इस अवसर पर अपने–अपने क्षेत्रों में आयोजित हुए कार्यक्रमों को भी कवर किया तथा जलवायु परिवर्तन एवं पर्यावरण संरक्षण

के बारे में जागरूकता हेतु कार्यक्रम प्रसारित किए।

4. कार्यक्रमों में अनन्य रूप से मौसम पूर्वानुमान

कृषि और गृह एवं किसानवाणी कार्यक्रमों का प्रसारण करने वाले सभी आकाशवाणी केंद्रों को कृषि उत्पादकता, पशुधन, किसानों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को प्रभावित करने वाले उग्र मौसम संबंधी पूर्वानुमान/जलवायु परिवर्तन के लिए अपने दैनिक कार्यक्रमों में अनन्य रूप से समय निर्धारित करने की सलाह दी गई थी। कार्यक्रमों में वर्षा, तापमान, मृदा और हवा की नमी, गर्म, सूखा, ठंडा और बरसाती मौसम, बाढ़, बिजली, आंधी, चक्रवात, ओलावृष्टि, पाला, सूखा आदि जैसे मापदंडों पर अद्यतन जानकारी शामिल थी।

5. जल जीवन मिशन पर ग्राम सभाओं को कवरेज/प्रचार

गांधी जयंती के अवसर पर 2 अक्तूबर, 2021 को माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने जल जीवन मिशन पर देशभर की ग्राम सभाओं को वर्चुअल रूप से संबोधित किया और पानी समितियों/ग्राम प्रधानों के साथ बातचीत की। आकाशवाणी ने इस कार्यक्रम को अपने राष्ट्रीय नेटवर्क पर कवर किया और कार्यक्रमों के प्रसारण के माध्यम से इस विषय का समुचित रूप से प्रचार किया।

6. केंद्रीय कृषि मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर द्वारा कृषि में ड्रोन अनुप्रयोगों के लिए एसओपी पर राष्ट्रीय सम्मेलन (22.12.2021) में दिए गए संबोधन का केन्द्रों ने प्रचार किया।

7. आकाशवाणी नेटवर्क पर प्रमुख योजनाओं/विशेष कार्यक्रमों का प्रचार

कृषि एवं गृह और किसानवाणी कार्यक्रमों का प्रसारण करने वाले सभी आकाशवाणी केंद्रों को कृषक समुदाय के लाभ के लिए सरकार की विभिन्न केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं के बारे में विभिन्न प्रारूपों में कार्यक्रम प्रसारित करने की सलाह दी गई। केन्द्रों द्वारा प्रचारित कुछ योजनाओं का उल्लेख नीचे दिया गया है:

i) प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना और किसान क्रेडिट कार्ड का प्रचार

सभी आकाशवाणी केन्द्रों को सलाह दी गई कि वे उपर्युक्त कार्यक्रम प्रसारित करें और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना और किसान क्रेडिट कार्ड का उचित प्रचार करें ताकि जमीनी स्तर पर किसानों को जुटाया जा सके और उनके नामांकन को और बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार की इन योजनाओं के बारे में जागरूकता पैदा की जा सके। सभी संबंधित आकाशवाणी केन्द्र इस विषय पर कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा अग्रेषित जिंगल्स और ऑडियो संदेश प्रसारित करते हैं।

ii) रबी विपणन मौसम 2022–2023 में रबी फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य का प्रचार

न्यूनतम समर्थन मूल्य के बारे में सरकार की नीति किसानों को बाजार मूल्य में उतार–चढ़ाव से बचाने और किसानों की आय की स्थिरता सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। आकाशवाणी केन्द्रों को सलाह दी गई थी कि वे विपणन मौसम 2021–2022 में सरकार द्वारा घोषित रबी फसलों के लिए बढ़ाए गए न्यूनतम समर्थन मूल्य को जिंगल्स, वार्ता, साक्षात्कार, चर्चा, डायल–इन/डायल–आउट आदि प्रसारित करके उजागर करें।

iii) पराली जलाने, कटाई उपरांत प्रबंधन संबंधी मुद्दे का प्रचार

पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और दिल्ली जैसे कई राज्यों में विशेष रूप से खरीफ की फसल के मौसम के दौरान पराली जलाने जैसी अक्षम फसल प्रबंधन प्रथाएँ गंभीर पर्यावरण प्रदूषण के प्रमुख कारण हैं।

देश भर में फैले आकाशवाणी केन्द्रों को सलाह दी गई कि वे विभिन्न नवीन तकनीकों, वैकल्पिक फसल अवशेष प्रबंधन प्रथाओं, प्रोत्साहन योजनाओं और केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा शुरू किए गए विभिन्न दंडात्मक उपायों पर विशेष ध्यान देने के साथ इस मुद्दे के बारे में जागरूकता फैलाएं। कृषक समुदाय और सभी हितधारकों के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए जिंगल और प्रोमो के प्रसारण सहित इस विषय पर केन्द्रों ने गहन प्रचार किया।

iv) राष्ट्रीय महिला किसान दिवस/सप्ताह

कृषि एवं गृह और किसानवाणी कार्यक्रमों का प्रसारण करने वाले आकाशवाणी केंद्र प्रत्येक वर्ष 15 अक्तूबर को राष्ट्रीय

महिला किसान दिवस मनाते हैं। केन्द्रई, प्रगतिशील महिला किसानों, जिनमें राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित महिला किसान भी शामिल हैं, को स्टूडियो में आमंत्रित करते हैं जो अपनी सफलता की कहानियों को साझा करती हैं। पूरे सप्ताह को राष्ट्रीय महिला किसान सप्ताह के रूप में मनाया जाता है जिसमें सफल महिला कृषि–उद्यमियों सहित क्षेत्र में उपलब्धियां हासिल करने वाली महिलाओं के साक्षात्कार शामिल होते हैं।

v) माननीय प्रधानमंत्री द्वारा प्रधानमंत्री किसान योजना की कड़ी को वर्चुअल आधार पर जारी करने संबंधी कवरेजः 14.05.2021

केन्द्रों ने माननीय प्रधानमंत्री के संबोधन और देश भर के किसानों को लाभ पहुंचाने वाली 'प्रधानमंत्री किसान योजना' की कड़ी का वर्चुअल आधार पर जारी करने संबंधी कार्यक्रम की कार्यवाहियों को राष्ट्रीय नेटवर्क पर कवर किया।

vi) कृषि अवसंरचना कोष/जैविक खेती/ऑयल पाम (भारत) पर राष्ट्रीय मिशन/प्रधानमंत्री किसान योजना का प्रचार

केन्द्रों ने प्रधानमंत्री किसान योजना, कृषि–इन्फ्रा फंड, जैविक खेती, पाम ऑयल पर राष्ट्रीय मिशन आदि जैसी विभिन्न केंद्रीय योजनाओं के माध्यम से कृषक समुदाय को उपलब्ध वित्तीय लाभ से संबंधित प्रावधानों का प्रचार किया। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा प्रदत्त ऑडियो प्रोमो सतत जागरूकता अभियानों के लिए केन्द्रों को अग्रेषित किए गए।

vii) कृषि में उत्कृष्टता के लिए राष्ट्रीय पुरस्कारों का प्रचार

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा घोषित कृषि में उत्कृष्टता के लिए राष्ट्रीय पुरस्कारों की विभिन्न श्रेणियों के बारे में लगातार माइक्रोफोन आधारित प्रचार बढ़ाने के लिए केन्द्रों को अनुदेश जारी किए गए।

viii) अंतरराष्ट्रीय श्रीअन्न (मिलेट) वर्ष – 2023 का प्रचार

केन्द्रों को अनुदेश दिए गए कि वे संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित अंतरराष्ट्रीय श्रीअन्न (मिलेट) वर्ष – 2023 के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए निरंतर प्रचार संबंधी योजना तैयार करें। केन्द्रों ने बाजरा फसलों के व्यापक उपयोग और अधिक उत्पादकता को बढ़ावा देने के लिए इस विषय पर अभियान पूर्व प्रचार किया।

ix) दिनांक 16.12.2021 को प्राकृतिक कृषि सम्मेलन का प्रचार

किसानवाणी कार्यक्रमों को प्रसारित करने वाले सभी 97 आकाशवाणी केन्द्रों ने 16.12.2021 को प्री गुजरात समिट, आनंद गुजरात (14 से 16 दिसंबर, 2021) में आयोजित प्राकृतिक कृषि सम्मेलन का प्रचार किया और माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के संबोधन का नेटवर्क पर सीधा प्रसारण किया।

- महत्वपूर्ण कवरेज परियोजना का शुभारंभः शहद के लिए ब्लॉक चेन/ट्रेसेबिलिटी का विकासः 07.04.2021
- ई–नाम (एनएएम) की 5वीं वर्षगांठ पर कार्यक्रम :13.04.2021
- खरीफ पर राष्ट्रीय सम्मेलनः 30.04.2021
- विश्व मधुमक्खी दिवस पर वेबिनारः 20.05.2021
- भारत–इज़राइल त्रिवर्षीय संयुक्त कार्यक्रमः 16.06.2021
- बागवानी क्लस्टर विकास का उद्घाटनः 31.05.2021
- प्रधानमंत्री फसल बीमा सप्ताह (आजादी का अमृत महोत्सव) : 01.07.2021
- ग्वालियर में एनएचबी के नए केंद्र का उद्घाटनः 01.07.2021
- कृषि पर यूरोपीय आयोग के साथ एचएएम की वर्चुअल बैठकः 07.07.2021 पीएम किसान योजना के प्रत्यक्ष लाभ अंतरण लाभार्थियों की बाइट्सः 09.08.2021
- शंघाई सहयोग समिति की बैठकः 12.08.2021
- ब्रिक्स कृषि सचिवों की बैठकः 27.8.2021

- विश्व नारियल दिवसः 2.9.2021
- एचएएम और राज्य के मुख्यमंत्रियों का सम्मेलनः 06 और 07.09.2021
- एचएएम के साथ उपराज्यपालों का सम्मेलन
- रबी अभियान पर राष्ट्रीय सम्मेलन 21—22:21.9.2021
- अमूल शहद का शुभारंभ:28.9.2021
- माननीय प्रधानमंत्री का पानी समितियों / ग्राम सरपंचों के साथ संवादः 2.10.2021
- चौधरी चरण सिंह के जन्म दिवस राष्ट्रीय किसान दिवस (23.12.21) के अवसर पर कार्यक्रम।

8. दिनांक 27.01.2022 को जायद / ग्रीष्म अभियान के लिए कृषि पर राष्ट्रीय सम्मेलन— 2022

दिनांक 27 जनवरी 2022 को आयोजित जायद / ग्रीष्मकालीन अभियान—2022 के लिए कृषि पर राष्ट्रीय सम्मेलन में दोपहर 12.15 बजे से 1.30 बजे तक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से माननीय केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री के संबोधन को किसान की बात द्वारा दिनांक 27.1.2022 को कवर किया गया।

9. रेडियो किसान दिवस 2022 (15.02.2022)

किसानवाणी कार्यक्रम प्रसारित कर रहे कई आकाशवाणी केन्द्रों ने रेडियो किसान दिवस 2022 मनाया। वैज्ञानिक, कृषि विशेषज्ञ, विषयवस्तु विशेषज्ञ और पत्रकारों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया और सफल महिला किसानों सहित अनेक प्रगतिशील किसानों को इस अवसर पर कृषि के क्षेत्र में उनकी उत्कृष्टता के लिए प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया।

आकाशवाणी अकोला में रेडियो किसान दिवस पर संबोधित करते प्रगतिशील किसान

आकाशवाणी अकोला में रेडियो किसान दिवस पर सम्मानित किए जाते हुए सफल प्रगतिशील किसान

10. 24.02.2022 को प्रधानमंत्री किसान योजना की तीसरी वर्षगांठ

कृषि एवं गृह, किसानवाणी और किसान की बात कार्यक्रमों का प्रसारण करने वाले सभी आकाशवाणी केन्द्रों ने 24.02.2022 को प्रधानमंत्री किसान योजना की तीसरी वर्षगांठ का प्रचार किया।

11. 8 मार्च, 2022 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस, 2022 का कवरेज

आकाशवाणी ने इस कार्यक्रम को अपने राष्ट्रीय नेटवर्क पर कवर किया और कार्यक्रमों के प्रसारण द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस, 2022 का समुचित प्रचार किया।

12. 27.03.22 को समुदाय आधारित संगठन (सीबीबीओ) शिखर सम्मेलन, सुब्रह्मण्यण हॉल, एनएएससी कॉम्प्लेक्स

आकाशवाणी ने माननीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री की अध्यक्षता में 27.03.22 को सुब्रमण्यण हॉल, एनएएससी कॉम्प्लेक्स में समुदाय आधारित संगठन (सीबीबीओ) शिखर सम्मेलन को कवर किया।

13. दिनांक 22.03.2022 को विश्व जल दिवस का प्रचार

दिनांक 22.03.2022 को कृषि एवं गृह, "किसानवाणी" और "किसान की बात" कार्यक्रमों का प्रसारण करने वाले आकाशवाणी के सभी केन्द्रों ने विश्व जल दिवस का प्रचार किया।

V. स्वास्थ्य और परिवार कल्याण:

क. महिलाओं से संबंधित कार्यक्रम:

आकाशवाणी के महिला कार्यक्रमों में महिलाओं के सामाजिक–आर्थिक विकास, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, आहार और पोषण, वैज्ञानिक गृह प्रबंधन, महिला उद्यमिता, प्रौढ़ शिक्षा सहित शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, लैंगिक मुद्दों आदि से संबंधित विषय शामिल होते हैं।

आकाशवाणी बालिकाओं के कल्याण के लिए विभिन्न प्रारूपों में कार्यक्रमों को प्रसारित करती है। कार्यक्रमों का उद्देश्य कन्या भ्रूण हत्या, लैंगिक भेदभाव से संबंधित मुद्दों पर सामाजिक जागरूकता, महिलाओं के अधिकारों और विशेषाधिकारों के बारे में जागरूकता पैदा करना है। ग्रामीण श्रोताओं के साथ जुड़ने के लिए पारंपरिक लोक तरीकों का भी प्रयोग किया गया। "बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ" अभियान 2021–22 में भी जारी रहा।

आकाशवाणी द्वारा प्रत्येक वर्ष 8 मार्च को मनाए जाने वाले अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का व्यापक प्रचार किया जाता है। इस वर्ष भी आकाशवाणी केन्द्रों ने अपने महिला कार्यक्रम, जो कि एक विशेष लक्षित समूह कार्यक्रम होता है, में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की उपलब्धियों को विशेष रूप से उजागर किया।

भारत के माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण बनाम भारत संघ नामक रिट याचिका (सी) सं. 400/2012 में दिनांक 15.4.2014 के निर्णय के तहत ट्रांसजेंडर सहित लैंगिक विषयों पर दिए गए निदेशों पर जन जागरूकता कार्यक्रमों में लगातार बल दिया जाता रहा है।

आकाशवाणी केन्द्रों को नियमित रूप से सलाह दी गई कि वे मीडिया में महिलाओं के अभद्र चित्रण से संबंधित कानूनों, नियमों, विनियमों और दिशानिर्देशों का समुचित प्रचार–प्रसार करें और महिलाओं के सकारात्मक चित्रण के जरिए लोगों को जानकारी प्रदान करें। इन कार्यक्रमों में महिलाओं के अभद्र चित्रण से संबंधित मौजूदा कानूनों और विनियमन के तहत उपलब्ध कानूनी प्रावधानों और उपचार की जानकारी भी प्रसारित की गई।

केन्द्रों ने महिलाओं के प्रति यौन अपराधों से संबंधित कानूनों, नियमों, विनियमों और दिशानिर्देशों का समुचित प्रचार–प्रसार किया और विधिक उपबंधों एवं दिल्ली उच्च न्यायालय के निर्णय के अनुसार ऐसे उपबंधों के उल्लंघन के लिए निर्धारित दंड के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए विभिन्न प्रारूपों में कार्यक्रमों का प्रसारण किया।

'राष्ट्रीय महिला सुरक्षा मिशन', जिसमें महिलाओं और बालिकाओं से संबंधित विभिन्न मुद्दे शामिल हैं, से संबंधित अभियान के बारे में जागरूकता फैलाने और उसके प्रचार हेतु अनुदेश जारी किए गए।

कार्यक्रम प्रमुखों को सलाह दी गई कि वे राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग से प्राप्त अनुशंसाओं के अनुरूप महिलाओं के अधिकारों और उनकी सुरक्षा से जुड़े कार्यक्रमों पर विशेष ध्यान दें।

ख. स्वास्थ्य कार्यक्रम

स्वास्थ्य संबंधी कार्यक्रम आकाशवाणी के नियमित प्रसारण का हिस्सा होते हैं। संबंधित क्षेत्र की स्वास्थ्य संबंधी आवश्यककताओं, मौसमी बीमारियों के फैलने की आशंकाओं के आधार पर तथा स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय और आकाशवाणी महानिदेशालय के अनुदेशों/सलाह के अनुसार इनकी रूपरेखा तैयार की जाती है और इनका प्रसारण किया जाता है। स्वास्थ्य से संबंधित कार्यक्रमों की विषयवस्तु में रोग, कारण और निवारण, उपलब्ध उपचार, टीकाकरण, विभिन्न रोगों के उपचार हेतु सरकारी सुविधाओं, स्वास्थ्य संबंधी सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी शामिल होती है।

कोरोना वायरस से संबंधित स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के नए परामर्शी पत्रों का प्रचार के द्वारा लोगों को जागरूक किया गया। आकाशवाणी ने आरंभ से ही जनवरी, 2020 माह से नियमित आधार इस बीमारी के बारे में जागरूकता फैलाना शुरू कर दिया था।

विश्व स्वास्थ्य संगठन/यूनेस्को के सहयोग से एशिया प्रशांत प्रसारण संस्थान द्वारा तैयार कोविड–19 को रोकने हेतु टीके और अन्य उपायों से संबंधित कॉपीराइट मुक्त ऑडियो संदेश जून 2021 माह में प्रसारित किए गए।

सितंबर 2021 में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रतिक्रिया, कोविड–19 पर एक अधिकारप्राप्त समूह–8 की सिफारिशों पर कोविड–19 संबंधित जागरूकता सृजन कार्यक्रमों पर विशेष ध्यान देने के लिए राज्यवार सलाह जारी की गई थी।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय और भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद ने म्यूकोर्मिकोसिस (ब्लैक फंगस) की जांच, निदान और प्रबंधन पर सलाह जारी की, जिसके आधार पर उपलब्ध विभिन्न कार्यक्रम प्रारूपों के माध्यम से जनता के बीच आम जागरूकता पैदा की गई।

100 करोड़ भारतीय नागरिकों को टीकाकरण हो जाने संबंधी मील का पत्थर पड़ाव हासिल करने पर स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने एक गीत जारी किया, जिसे आकाशवाणी के मंच पर उपयुक्त स्लॉट में बजाया गया।

इसके अलावा, 100 करोड़ वैक्सीन खुराक का लक्ष्य हासिल करने के अवसर पर जागरूकता संबंधी विभिन्न क्रियाकलाप किए गए।

नए कोविड–19 वैरिएंट–ओमिक्रॉन से संबंधित चिंताओं को ध्यान में रखते हुए, सभी आकाशवाणी केन्द्रों ने अपने नियमित स्वास्थ्य कार्यक्रमों के तहत कोविड संबंधी जागरूकता कार्यक्रमों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए आवश्यक अनुदेश जारी किए।

भारत सरकार ने 23 सितंबर, 2018 को सरकार द्वारा वित्त पोषित सबसे बड़े स्वास्थ्य देखभाल कार्यक्रम 'आयुष्मान भारत' कार्यक्रम का शुभारंभ किया है। आकाशवाणी केन्द्रों को सलाह दी गई कि वे इस प्रमुख योजना–आयुष्मान भारत का व्यापक प्रचार करने के लिए विभिन्न प्रारूपों में कार्यक्रम प्रसारित करें।

फिट इंडिया मूवमेंट माननीय प्रधानमंत्री द्वारा परिकल्पित जन आधारित आंदोलन है, जिसका मूल उद्देश्य देश के सभी नागरिकों के लिए फिटनेस को जीवन का एक तरीका बनाना है। सभी आकाशवाणी केंद्रों के कार्यक्रम प्रमुखों को फिट इंडिया अभियान को प्रभावी बनाने के लिए राष्ट्रीय और क्षेत्रीय स्तर पर मीडिया घरानों के साथ एक संयुक्त कार्य योजना बनाने की सलाह दी गई। सामाजिक दूरी बनाए रखते हुए स्वयं को फिट रखने के लिए 'फिट इंडिया फ्रीडम रन' का व्यापक प्रचार–प्रसार किया गया।

फिट इंडिया अभियान के तत्वावधान में युवा मामले और खेल मंत्रालय ने विभिन्न आयु वर्गों के लिए फिटनेस प्रोटोकॉल तैयार किए, जिनका व्यापक प्रचार किया गया।

लोगों को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, 2021 के अवसर पर महामारी के दौरान घर पर ही योग करने की सलाह दी गई।

सितंबर में राष्ट्रीय पोषण माह के दौरान आकाशवाणी ने यूनिसेफ के साथ मिलकर पोषण का संदेश फैलाया और पोषण संबंधी विषयों पर कार्यक्रम प्रसारित किया।

सामान्य और विशेष श्रोता कार्यक्रमों में महिलाओं और बच्चों के पोषण पर विशेष ध्यान दिया जाता है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने 'पोषण अभियान' के तहत 16 से 31 मार्च 2021 तक 'पोषण पखवाड़ा' मनाया। आकाशवाणी केन्द्रों ने इस विषय पर जागरूकता फैलाने में मदद की।

ई–सिगरेट, हीट–नॉट–बर्न डिवाइस, वेप, ई–शीशा, ई–निकोटीन फ्लेवर्ड हुक्का और ऐसे उत्पादों सहित इलेक्ट्रॉनिक निकोटीन डिलीवरी सिस्टम पर स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी की गई सलाह का भी व्यापक प्रचार किया गया।

मानसिक स्वास्थ्य देखभाल अधिनियम पर जागरूकता पैदा की गई और लोगों को अवसाद से गुजर रहे लोगों की विशेष जरूरतों के प्रति संवेदनशील बनाने के लिए कार्यक्रम प्रसारित किए गए।

पोलियो उन्मूलन पर भारत विशेषज्ञ सलाहकार समूह की सिफारिशों के अनुसार, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस (एनआईडी) या 'पोलियो रविवार' पर 31 जनवरी, 2021 को राष्ट्रव्यापी पोलियो टीकाकरण अभियान का आयोजन किया। केन्द्रों ने इस राष्ट्रव्यापी पोलियो टीकाकरण अभियान को कवर किया और साक्षात्कार, डायल–इन, डायल आउट कार्यक्रम और लघु रूपक आयोजित किए।

भारत सरकार की एक पहल योग ब्रेक प्रोटोकॉल, एक ऐसा प्रोटोकॉल है जिसमें बहुत ही सरल और उपयोगी योग अभ्यास शामिल हैं। स्वास्थ्य से संबंधित विभिन्न कार्यक्रम प्रारूपों जैसे वार्ता, साक्षात्कार, डायल–इन/डायल–आउट, फोन–इन कार्यक्रमों के माध्यम से बड़े पैमाने पर आम जनता के बीच सामान्य जागरूकता पैदा की गई।

महिलाओं के कार्यक्रम में शामिल अन्य विषयों में विवाह की सही उम्र, पहले बच्चे में देरी, बच्चों के बीच अंतर, मातृ देखभाल, बच्चे की उत्तरजीविता, पति और पत्नी के बीच बेहतर संवाद, पुत्र के प्रति चाह, जिसके कारण प्रतिकूल बाल लिंग अनुपात का निर्माण होता है, को समाप्त करने, गर्भ की चिकित्सकीय समाप्ति, प्रजनन नली संबंधी संक्रमण (आरटीआई) और यौन जनित रोगों (एसटीडी) का प्रबंधन, प्रसव पूर्व नैदानिक तकनीक (नियम और दुरुपयोग निवारण) अधिनियम–1994, स्तनपान, तपेदिक, कुष्ठ, मधुमेह और प्रजनन बाल स्वास्थ्य जैसे विषय शामिल थे।

ग. बच्चों के कार्यक्रम और बाल कल्याण से संबंधित विशिष्ट मुद्दों की कवरेजः

सभी आकाशवाणी केंद्र नियमित आधार पर बच्चों के लिए कार्यक्रम प्रसारित करते हैं। ये कार्यक्रम 5–7 और 8–14 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए होते हैं। ग्रामीण बच्चों के लिए भी कार्यक्रम प्रसारित किए जाते हैं। कार्यक्रम साप्ताहिक होते हैं और इनमें नाटक, लघु कथाएँ, रूपक, सामूहिक गायन, साक्षात्कार, महाकाव्यों की कहानियाँ आदि शामिल होती हैं।

कार्यक्रमों में निम्नलिखित विषयों को समुचित रूप से शामिल किया गया हैः

1. बाल अधिकारों का संरक्षण और विशेषकर देखभाल की आवश्यता वाले बच्चों की पहचान सुरक्षित रखने तथा कानून से जूझ रहे किशोरों का संरक्षण।
2. दिव्यांग बच्चों की देखभाल और सहायता।
3. कठिन परिस्थितियों में बच्चों की देखभाल और सहायता।
4. लड़कियों को समान दर्जा।
5. बच्चों की बुनियादी शिक्षा तक सार्वभौमिक पहुंच और लड़कियों की शिक्षा पर अधिक ध्यान देना।
6. बच्चों को सुरक्षित और सहायक वातावरण प्रदान करना।
7. परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार व स्वावलम्बी समाज।
8. बच्चे के बेहतर भविष्य के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सहयोग।

9. सुरक्षित पेयजल सुविधा और मलमूत्र निपटान के स्वच्छता संबंधी साधन।

10. इंटरनेट और ऑनलाइन सामग्री के दुष्प्रभाव से रक्षा।

26 जून, 2021 को प्रत्येक वर्ष मनाए जाने वाले बाल दुर्व्यवहार और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस को कवर किया गया। सभी आकाशवाणी केन्द्रों के कार्यक्रम प्रमुखों को इस विषय पर कार्यक्रम प्रसारित करने की सलाह दी गई थी। उन्हें पोस्को (संशोधन) अधिनियम 2019 का व्यापक प्रचार–प्रसार करने की सलाह भी दी गई।

कार्यक्रम प्रमुखों को सघन मिशन इंद्रधनुष (आईएमआई 2.0) के दूसरे चरण का व्यापक कवरेज/प्रचार करने का निर्देश दिया गया। 'बाल सुरक्षा के लिए सुरक्षित पड़ोस' नामक अखिल भारतीय अभियान के आरंभ से पूर्व ही इसका प्रचार करने के अनुदेश जारी किए गए। 15 से 21 नवंबर, 2021 तक प्रत्येक वर्ष मनाए जाने वाले 'नवजात शिशु देखभाल सप्ताह' को कवर किया गया।

आकाशवाणी ने यूनिसेफ की मदद से सितंबर, 2021 में राष्ट्रीय पोषण माह के दौरान पोषण के संदेश का प्रसार किया और पोषण संबंधी विषयों पर कार्यक्रमों का प्रसारण किया। आकाशवाणी के कार्यक्रम निर्माताओं ने विभिन्न वेबिनारों, जिसमें यूनिसेफ ने अपने संसाधनों के माध्यम से आकाशवाणी की सहायता प्रदान की गई, के जरिए पोषण और टीकाकरण सबंधी कार्यक्रमों की जानकारी दी।

vi. संगीतः

अपनी स्थापना से आकाशवाणी एक लोक सेवा प्रसारक के रूप में अपनी अगाध प्रतिबद्धता के साथ भारतीय संगीत के प्रचार और संरक्षण में उत्कृष्ट सेवा प्रदान कर रही है।

पुराने एप्लिकेशन के लिए ऑनलाइन म्यूजिक ग्रेडेशन प्रणाली और सीएबी ऑडिशन के लिए केन्द्र और रिकॉर्डिंग खुली हुई है।

आकाशवाणी द्वारा 175वें संत त्यागराज आराधना महोत्सव का सीधा प्रसारण किया गया। इस अवसर पर, जैसा कि प्रत्येक वर्ष किया जाता है, थिरुवयारु से त्यागराज आराधना संगीत समारोह 22.01.2022 (शनिवार) का प्रसारण रात 9.30 बजे से रात 11.00 बजे तक संगीत के राष्ट्रीय कार्यक्रम में किया गया।

इसके अलावा, 22.01.2022 (शनिवार) को 'पुष्य बहुला पंचमी' यानी संत त्यागराज की पुण्य तिथि पर थिरुवयारु से सुबह 8.30 बजे से प्रसारण राष्ट्रीय हुक–अप पर किया गया जो कृतियों के समूह गायन की समाप्ति तक चला।

1952 से शुरू हुए राष्ट्रीय कार्यक्रम आज भी राष्ट्रीय संगीत कार्यक्रम और रविवासरीय अखिल भारतीय संगीत सम्मेलन का प्रसारण करते हैं।

अप्रैल 2021– जीशान खान– गायन, प्रशांत पाठक– तबला, देबप्रिया अधिकारी– गायन, अभिषेक रघुराम– गायन।

मई 2021– पार्थ बोस, सोमा सिंह– गायन, मोहन श्याम शर्मा– पखावज, तरुण कोलिता– सरोद, विद्यवान।

जून 2021– आर त्यागराजन– बांसुरी।

अक्तूबर 2021– विदुषी लालगुडी जीजेआर कृष्णन – वायलिन, पं. सलिल भट्ट – गिटार, जी श्रीविद्या रामदास – पखावज, उस्ताद शफीक खान – सितार, मोहम्मद अमन – गायन।

नवंबर 2021– विवेक सदाशिवम – गायन, सौरभ नाहर– गायन, उस्ताद जफर मोहम्मद– तबला, पं. अजय प्रसन्ना– बांसुरी, प्रभाकर और दिवाकर – गायन, पं. सुर रंजन – सरोद, प्रशांत मल्लिक और निशांत मल्लिक – ध्रुपद/धमार।

दिसंबर 2021 – पं. निलाद्री कुमार – सितार, रमण बाला चंदर – वीणा, पं. अनिंदो चटर्जी – तबला, पं. राकेश चौरसिया– बाँसुरी।

जनवरी 2022 – अक्कराई सुब्बुलक्ष्मी और अक्कराई स्वर्णलता – गायन, आदित्य खांडवे – गायन, एन. आर. कन्नन – नागस्वरम, पं. प्रेम कुमार मल्लिक – ध्रुपद/धमार, अखिलेश गुणडेचा – पखावज, देवाशीष चक्रवर्ती – गिटार, डॉ. जयाप्रदा राममूर्ति – बांसुरी।

फरवरी 2022– खादिम हुसैन खान– तबला एकल, पं. बृज नारायण – सरोद, छोटे रहमत खाँ – सितार, बालाचंदर नाकोद – गायन।

मार्च 2022 – विद्य. श्रीराम परशुराम – वायलिन, गिरिधर शरद कुलकर्णी – तबला एकल, डॉ. के. सरस्वती विद्यार्थी – गायन, पं. साहित्य कुमार नाहर – सितार, स्मिता श्रीकिरण – बांसुरी, सुषमा वाजपेयी।

आजादी का अमृत महोत्सव

प्रादेशिक लोक और सुगम संगीत के राष्ट्रीय कार्यक्रम में इस वर्ष आजादी का अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में विभिन्न भारतीय भाषाओं में देशभक्ति गीत पेश किए गए:

माह		भाषा		आकाशवाणी केन्द्र/कार्यालय
अगस्त 2021	–	हिंदी	–	आकाशवाणी महानिदेशालय
सितंबर 2021	–	मराठी	–	मुंबई
अक्तूबर 2021	–	तेलुगु	–	हैदराबाद
नवंबर 2021	–	बांग्ला	–	कोलकाता,
		हिंदी	–	लखनऊ
दिसंबर 2021	–	गुजराती	–	अहमदाबाद
जनवरी 2022	–	मलयालम	–	तिरुवनंतपुरम
फरवरी–2022	–	असमिया	–	गुवाहाटी
मार्च 2022	–	पंजाबी	–	जालंधर,
		हिंदी	–	भोपाल
अप्रैल 2022	–	तमिल	–	चेन्नई
मई 2022	–	डोगरी	–	जम्मू, कन्नड़ – बेंगलुरु
जून 2022	–	उड़िया	–	भुवनेश्वर
जुलाई 2022	–	मणिपुरी	–	इंफाल, कोंकणी – पणजी
अगस्त 2022	–	हिंदी	–	आकाशवाणी, दिल्ली

vii. खेल:

- एआईआर स्पोर्टस आकाशवाणी के राष्ट्रीय हुक–अप पर विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खेल आयोजनों के रेडियो प्रसारण की योजना बनाने और उसे क्रियान्वित करने के कार्य से जुड़ा हुआ है। यह आकाशवाणी पर खेल आयोजनों के सुचारू प्रसारण को सुनिश्चित करने के लिए रेडियो प्रसारण अधिकारों के अधिग्रहण, विभिन्न खेल परिसंघों/संघों, विभिन्न आकाशवाणी केन्द्रों/विदेशी प्रसारकों और अन्य संबंधित संस्थाओं आदि के साथ समन्वय से संबंधित कार्य भी करता है। खेल आयोजनों के लिए कमेंटेटरों की स्क्रीनिंग और उनकी तैनाती संबंधी कार्य भी एआईआर स्पोर्ट्स द्वारा किया जाता है।

- बदलते समय के साथ कदम से कदम मिलाने के लिए एआईआर स्पोर्टस अधिकार मिलने पर प्रसार भारती के डिजिटल प्लेटफॉर्म पर खेल आयोजनों का प्रसारण करता है। इसके अलावा, अपनी पैठ बढ़ाने के लिए एआईआर स्पोर्ट्स ने अधिकारों के अध्यधीन प्रसार भारती स्पोर्ट्स यूट्यूब चैनल पर खेलों का प्रसारण किया जिस पर दर्शकों की जबरदस्त प्रतिक्रिया देखने को मिली।

2020 ग्रीष्मकालीन ओलंपिक खेलः

एआईआर स्पोर्ट्स ने टोक्यो, जापान में आयोजित 2020 ग्रीष्मकालीन ओलंपिक खेलों के संबंध में निम्नलिखित कार्यक्रम प्रसारित किए।

खेलों से पूर्व कार्यक्रमः टोक्यो ओलंपिक खेलों की तैयारी के रूप में इन कार्यक्रमों का प्रसारण बारी–बारी से हिंदी और अंग्रेजी में राष्ट्रीय हुक–अप पर 2020 आकाशवाणी, दिल्ली से किया गया था और जिसे सभी राजधानी आकाशवाणी केन्द्रों, एफएम रेनबो नेटवर्क और अन्य इच्छुक स्टेशनों द्वारा रिले किया गया।

कर्टेन रेज़रः 22 जुलाई, 2021 को सभी आकाशवाणी राजधानी केन्द्रों, एफएम रेनबो नेटवर्क, डीआरएम और अन्य इच्छुक केन्द्रों से 2230 से 2250 बजे तक कर्टेन रेज़र कार्यक्रम। कर्टन रेज़र के क्षेत्रीय संस्करण भी 23 जुलाई, 2021 को गैर–हिंदी आकाशवाणी राजधानी केन्द्रों द्वारा प्रसारित किए गए थे।

दैनिक हाइलाइट्सः 23 जुलाई से 8 अगस्त, 2021 के दौरान 2230 बजे से 2245 बजे तक खेलों के दैनिक हाइलाइट्स के कैप्सूल सभी आकाशवाणी राजधानी केन्द्रों, एफएम रेनबो नेटवर्क, डीआरएम और अन्य इच्छुक केन्द्रों द्वारा प्रसारित किए गए। दैनिक हाइलाइट कैप्सूल के क्षेत्रीय संस्करण गैर–हिंदी आकाशवाणी राजधानी केन्द्रों द्वारा उसी दिन प्रातःकालीन प्रसारण के दौरान प्रसारित किए गए और इसका रिले अन्य इच्छुक आकाशवाणी केन्द्रों द्वारा उनसे संबंधित भाषा क्षेत्रों में किया गया।

एफएम रेनबो पर अपडेटः एफएम रेनबो नेटवर्क पर 24 जुलाई से 7 अगस्त, 2022 तक 0715 बजे 1915 बजे तक हर घंटे अपडेट। उपर्युक्त के अलावा, भारत द्वारा पदक जीतने पर एफएम गोल्ड और एफएम रेनबो चैनलों पर सामान्य कार्यक्रमों के दौरान ही संबंधित समाचार प्रसारित किए गए।

हॉकी मैचः एआईआर स्पोर्ट्स 24 जुलाई 2021 से 6 अगस्त 2021 तक टोक्यो 2020 ओलंपिक खेलों के अभिहित हॉकी मैचों की ऑफ–ट्यूब कमेंट्री प्रसारित की।

बैडमिंटन मैचः एआईआर स्पोर्ट्स ने 27 जुलाई 2021 से 2 अगस्त 2021 तक टोक्यो 2020 ओलंपिक खेलों के अभिहित बैडमिंटन मैचों की ऑफ–ट्यूब कमेंट्री प्रसारित की।

क्रिकेटः

- आकाशवाणी, बीबीसी और एबीसी द्वारा सह–निर्मित क्रिकेट पर एक साप्ताहिक कार्यक्रम 'स्टंप्ड' को हर शनिवार 1130 बजे एआईआर एफएम रेनबो नेटवर्क पर प्रसारित किया गया।
- एआईआर स्पोर्टस् निम्नलिखित क्रिकेट आयोजनों की बॉल दर बॉल कमेंट्री भी प्रसारित करता हैः
  1. विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2021 का फाइनल मैच इंग्लैंड में 18 से 22 जून 2021 तक खेला गया।
  2. 12 अगस्त 2021 से 6 सितंबर, 2021 तक इंग्लैंड में आयोजित भारत–इंग्लैंड क्रिकेट श्रृंखला 2021
  3. आईसीसी पुरुष टी–20 विश्व कप 2021 यूएई और ओमान में 23 अक्तूबर 2021 से 14 नवंबर, 2021 तक खेला गया।
  4. आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2022 न्यूजीलैंड में 6 मार्च 2022 से 3 अप्रैल 2022 तक खेला गया।

आईसीसी महिला विश्व कप 2022 के दूसरे सेमीफाइनल की कमेंट्री के दौरान आकाशवाणी दल दायें से बायें श्री पंकज अठावले, श्री वेंकट बाला रेड्डी, श्री आशीष कुमार चरंगू और मोहम्मद ईशाउद्दीन

आईसीसी महिला विश्व कप 2022—दूसरा सेमीफाइनल मैच इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका के बीच

हॉकी:

- 24 नवंबर से 5 दिसंबर 2021 तक भुवनेश्वर में आयोजित एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप 2021 की लाइव कमेंट्री का प्रसारण किया गया।
- एआईआर स्पोर्ट्स ने 30 अक्तूबर 2021 को झांसी में खेले गए 11वीं हॉकी इंडिया महिला राष्ट्रीय चैम्पियनशिप 2021 के फाइनल मैच की लाइव कमेंट्री भी प्रसारित की।

भुवनेश्वर में एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्वकप 2021

फुटबॉल:

- एआईआर स्पोर्टस ने 3 अक्तूबर 2021 को कोलकाता में आयोजित 130वें डूरंड कप फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल मैच की लाइव कमेंट्री का प्रसारण किया।
- राष्ट्रीय प्रसारणों के अलावा भारत में स्थित आकाशवाणी केंद्र विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं में खेलों पर कई सामयिक कार्यक्रमों का प्रसारण कर रहे हैं।

च. आकाशवाणी की समाचार सेवा:

आकाशवाणी का समाचार सेवा प्रभाग (एनएसडी) भारत और विदेशों में श्रोताओं के लिए समाचार और समाचार आधारित कार्यक्रमों का प्रसारण करता है। यह रेडियो प्रसारण में उच्चतम पेशेवर नैतिकता और मानकों का पालन करते हुए प्रतिदिन 92 भाषाओं/बोलियों में 607 बुलेटिन प्रसारित करता है। नई तकनीक का उपयोग करते हुए एआईआर न्यूज अब अंग्रेजी, हिंदी, उर्दू, असमिया, डोगरी, गुजराती, मराठी, राजस्थानी और तमिल भाषाओं में वेबसाइट पर उपलब्ध होने के साथ–साथ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी उपलब्ध है।

i. संगठनात्मक ढांचा:

समाचार सेवा प्रभाग के प्रमुख प्रधान महानिदेशक/महानिदेशक (समाचार) होते हैं जो भारतीय सूचना सेवा के सबसे वरिष्ठतम अधिकारियों में से एक हैं। प्रधान महानिदेशक/महानिदेशक (समाचार) की सहायता के लिए अपर महानिदेशकों (समाचार), निदेशकों (समाचार), संयुक्त निदेशकों (समाचार), उप निदेशकों (समाचार), सहायक निदेशकों (समाचार), समाचार संपादकों और रिपोर्टरों की एक टीम होती है।

दिल्ली में समाचार सेवा प्रभाग मुख्यालय के विभिन्न प्रचालन अनुभाग: सामान्य समाचार कक्ष; हिंदी समाचार कक्ष; क्षेत्रीय समाचार एकांश डेस्क; विदेश प्रसारण; रिपोर्टिंग एकक; वार्ता और समसमायिक एकक; न्यूज़रील एकक; भारतीय भाषा एकक; संदर्भ, नीति, योजना एवं विकास एकक; आईटी और वेबसाइट एकक; पुस्तकालय और प्रशासनिक स्कंध शामिल हैं।

ii. क्षेत्रीय समाचार एकांश:

विभिन्न राज्यों में क्षेत्रीय समाचार एकांशों (आरएनयू) के प्रमुख संयुक्त निदेशक या उप/सहायक निदेशक के स्तर के अधिकारी होते हैं जिनकी सहायता समाचार संपादक, रिपोर्टर और समाचार वाचक–सह–अनुवादक करते हैं। देश भर में 46 क्षेत्रीय समाचार एकांश हैं।

आकाशवाणी के 46 क्षेत्रीय समाचार एकांश क्षेत्रीय विशिष्टता के साथ लोगों की सूचना संबंधी जरूरतों को पूरा करते हैं और उनकी जमीनी पहुंच का दायरा बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। क्षेत्रीय समाचार एकांश 77 प्रादेशिक भाषाओं/बोलियों में बुलेटिन और कार्यक्रम प्रसारित करते हैं, जिससे समाचार क्षेत्र–विशिष्ट और श्रोता–अनुकूल बनते हैं। संबंधित राज्यों में घटनाओं के प्रभावी कवरेज के लिए प्रत्येक राज्य में कम से कम एक आरएनयू और बड़े राज्यों में चार आरएनयू तक हैं। क्षेत्रीय समाचार एकांश लगभग 40 घंटे की कुल अवधि के लिए हर दिन 479 बुलेटिन प्रसारित करते हैं जिसमें राष्ट्रीय, क्षेत्रीय, विदेश, डीटीएच सेवाएं और एफएम हेडलाइनें शामिल होती हैं।

ये एकांश गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस या राष्ट्रीय महत्व के किसी भी अन्य अवसरों पर विशेष कार्यक्रमों का प्रसारण करने के अतिरिक्त एक माह में लगभग 157 घंटों की कुल अवधि के लिए 1087 समाचार–आधारित कार्यक्रमों का भी प्रसारण करते हैं। जब राज्य विधानसभाओं का सत्र चल रहा होता है तो वे विशेष कार्यक्रम भी प्रसारित करते हैं। एफएम सुर्खियां शहरों और कस्बों में समाचार सुधी श्रोताओं को उनके व्यस्त जीवन में उनकी समाचार संबंधी तत्काल आवश्यकताएं पूरी करती हैं। वर्तमान में, क्षेत्रीय समाचार एकांशों द्वारा 17 भाषाओं में 257 हेडलाइन बुलेटिनें प्रसारित की जा रही हैं।

क्षेत्रीय समाचार एकांशों ने अपनी जमीनी पहुंच के कारण समय–समय पर संबंधित क्षेत्रीय भाषाओं में सरकार द्वारा शुरू की गई विभिन्न सामाजिक, आर्थिक और विकासात्मक योजनाओं का व्यापक प्रचार किया।

क्षेत्रीय समाचार एकांशों का आधुनिकीकरण

1. क्षेत्रीय समाचार एकांशों ने आकस्मिक बुकिंग और भुगतान के लिए प्रसार भारती द्वारा शुरू किए गए टीबीएस (टैलेंट बुकिंग सिस्टम) सॉफ्टवेयर लागू किया है।
2. कुछ क्षेत्रीय समाचार एकांशों ने सफलतापूर्वक अपने स्तर पर मुख्यालय के साथ संवाद स्थापित करने के लिए ई–ऑफिस की शुरुआत की है।
3. बुलेटिन तैयार करने और पढ़ने के लिए नेतिया (एनईटीआईए) और टेलीप्रॉम्प्टर के प्रयोग द्वारा क्षेत्रीय समाचार एकांशों का ऑटोमेशन।
4. क्षेत्रीय समाचार एकांशों ने बजट अनुदान और मांग के लिए केंद्रीकृत लेखा प्रणाली, सीएएस की शुरुआत की है।

iii. विदेश प्रसारण सेवा:

रेडियो विदेश नीति और सार्वजनिक कूटनीति के साधन के रूप में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। राष्ट्र, अपनी छवि संरक्षित करने और दुनिया के प्रति दृष्टिकोण रखने के एक साधन के रूप में अंतर्राष्ट्रीय प्रसारण को बहुत महत्व देते हैं।

ब्रिटिश भारत के एक भाग के रूप में आकाशवाणी ने 1 अक्तूबर, 1939 को द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान विशुद्ध रूप से मित्र राष्ट्रों के लिए प्रचार के एक साधन के रूप में विदेश प्रसारण के क्षेत्र में प्रवेश किया था। विदेशी श्रोताओं के लिए आकाशवाणी का पहला प्रसारण पश्तो भाषा में तत्कालीन उत्तर पश्चिम सीमांत प्रांत (एनडब्ल्यूएफपी) में जर्मन रेडियो के तूफान का मुकाबला करने के लिए किया गया था ताकि दुनिया के इस हिस्से में बीबीसी के प्रयासों में सहायता पहुंचायी जा सके। भारत को स्वतंत्रता मिलने के बाद आकाशवाणी के विदेश सेवा प्रभाग को एक उभरते राष्ट्र की आवाज, एक पुरानी सभ्यता, कूटनीति के एक औजार और विभिन्न संकटों के समय प्रभावी प्रचार तंत्र के रूप में एक नई भूमिका ग्रहण करनी पड़ी। तब से, विदेश सेवा प्रभाग भारत और शेष विश्व के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य कर रहा है, विशेष रूप से उन देशों के साथ जहां बड़ी संख्या में भारतवंशियों की उपस्थिति के कारण भारत के हित आपस में जुड़े हुए हैं। विदेश प्रसारण सेवा प्रवासी भारतीयों को उनके मूल देश और इसकी संस्कृति और विरासत से जोड़ती है, जो उन्हें घर से दूर होने पर भी घर का एहसास दिलाती है। अपने विदेश सेवा प्रसारणों के माध्यम से, आकाशवाणी का उद्देश्य विदेशी श्रोताओं को भारत की मूल भावना से जोड़े रखना, विभिन्न मुद्दों पर दृष्टिकोण जानना, विज्ञान और प्रौद्योगिकी सहित विभिन्न क्षेत्रों में भारत के बढ़ते कदमों, भारत की लोकतांत्रिक और धर्मनिरपेक्ष परंपराओं, इसकी जीवंत कला, संस्कृति, अर्थव्यवस्था, भारत में उपलब्ध व्यवसाय और व्यापार के अवसरों की जानकारी देना, भारत को एक शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और पर्यटन स्थल के रूप में पेश करना, मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा के प्रति भारत की प्रतिबद्धता आदि के बारे में बताना है।

विदेश प्रसारण सेवाओं की भूमिका:

- विदेश से संपर्क: पड़ोस और बाहरी दुनिया के प्रति भारत का दृष्टिकोण।
- 1939 से वैश्विक मंच पर भारत की आवाज़।
- दुर्भावनापूर्ण और भारत विरोधी प्रचार का मुकाबला करना।
- भारतीय प्रवासियों से संपर्क।
- नव भारत: भारत की विकास गाथा का वर्णन:
  - विभिन्न क्षेत्रों में भारत के बढ़ते कदम।
  - व्यवसाय और व्यापार के अवसर।
  - शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन स्थल के रूप में भारत।
  - हमारी कला, संस्कृति, संगीत, साहित्य आदि की जीवंतता।

12.08.2021 को विदेश सेवा प्रभाग का विलय समाचार सेवा प्रभाग, आकाशवाणी में कर दिया गया। विलय के बाद, विदेश प्रसारण सेवा को पुनर्जीवित करने के प्रयास किए गए। इन प्रयासों के परिणामस्वरूप, विदेश प्रसारण सेवाएं 17 भाषाओं (11 विदेशी और 06 भारतीय भाषाओं) अर्थात् अरबी, फ़ारसी, दरी, पश्तो, बलूची, स्वाहिली, चीनी, बर्मी, फ्रेंच, इंडोनेशिया, तिब्बती, उर्दू, सेराकी, सिंधी, पंजाबी, मैत्री (बांग्ला) और नेपाली में प्रसारित की जाती हैं। 8 भाषाओं अर्थात अरबी, फारसी, दरी, पश्तो, बलूची, चीनी, तिब्बती और नेपाली में होने वाले प्रसारण को दोगुना कर दिया गया। पंजाबी और सरायकी कार्यक्रमों की सेवाएं आकाशवाणी, जालंधर से प्रसारित की जाती हैं जबकि मैत्री (बांग्ला) सेवा का प्रसारण आकाशवाणी, कोलकाता से किया जाता है। ये सेवाएं शॉर्ट वेव रेडियो फ्रीक्वेंसी पर प्रसारित की जाती हैं और दुनिया भर के श्रोताओं के लिए एआईआर वर्ल्ड सर्विस यूट्यूब चैनल (https://www.youtube.com/c/AIRWorldService) पर सीधे प्रसारण के साथ डिजिटल प्लेटफार्म पर, एंड्रॉइड और आईफोन के लिए न्यूजऑनएयर ऐप और डीडी फ्रीडिश पर भी उपलब्ध हैं। वर्तमान में प्रसारित हो रही आकाशवाणी की विदेश प्रसारण सेवा का विवरण अनुलग्नक VIII में दिया गया है।

समाचार संग्रहण नेटवर्कः

समाचार सेवा प्रभाग को समयबद्धता और गुणवत्ता से जुड़े कतिपय मानकों का पालन करते हुए समाचार और संबंधित सेवाओं को तैयार करने का कार्य सुनिश्चित करना होता है। यह प्रभाग समाचार एकत्र करने के लिए विभिन्न स्रोतों का उपयोग करता है। समाचार सेवा प्रभाग (मुख्यालय) में विभिन्न प्रकार के बीट्स को कवर करने वाले ऊर्जावान रिपोर्टरों/संवाददाताओं की एक टीम उपलब्ध होती है। विदेशी संवाददाता भी बीजिंग, दुबई, काठमांडू, कोलंबो और ढाका में तैनात हैं। संवाददाता क्षेत्रीय समाचार एकांशों में भी तैनात किए जाते हैं। देश के 550 से अधिक जिलों में अंशकालिक संवाददाता (पीटीसी) भी अपने से संबंधित आरएनयू के माध्यम से समाचार एकत्र करने में सहायता प्रदान करते हैं। सोशल मीडिया उदाहरणस्वरूप – सत्यापित ट्विटर हैंडलों, प्रख्यात हस्तियों–राजनीतिक और अन्य के फेसबुक खातों पर नियमित रूप नज़र रखी जाती है और यह समाचार तैयार करने के लिए सूचना का एक महत्वपूर्ण स्रोत साबित होता है।

iv. रिपोर्टिंग एककः

मुख्यालय में रिपोर्टिंग यूनिट ने व्यापक रूप से घटनाक्रमों, घटनाओं, सरकार की योजनाओं की शुरूआत, महत्वपूर्ण संवाददाता सम्मेलनों, रैलियों, कार्यशालाओं, सेमिनारों, राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्रियों, दौरे पर आने वाले मुख्यमंत्रियों, विदेशी गणमान्य व्यक्तियों और अन्य महत्वपूर्ण व्यक्तियों के संबोधनों को कवर किया।

रिपोर्टिंग एकक, विभिन्न मंत्रालयों और अन्य सरकारी संगठनों, भारत के चुनाव आयोग, मानवाधिकार आयोग और सार्वजनिक उपक्रमों जैसे संवैधानिक और वैधानिक निकायों के साथ लगातार संपर्क में रहकर, स्पॉट न्यूज़ कवरेज के लिए समाचार और संबंधित जानकारी एकत्र करता है। उनकी बैठकों, कार्यक्रमों और संवाददाता सम्मेलनों को भी कवर किया गया।

यह हिंदी में प्रसारित होने वाले प्रादेशिक बुलेटिनों के लिए सामग्री भी प्रदान करता है। इन बुलेटिनों में दिल्ली और एनसीआर से संबंधित सभी महत्वपूर्ण घटनाक्रमों को विशेष रूप से कवर किया गया था। एकक ने हर महीने मन की बात पर सामग्रियां तैयार की।

iii. वार्ता और समसमायिक कार्यक्रमः

वार्ता और समसमायिक कार्यक्रम (टी एंड सीए) एकक को विभिन्न विषयों पर विश्लेषणात्मक समाचार आधारित कार्यक्रम प्रसारित करने का काम सौंपा गया है। इसका आशय श्रोताओं को प्रमुख नए घटनाक्रमों को समझाना, चीजों को सही परिप्रेक्ष्य से देखने और किसी भी विषय से विस्तारपूर्वक निपटने में सहायता प्रदान करना है। स्पॉटलाइट, कोरोना जागरुकता श्रृंखला, सुर्खियों में और अन्य समसमायिक कार्यक्रमों जैसे दैनिक और साप्ताहिक कार्यक्रमों में विभिन्न

विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। इसके अतिरिक्त, वार्ता एवं समसमायिक एकक एम्प्लॉयमेंट न्यूज और रोजगार समाचार बुलेटिनें भी तैयार करता है।

चालू वित्त वर्ष के दौरान प्रसारित महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में राज्य विधान सभा चुनाव, कोविड–19 महामारी, भारत का निःशुल्क टीकाकरण कार्यक्रम, प्रधानमंत्री का राष्ट्र के नाम संबोधन, मन की बात, राज्य विधान सभा चुनाव, आजादी का अमृत महोत्सव, आत्म निर्भर भारत अभियान, महात्मा गांधी की 152वीं जयंती, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, आईएफएफआई का 52वां संस्करण, बांग्लादेश मुक्ति संग्राम का 50वां वर्ष, भारत को बदलने वाले विचार– सुशासन के 20 वर्ष, जी20 और कॉप 26 जैसे कुछ नामों पर चर्चा संबंधी कार्यक्रम शामिल हैं।

विभिन्न क्षेत्रों में सरकार की पहल और उपलब्धियां, राष्ट्रीय पोषण मिशन, प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन, किसान कल्याण, केंद्रीय मंत्रियों के साथ साक्षात्कार, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस और स्वच्छ भारत अभियान को कवर किया गया। एक भारत श्रेष्ठ भारत को भी व्यापक रूप से कवर किया गया, प्रधानमंत्री से संबंधित घटनाक्रमों और मंत्रिमंडल के निर्णयों को विशेष गहन चर्चाओं के साथ कवर किया गया। केंद्रीय मंत्रियों, सचिवों और वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों के साथ साक्षात्कारों का प्रसारण किया गया। प्रधानमंत्री के राष्ट्र के नाम मासिक प्रसारण "मन की बात" पर विशेष चर्चाएं आयोजित की गईं।

आकाशवाणी समाचार कोविड–19 के मामले में जागरूकता बढ़ाने में अग्रणी रहा है।

भारत में कोरोना वायरस का पहला मामला सामने आने के बाद से वार्ता एवं समसमायिक एकक ने नागरिकों के बीच मार्च 2020 में एक विशेष सार्वजनिक आउटरीच कार्यक्रम–'कोरोना जागरूकता श्रृंखला' शुरू किया। 9 सितंबर, 2021 को इस आउटरीच कार्यक्रम ने अपनी 500वीं कड़ी पूरी की और यह कार्यक्रम कोविड–19 महामारी से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर जागरूकता पैदा करने में अपना प्रभाव बनाए हुए है। यह एक लाइव फोन–इन कार्यक्रम है जिसमें प्रसिद्ध अस्पतालों के शीर्ष चिकित्सा विशेषज्ञ, नागरिकों के कोविड–19 संबंधित प्रश्नों का उत्तर देते हैं। इस कार्यक्रम ने कोविड–19 संक्रमण पर जागरूकता पैदा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

iv. संदर्भ और पीपी एंड डीः

संदर्भ और नीति, योजना और विकास एकक (पीपी एंड डी) समाचार सेवा प्रभाग की विभिन्न इकाइयों को दैनिक आधार पर सरकार और राजनीतिक दलों की विभिन्न गतिविधियों/कार्यक्रमों के बारे में पूर्व सूचना प्रदान करती है। यह एकक मीडिया कार्य योजना (एमएपी) और की गई कार्रवाई संबंधी रिपोर्ट (एटीआर) तैयार करने, विभिन्न अन्य रिपोर्टों के संकलन से संबंधित है, जिसमें मंत्रिमंडल के लिए मासिक सारांश और समाचार सेवा प्रभाग, आकाशवाणी से प्रसारित कार्यक्रमों पर तिमाही प्रगति रिपोर्ट शामिल हैं, ताकि सरकार की उपलब्धियों, योजनाओं और संदेशों का प्रचार–प्रसार किया जा सके। यह एकक आकाशवाणी वार्षिक पुरस्कारों के लिए आवेदनों की जांच से संबंधित कार्य की भी देखरेख करता है।

iv. आईटी और वेबसाइट एककः

आकाशवाणी समाचारो की 24x7/365 आधार पर संचालित वेबसाइट, एबीसी– प्रामाणिकता (ऑथेंसिटी), संतुलन (बैलेंस) और विश्वसनीयता (क्रेडिब्लिटी) वाली अपनी पहचान के साथ विभिन्न क्षेत्रों से चौबीसों घंटे अद्यतन समाचार देती रही। वर्ष 2021 में श्रोताओं की जन–आकांक्षाओं को ध्यान में रखते हुए एक बहुभाषी और नए कलेवर वाली वेबसाइट की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। न्यूजआनएयर वेबसाइट अब अंग्रेजी, हिंदी, उर्दू, असमिया, डोगरी, गुजराती, मराठी और तमिल में उपलब्ध है। वेबसाइट के राजस्थानी संस्करण का शुभारंभ 4 जनवरी 2022 को किया गया। इसे सभी क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है।

भाषा	यूआरएल
अंग्रेजी	newsonair.com
हिंदी	newsonair.gov.in/Hindi
उर्दू	newsonair.gov.in/Urdu
मराठी	newsonair.gov.in/Mararthi
गुजराती	newsonair.gov.in/Gujarati
तमिल	newsonair.gov.in/Tamil
असमिया	newsonair.gov.in/Assamese
डोगरी	newsonair.gov.in/Dogri
राजस्थानी	newsonair.gov.in/Rajasthani

सोशल मीडिया संबंधी आंकड़े: एनएसडी

प्लेटफार्म	यूआरएल	टिप्पणियां
फेसबुक	All India Radio News	3.4 मिलियन से अधिक लाइक
ट्विटर (अंग्रेजी)	@airnewsalerts	3 मिलियन से अधिक फालोवर्स
ट्विटर (हिंदी)	@AirNewsHindi	222के फालोवर्स
यूट्यूब	NEWS ON AIR OFFICIAL	481के सब्सक्राइबर्स
इंस्टाग्राम	airnewsalerts	474के फालोवर्स
कू	airnewsalert	193.4 के फालोवर्स

सोशल मीडिया संबंधी आंकड़े: आरएनयू

प्लेटफार्म	आरएनयू की संख्या
फेसबुक	32
ट्विटर	46
यूट्यूब	39

vi. प्रशासन और बजट:

रोजमर्रा के प्रशासन और लेखा संबंधी कार्य में पारदर्शिता के लिए संवेदनशील पदों पर विभिन्न कर्मचारियों की तैनाती में केन्द्रीय सतर्कता आयोग के दिशा–निर्देशों का कड़ाई से पालन किया जाता है। फाइल ट्रैकिंग प्रणाली प्रचालन में है। 52 आरटीआई आवेदन और 3 प्रथम अपील प्राप्त हुए और निर्धारित समय सीमा के भीतर इनके उत्तर दिए गए।

समाचार सेवा प्रभाग मुख्यालय में शिकायत निवारण तंत्र की स्थापना प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग के दिशा–निर्देशों के अनुसार की गई है। इस अवधि के दौरान, 49 शिकायतें प्राप्त हुई हैं और उनका समय पर उत्तर दिया गया/निपटान किया गया। शिकायतों के निपटान की नियमित स्थिति रिपोर्ट सूचना और प्रसारण मंत्रालय और प्रसार भारती सचिवालय को प्रस्तुत की जा रही है।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी, प्रसार भारती श्री शशि शेखर वेम्पटि और आकाशवाणी के महानिदेशक श्री एन. वेणुधर रेड्डी ने 02 दिसंबर, 2021 को आकाशवाणी भवन, नई दिल्ली से 26 इलेक्ट्रिक वाहनों के बेड़े को झंडी दिखाकर रवाना करते हुए।

महानिदेशालय (लेखापरीक्षा) केंद्रीय व्यय द्वारा वर्ष 2011–12 से 2014–15 के लिए समाचार सेवा प्रभाग के लेखों की लेखापरीक्षा की गई।

सभी लेखापरीक्षा आपत्तियों के उत्तर प्रस्तुत किए गए हैं। एक लेखापरीक्षा आपत्ति को छोड़कर, सभी पैराओं का निपटान महानिदेशक (लेखापरीक्षा), केंद्रीय व्यय, भारत सरकार द्वारा किया गया है। शेष पैरा का निपटान अगली लेखापरीक्षा में कर दिया जाएगा

केंद्र की हरित पहल और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी पर उसकी सोच के अनुरूप, आकाशवाणी ने अपनी सभी परिवहन संबंधी जरूरतों के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों से अपने पूरे बेड़े को बदल दिया है। प्रसार भारती के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री शशि शेखर वेम्पटि और आकाशवाणी के महानिदेशक श्री एन वेणुधर रेड्डी ने 2 दिसंबर, 2021 को नई दिल्ली के आकाशवाणी भवन में 26 इलेक्ट्रिक वाहनों के बेड़े को हरी झंडी दिखाई।

इसे भारत के पर्यावरणीय लक्ष्यों को साकार करने की दिशा में एक छोटा लेकिन महत्वपूर्ण योगदान के रूप में देखा जा सकता है। यह दिल्ली में तैनात किए जाने वाले इलेक्ट्रिक वाहनों का दूसरा सबसे बड़ा बेड़ा है।

vii. समाचार सेवा प्रभाग में कार्मिकों की संख्या :

समाचार सेवा प्रभाग मुख्यालय में: समाचार सेवा प्रभाग में स्वीकृत पदों की संख्या 459 है। इसमें से समाचार सेवा प्रभाग के विभिन्न संवर्गों में 284 पद रिक्त हैं। समाचार सेवा प्रभाग, आकाशवाणी की विभिन्न गतिविधियों को प्रसार भारती सचिवालय द्वारा जारी दिशा–निर्देशों के अनुपालन में अनुबंधित स्टाफ या कैजुअल कर्मचारियों द्वारा अनुरक्षण किया जा रहा है।

क्षेत्रीय समाचार इकाईयों में: क्षेत्रीय समाचार इकाइयों के विभिन्न ग्रेडों में भारतीय सूचना सेवा (आईआईएस) के अधिकारियों की कुल स्वीकृत संख्या 97 है, जिसमें 18 पद रिक्त हैं।

viii. पुस्तकालय:

समाचार सेवा प्रभाग एक पुस्तकालय का भी अनुरक्षण करता है जिसमें 15,940 पुस्तकें हैं। पुस्तकालय लगभग 24 समाचार पत्र और 62 पत्रिकाएं मंगवाता है। पुस्तकालय समाचार संचालन के लिए समाचार सेवा प्रभाग के कर्मचारियों मुख्य रूप से समाचार संपादकों एवं संवाददाताओं का प्रबंधन करता है और पुस्तकों के संग्रह के रखरखाव के लिए एन आई सी द्वारा विकसित "ई–ग्रंथालय" साफ्टवेयर का उपयोग करता है।

ix. विस्तार और नवाचारः

समाचार सेवा प्रभागः आकाशवाणी प्रमुख अभियानों जैसे कोविड–19 जनांदोलन और टीकाकरण कार्यक्रम, स्वतंत्रता दिवस, एक भारत श्रेष्ठ भारत, राष्ट्रीय एकता दिवस, आई एफ एफ आई 2021, स्वतच्छ भारत मिशन, विधानसभा और उप चुनाव आदि के लिए विषयगत संचार योजना चलाती है

बुलेटिनों और समाचार पत्रिका कार्यक्रमों के माध्यम से कवरेज के अलावा वार्ता और समसमायिकी कार्यक्रम के साथ साथ समाचार सेवा प्रभागः आकाशवाणी ने रेडियो प्लस रणनीति अपनायी है। इस प्रकार, कई सामाजिक मीडिया प्लेलटफार्म पर अभियान चलाए जाते हैं। सभी प्रसारण सामग्री ऑनलाइन पोस्ट की जाती है। वेब–ओनली एक्सक्लूसिव कंटेंट भी अपलोड किया जाता है दृश्यता बढोतरी के लिए ग्राफिक्स, वीडियो, ऑडियो और इंटरएक्टिव विषय जैसे प्रश्नोतरी, समर्पण और अभियान–विशिष्ट हेश टैग के साथ साझा करता है।

x. महत्वपूर्ण कवरेज (1 अप्रैल 2021 को 31 मार्च, 2022):

(क) विधानसभा और स्थानीय निकाय चुनाव

समाचार सेवा प्रभागः आकाशवाणी ने देशभर में स्थित क्षेत्रीय समाचार इकाईयों और दिल्ली स्थित मुख्यालय से आम चुनाव से लेकर पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल और पुदुच्चेरी सहित पांच राज्यों और एक केन्द्र शासित प्रदेश के साथ–साथ विभिन्न राज्यों के स्थानीय निकायों के उपचुनाव को व्यापक कवरेज प्रदान की। समाचार सेवा प्रभाग, नई दिल्ली से अंग्रेजी और हिंदी प्रत्येक में प्रसारित तीन प्रमुख समाचार बुलेटिनों के माध्यम से चुनाव प्रचार, मतदान और वोटों की गिनती के साथ–साथ परिणामों की घोषणा सहित चुनाव प्रक्रिया को कवर करने वाले वाइस कास्ट और साउंड बाइट्स के साथ समाचार प्रसारित किए गए। कवरेज के अलावा चर्चा और समाचार पत्रिका कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसके अलावा, अन्य भारतीय भाषाओं और क्षेत्रीय समाचार बुलेटिनों में भी चुनाव समाचार प्रसारित किए गए और विशेष चर्चा कार्यक्रम शुरू किए।

ख) आजादी का अमृत महोत्सव

15 अगस्त, 2022 को राष्ट्र की स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में, सरकार ने आजादी का अमृत महोत्सव (एकेएएम) का शुभारंभ किया। समाचार सेवा प्रभागः आकाशवाणी ने आजादी का अमृत महोत्सव मनाने के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किए। समाचार बुलेटिनों में सप्ताह में दो बार India@75 प्रश्नोत्तरी आयोजित की जा रही है। अगले दिन समाचारों में विजेताओं के नामों की घोषणा की जाती है और विजेता को एक प्रमाण पत्र और स्मृति चिन्ह दिया जाता है। क्षेत्रीय समाचार इकाइयां अपने–अपने क्षेत्रीय बुलेटिनों और विभिन्न कार्यक्रमों में स्वतंत्रता के 75 वर्षों के विषय पर साप्ताहिक ए के ए एम प्रश्नोत्तरी चला रही हैं। एयर न्यूज के साथ आजादी का सफर आकाशवाणी के साथ/एक विशेष दैनिक कार्यक्रम सभी प्राइम टाइम बुलेटिनों में प्रसारित किया जा रहा है। इसके अलावा, समाचार सेवा प्रभाग आजादी का अमृत महोत्सव समारोह के हिस्से के रूप में आजादी का सफर, धरोहर, अपराजिता, निशान, आजादी के तराने और गुमनाम नायक जैसे कार्यक्रम भी प्रसारित करता है।

ग) टोक्यो ओलंपिक 2021 में भारत की भागीदारी

आकाशवाणी समाचार ने "टोक्यो ओलंपिक 2021" में भारत के प्रमुख दावेदारी के प्रोफाइल पर विशेष रिपोर्ट प्रसारित की। खेल हस्तियों के साथ "सुर्खियों में" कार्यक्रम में विशेष चर्चा हुई। जुलाई, 2021 में आकाशवाणी न्यूज डेली इन स्पोर्ट्सकैन कार्यक्रम के साथ एक ओलंपिक प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया था। टोक्यो ओलंपिक और भारत की पदक संभावनाओं पर फोकस के साथ डेली स्पोर्ट्सकैन का प्रसारण किया गया था। भारतीय दल के शानदार प्रदर्शन के बाद, पदक विजेताओं के साथ कार्यक्रम और टॉक शो आयोजित किए गए। आरएनयू ने भी अपने संबंधित क्षेत्रों में ऐसे कार्यक्रम किए। समाचार सेवा प्रभागः आकाशवाणी की सोशल मीडिया यूनिट ने वीडियो और हैश टैग का उपयोग करते हुए व्यापक प्रचार किया।

घ) कोविड–19 महामारी की प्रतिक्रिया

आकाशवाणी के समाचार सेवा प्रभाग और इसकी 46 क्षेत्रीय समाचार इकाइयों ने कोविड–19 पर जागरूकता पैदा करने और सरकार द्वारा किए जा रहे विभिन्न उपायों पर व्यापक कवरेज प्रदान की। सरकारी अधिकारियों द्वारा नवीनतम अपडेट और दैनिक ब्रीफिंग को समाचारों में प्रमुखता से कवर किया गया।

मुख्यालय में बुलेटिन, विशेष कार्यक्रम और सोशल मीडिया। विशेषज्ञों की सलाह, लोगों के सवालों के जवाब में विशेषज्ञों का लाइव फोन, मिथक बस्टर, फेक न्यूज अलर्ट, सकारात्मक खबरें, ग्राउंड रिपोर्ट, नागरिक घर पर समय का सदुपयोग कैसे कर रहे हैं, इस पर आम राय, सामाजिक दूरी बनाए रखने के लिए मशहूर हस्तियों की अपील, हाथों की सफाई और फेस मास्क का प्रयोग तथा उपयोगी/महत्वपूर्ण संदेशों आदि का मुख्यालय से मुख्य समाचार बुलेटिनों, विशेष कार्यक्रमों और सोशल मीडिया में नियमित अंतराल पर प्रसारण किया गया। इसी तरह, आकाशवाणी की 46 क्षेत्रीय इकाइयों ने भी स्थानीय स्थिति को प्रमुखता देते हुए अपने बुलेटिनों और चर्चा कार्यक्रमों में यही संदेश प्रसारित किए।

कोविड–19 के दौरान गतिविधियों की सूची में शामिल हैं–

- नए कोविड–19 जागरूकता बुलेटिन और कार्यक्रमः विशेष कोविड–19 पर अंग्रेजी और हिंदी प्रत्येक में 30–30 मिनट के सुबह, दोपहर और शाम (सुबह 8–9 बजे, दोपहर 2–3 बजे, रात 8–9 बजे) समाचार सेवा प्रभागः आकाशवाणी द्वारा मुख्यालय से आकाशवाणी समाचार संवाददाता द्वारा और स्टूडियो में विशेषज्ञों के साथ–साथ फील्ड से आर एन यू द्वारा बुलेटिन प्रसारित किए गए।
- प्रति घंटे के बुलेटिन की अवधि 5 मिनट से बढ़ाकर 10 मिनट कर दी गई है।
- कोरोना जागरूकता श्रृंखलाः कोविड–19 के बारे में जागरूक करने और मिथकों को दूर करने के लिए चिकित्सा विशेषज्ञों और आम जनता के बीच 50–50 मिनट की अवधि के 30 से अधिक लाइव फोन इन कार्यक्रम आयोजित किए गए।
- इन्फोबाइट्स– कोरोना– क्या कहते हैं विशेषज्ञः सभी सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर विशेषज्ञों की साउंड बाइट्स के साथ दैनिक इन्फो–ग्राफिक्स।
- विशेष चर्चा कार्यक्रमः जागरूकता बढ़ाने के लिए 50 घंटे की अवधि के 60 से अधिक टॉक शो आयोजित किए गए।
- विशेषज्ञ बोलते हैंः अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान–एम्स, दिल्ली के प्रमुख चिकित्सा विशेषज्ञों द्वारा प्रतिदिन बुलेटिन में क्या करें और क्या न करें, लॉकडाउन के दौरान घर पर रहने की आवश्यकता के बारे में ऑडियो संदेश।
- मिथबस्टर्सः पोषण और स्वास्थ्य के संबंध में कोविड–19 के बारे में मिथकों को दूर करने वाले अनुभवी चिकित्सकों द्वारा ऑडियो संदेश।
- फेक न्यूज अलर्टः गलत सूचना और झूठी अफवाहों को दूर करने वाले नए सामचार।
- कोविड–19 मामले की अद्यतन जानकारी और वैज्ञानिक विकास।
- ग्राउंड रिपोर्टः स्थिति अपडेड, आवश्यक सेवाओं की उपलब्धता, घबराने की आवश्यकता नहीं, राशन और खाने का वितरण, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में जरूरतमंदों और गरीबों को खाना खिलाने के लिए सामुदायिक किचन, प्रवासी कामगारों के लिए राहत शिविर, खाद्य पदार्थों और सामान के लिए ट्रांसपोर्ट, दवाओं की पर्याप्त आपूर्ति, पीपीई की व्यवस्था, क्वायरंटीन स्थान, संपर्क ट्रेसिंग आदि।
- सकारात्मक समाचारः ठीक हो चुके मरीजों के साथ विशेष साक्षात्कार, खुश, स्वस्थ, सकारात्मक और व्यस्त रखने वाले आम राय, परिवार और दोस्त का स्पॉट ग्रुप, सेल्फ –आइसोलेशन और क्वारंटीन।
- ऑडियो प्रोमोः हाथों को साफ रखना, सामाजिक दूरी, घर पर रहें– सुरक्षित रहें पर ऑडियो स्पॉट, जागरूकता बढ़ाने पर ग्राम प्रधानों और सरपंचों के लिए ऑडियो स्पॉट के माध्यम से प्रत्यक्ष संदेश, क्या करें और क्या न करें और प्रवासी कामगारों और क्वारंटीन पर रहने वालों के संबंध में सावधानियां।

- समाचार सेवा प्रभाग और उसके 46 आरएनयू के अधिकांश फ्रंटलाइन समाचार कर्मियों को लॉकडाउन के कारण उनके घरों तक सीमित कर दिया गया, मौजूदा स्थिति ने उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दिया। बढ़े काम के घंटे, घर से काम करने और आने–जाने पर पाबंदियों ने भी उन्हें कमजोर नहीं किया। उनके सामने आने वाली कठिनाइयों के बावजूद समाचार बुलेटिनों और चर्चा आधारित कार्यक्रमों के माध्यम से नागरिकों की सेवा के लिए वे हमेशा तैयार रहते थे।

(ड) क्षेत्रीय समाचार एकक द्वारा विशेष कोविड–19 कार्यक्रम

कोविड–19 जनांदोलन

1.	आरएनयू भोपाल	घर पर रहिये, आकाशवाणी सुनिये
2.	आरएनयू रायपुर	कोरोना से जंग, जनता के संग
3.	आरएनयू जयपुर	कोविड पर राजस्थानी विशेष समाचार
4.	आरएनयू मुंबई	कोरोना वृत्ती विशेष
5.	आरएनयू कोलकाता	कोरोना क्लिनिक, जेले जेले लॉकडाउन
6.	आरएनयू गुवाहाटी	प्रतिरोधः लाइव फोन इन फैक्ट चेक प्रोग्राम
7.	आरएनयू ईटानगर	कोविड–19 पर दैनिक जानकारी
8.	आरएनयू चेन्नई	कोविड–19 फैक्ट चेक विद डॉक्टर्स एण्ड एक्सपर्टस
9.	आरएनयू विजयवाड़ा	कोरोना व्याख्यावली

ऑडियो स्पॉटः प्रत्येक बुलेटिन की शुरूआत कोविड–19 से सुरक्षित रहने के तीन उपयोग के एक साधारण संदेश के साथ होती है।

- कोविड–19 से सुरक्षित रहने के लिए तीन सरल उपायों पर हिंदी और अंग्रेजी ऑडियो स्पॉट एनएसडी, आकाशवाणी द्वारा विकसित किए और क्षेत्रीय भाषाओं में अनुवाद किया गया। रेलवे स्टेशनों पर प्रसारण के लिए रेल मंत्रालय के साथ साझा किए गए।
- प्रमुख बुलेटिनों में ब्रेक के रूप में 'मास्क नहीं तो टोकेंगे' ऑडियो स्पॉट उपयोग किए गए।
- कोविड–19 जन आन्दोलन पर स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के सृजनात्मक का व्यापक रूप से उपयोग किया गया।
- समाचार सेवा प्रभाग, आकाशवाणी और इसके 46 आरएनयू में कोविड–19 जन आंदोलन का बैनर लगाया गया।
- समाचार सेवा प्रभाग, आकाशवाणी और इसके 46 आरएनयू द्वारा कोविड–19 जन आंदोलन की शपथ ली गई।
- कोविड–19 से सुरक्षित रहने के लिए 3 उपायों पर प्रधानमंत्री के साउंड बाइट का व्यापक रूप से उपयोग किया गया।
- प्रत्येक बुलेटिन में संबंधित भाषाओं में सामाजिक रूप से प्रभावशाली व्यक्तियों के साउंड बाइट का उपयोग किया गया।
- समाचार सेवा प्रभाग, आकाशवाणी और इसके 46 आरएनयू द्वारा कोविड–19 जनांदोलन के महत्व पर विशेष चर्चा आयोजित की गई।
- सोशल मीडिया–ट्विटर पर प्रचार–प्रसार और पोस्ट किया गया।

च) कोविड–19 टीकाकरण प्रचार

समाचार सेवा प्रभागः आकाशवाणी और इसके 46 आरएनयू अपने बुलेटिन, समाचार पत्रिका कार्यक्रम, टॉक शो और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से भारत सरकार के मुफ्त टीकाकरण कार्यक्रम के बारे में जागरूकता पैदा कर रहे हैं। समाचारों में भारत के प्रमुख चिकित्सा संस्थानों/अस्पतालों के डॉक्टरों और चिकित्सकों के साथ विचार–विमर्श और टॉक शो के माध्यम से टीकाकरण अभियान की प्रगति पर दैनिक मुख्य समाचार, जन सेवा संदेश द्वारा (प्रत्येक बुलेटिन की शुरुआत में प्रसारित) श्रोताओं को टीका लगाने का आग्रह करना और जनता को टीका लगाने के लिए प्रोत्साहित करना और मेड–इन–इंडिया टीके के लाभों पर प्रकाश डालना और टीके के बारे में हिचकिचाहट को दूर करना और टीकों की प्रभावोत्पादकता और सुरक्षा पर मिथकों को तोड़ना शामिल है।

छ) 100 करोड़ वैक्सीन डोज माइलस्टोन

जैसे ही भारत ने कोविड वैक्सीन की 100 करोड़ खुराक देने का ऐतिहासिक माइलस्टोन हासिल किया, समाचार सेवा प्रभागः आकाशवाणी, इसके 46 आर एन यू और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के शीर्ष नेतृत्व द्वारा दिए गए बयानों को और राज्यपालों/मुख्यमंत्रियों के विचारों, टीका लगाने वाले, फ्रंट लाइन वर्कर्स और आम जनता के विचारों को अपने बुलेटिनों, समाचार पत्रिका कार्यक्रमों टॉक शो और सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर व्यापक कवरेज दी। समाचार सेवा प्रभागः आकाशवाणी और इसके 46 आरएनयू ने सभी प्राइम टाइम बुलेटिनों और सोशल मीडिया प्लेटफार्मो में प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्रियों, राज्यपालों, राज्य मंत्रियों, एम्स के निदेशक, एम्स के क्षेत्रीय निदेशकों, वैज्ञानिकों, विशेषज्ञों, लाभार्थियों और फ्रंटलाइन वर्कर्स के साउंड–बाइट भी प्रसारित किए।

ज) संसद सत्र का कवरेज

संसद के शीतकालीन और बजट सत्रों को व्यापक कवरेज दिया गया। संसद की संयुक्त बैठक और केंद्रीय बजट 2022–2023 में राष्ट्रपति के अभिभाषण को भी प्रमुखता से कवरेज प्रदान की गई।

(झ) सुशासन के 20 वर्ष – ऐसे विचार जिन्होंने भारत को बदल दिया

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के गतिशील नेतृत्व में नए भारत का विजन परिवर्तित हो रहा है और राष्ट्र सभी क्षेत्रों में आश्चर्यजनक प्रगति कर रहा है। उपलब्धियों को दर्शाने के लिए, समाचार सेवा प्रभागः आकाशवाणी ने 21 दिनों का एक विशेष अभियान चलाया, जिसके तहत 17 सितंबर, 2021 से विभिन्न विषयों पर विषय आधारित कहानियां/विशेष कार्यक्रम प्रसारित किए गए। प्राइमटाइम बुलेटिनों में और समाचार–आधारित कार्यक्रमों– आज सवेरे और परिक्रमा में विशिष्ट विषय पर समाचार कहानियां और/या वॉयस कास्ट प्रसारित किए गए। 4 विषय हमेशा थे – जनभागीदारी/ सबका साथ सबका विकास, सबका विकास, सबका प्रयास/प्रौद्योगिकी का उपयोग/लचीलापन–जो सुशासन के 20 वर्षों के विवरण में परिलक्षित थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जीवन और समय पर "कर्मयोगी नरेंद्र मोदी" नामक एक विशेष कार्यक्रम 17 सितंबर, 2021 को समाचार सेवा प्रभागः आकाशवाणी और आकाशवाणी केंद्र की क्षेत्रीय भाषाओं/ बोलियों में प्रसारित किया गया।

(ञ) परीक्षा पर चर्चा 2022

समाचार सेवा प्रभागः आकाशवाणी और इसके 46 आरएनयू ने प्रधानमंत्री की परीक्षा पर चर्चा 2022 को व्यापक कवरेज दी। प्रधानमंत्री, छात्रों और शिक्षकों के बीच वार्षिक बातचीत पर प्रोमो स्पॉट प्राइम टाइम बुलेटिनों और समाचार पत्रिका कार्यक्रम में प्रसारित किए गए थे। विशेष श्रृंखला "परीक्षा पर चर्चा– 2022" जिसमें छात्रों के साउंड बाइट को बुलेटिन में प्रसारित किया गया और परीक्षा पर चर्चा–2021 के अपने अनुभवों को साझा करने वाले छात्रों के वीडियो प्रशंसापत्र सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रदर्शित किए गए।

ट) आईएफएफआई–2021

आकाशवाणी समाचार ने आईएफएफआई – 2021 को व्यापक कवरेज दी। पणजी से आकाशवाणी के विशेष संवाददाता की ग्राउंड रिपोर्ट और समाचार सेवा प्रभाग मुख्यालय में आईएफएफआई डेस्क की रिपोर्ट को बुलेटिन और समाचार पत्रिका कार्यक्रमों में प्रसारित किया गया और साथ ही समर्पित हैशटैग– #iffi52 के साथ सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के माध्यम से प्रसारित किया गया। समाचार सेवा प्रभाग : आकाशवाणी और इसके 46 आरएनयू में विशेष टॉक शो भी आयोजित किए गए।

ठ) भारतीय खिलौना मेला 2021

समाचार सेवा प्रभागः आकाशवाणी ने क्षेत्रीय भाषाओं में भी समाचार बुलेटिनों/समाचार पत्रिकाओं कार्यक्रमों/सोशल मीडिया प्लेटफार्मों में भारतीय खिलौना मेला– 2021 से संबंधित कार्यक्रमों का स्पॉट न्यूज कवरेज किया। बुलेटिनों में मेले के प्रतिभागियों और प्रख्यात खिलौना निर्माताओं के बाइट और साक्षात्कार शामिल किए गए थे। समाचार सेवा प्रभाग, आकाशवाणी और आरएनयू के सोशल मीडिया विंग ने ट्विटर और फेसबुक पर व्यापक प्रचार–प्रसार किया। नई लॉन्च की गई वेबसाइट का लिंक सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रकाशित किया गया। संबंधित विषय पर विशेषज्ञ चर्चा और साक्षात्कार सहित मुख्यालय और क्षेत्रीय स्तर पर भी विशेष कार्यक्रम और टॉक शो आयोजित किए गए।

ड) आत्मनिर्भर भारत अभियान

आत्मनिर्भर भारत अभियान की मुख्य विशेषताओं को प्रचारित करने पर विशेष ध्यान देने के साथ, प्रधानमंत्री के राष्ट्र के नाम संबोधन को प्रमुखता से कवर किया गया। इस अभियान का उद्देश्य विशेष रूप से कोविड–19 महामारी के दौरान एक आत्मनिर्भर भारत का एहसास कराने के लिए स्वदेशी वस्तुओं और सेवाओं के उपभोग और उपयोग को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम की मुख्य विशेषताओं का बुलेटिनों, टॉक शो, चर्चाओं और सोशल मीडिया प्लेटफार्मों में व्यापक प्रचार किया गया।

ढ) महात्मा गांधी की 152वीं जयंती

समाचार सेवा प्रभाग और इसके 46 आरएनयू में महात्मा गांधी की 152वीं जयंती के अवसर पर क्षेत्रीय भाषाओं में प्रभावी प्रचार किया जा रहा है। महात्मा गांधी और उनके योगदान से संबंधित ऐतिहासिक महत्व के स्थानों को समाचार सेवा प्रभाग, आकाशवाणी और आरएनयू द्वारा बुलेटिनों और या समाचार आधारित कार्यक्रमों में प्रतिदिन इस अवधि के दौरान उनके बुलेटिनों और या कार्यक्रमों में कवर किया गया और हाइलाइट किया गया।

अंग्रेजी और हिंदी समाचार कक्ष और आरएनयूएस के मुख्य समाचार बुलेटिन "बापू की बात" शीर्षक के तहत महात्मा गांधी के एक उद्धरण के साथ शुरू हुए। समाचार सेवा प्रभाग और आरएनयू के मुख्य समाचार बुलेटिन बापू के पसंदीदा भजन "वैष्णव जन तो..." के साथ बंद हुए, सभी संबंधित घटनाओं, विशेष रूप से वर्षगांठ की पूर्व संध्या और दिन के स्पॉट न्यूज़ कवरेज को सफलतापूर्वक किया गया।

ण) 7वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की कवरेज

समाचार सेवा प्रभागः आकाशवाणी और इसके 46 आरएनयू ने अपने समाचार बुलेटिनों, समाचार पत्रिका शो और 92 भाषाओं/बोलियों में चर्चा–आधारित कार्यक्रमों के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, आईडीवाई–2021 से संबंधित घटनाओं और गतिविधियों की एक विशेष विषय–आधारित कवरेज की।

21 जून, 2021 को आयोजित मुख्य कार्यक्रम से संबंधित गतिविधियों के बारे में जागरूकता पैदा करने वाली कोविड–19 महामारी के कारण आई डी वाई– 2021 विषय– "योग फॉर वेलनेस" को प्रचारित करने वाले समाचारों का प्रसारण किया गया। आई डी वाई– 2021 को राष्ट्र के नाम प्रधानमंत्री के संबोधन को आकाशवाणी के पूरे नेटवर्क पर रिले किया गया। मुख्य कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया। बुलेटिनों में भारत के राष्ट्रपति, भारत के उपराष्ट्रपति, संघ/राज्य/केंद्र शासित प्रदेश के मंत्रियों, प्रमुख राजनेताओं और प्रसिद्ध हस्तियों के संदेश शामिल किए गए। आरएनयू के संवाददाताओं

ने आयोजित प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस–2021 आयोजनों पर पूरे दिन ग्राउंड रिपोर्ट फाइल की। समाचार सेवा प्रभाग मुख्यालय की वार्ता और समसमायिकी यूनिट ने विशेष रूप से कोविड–19 के संकट के दौरान योग के स्वास्थ्य लाभों पर टॉक शो और चर्चाओं के आयोजन में आरएनयू का नेतृत्व किया। चर्चाओं में योग को भारत की सांस्कृतिक विरासत के तौर पर विश्व के लिए विशेष रूप से महामारी के इस समय में उपहार के रूप में भी रेखांकित किया गया।

त) पोषण अभियान

आंगनवाड़ी और आशा कार्यकर्ताओं के साथ स्थानीय भाषाओं में साक्षात्कार और फोन–इन कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम ऊंचाई, वजन, आहार और टीकाकरण/क्या खाएं, मां और बच्चे के स्वास्थ्य और तंदरूस्त बालक पर केंद्रित थे। पोषण के प्रति जागरुकता फैलाने वाले कार्यक्रम प्रसारित किए गए। पोषण वाटिका और पोषक उद्यानों पर विशेष कार्यक्रम प्रसारित किए गए, जिसमें पोषक वृक्षों और औषधीय पौधों की भूमिका पर प्रकाश डाला गया। विशिष्ट समूहों जैसे स्कूली बच्चे, किशोरियां आदि के पोषण के लिए योग कार्यक्रम बनाए। समाचार सेवा प्रभागः आकाशवाणी ने गुजरात में सुकडी, पंजाब में पंजीरी, बिहार में सत्तू और चिक्की का 250 से अधिक जरूरत वाले जिलों में वितरण किया गया। समाचार सेवा प्रभाग ने अत्याधिक कुपोषित बच्चों के लिए ब्लॉक वाईज कम्युनिटी किचन का भी आयोजन किया।

थ) मन की बात

हर महीने राष्ट्र के नाम प्रधानमंत्री के मन की बात संबोधन को क्षेत्रीय भाषाओं के बुलेटिन सहित सभी प्रमुख समाचार बुलेटिनों में कवर किया गया। समाचार सेवा प्रभाग की वेबसाइट पर लाइव वेबकास्टिंग भी की गई। 'मन की बात' में प्रधानमंत्री के राष्ट्र के नाम संबोधन पर विशेष कार्यक्रम भी वार्ता और समसामयिकी स्लॉट में प्रसारित किया गया। समाचार सेवा प्रभागः आकाशवाणी के आरएनयू ने 'मन की बात' 77 भाषाओं और बोलियों में 488 बुलेटिनों और 265 एफएम हेडलाइन्स में कवर किया। साथ ही, आरएनयू ने उनके संबंधित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उनकी क्षेत्रीय भाषाओं में ट्वीट करके व्यापक प्रचार किया। पारंपरिक प्रसारण के अलावा राष्ट्र के नाम प्रधानमंत्री के मासिक संबोधन के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लाइव वेबकास्टिंग, ट्वीट और अपडेट भी किए गए। माननीय प्रधानमंत्री द्वारा अपने भाषण में उद्धृत उदाहरणों पर आधारित विशेष ग्राफिक्स और सफलता की कहानियां उसी दिन प्रसारित की जाती हैं।

प्रधानमंत्री के मासिक रेडियो प्रसारण के आगामी एपिसोड के लिए आरएनयू से जमीनी स्तर की सकारात्मक और प्रेरक कहानियां प्राप्त की गईं।

द) बांग्लादेश मुक्ति युद्ध

आकाशवाणी समाचार ने ढाका में स्थित आकाशवाणी के विशेष संवाददाता द्वारा बांग्लादेश मुक्ति संग्राम के स्वर्ण जयंती समारोह के लिए व्यापक कवरेज की गई और राष्ट्रपति की बांग्लादेश की तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा में साथ गए समाचार सेवा प्रभाग मुख्यालय के आकाशवाणी न्यूज संवाददाताओं ने बुलेटिनों और समाचार पत्रिका कार्यक्रमों में प्रसारित किया। साथ ही समर्पित हैशटैग – #VijayDiwas #MaitriDiwas #BijayDibos के साथ–साथ सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के माध्यम से प्रसारित किया गया। समाचार सेवा प्रभागः आकाशवाणी और इसके 46 आरएनयू में विशेष टॉक शो भी आयोजित किए गए।

प्रख्यात इतिहासकार और भारत और बांग्लादेश के ऐतिहासिक सभ्यतागत और सांस्कृतिक संबंधों पर ढाका विश्वविद्यालय के 'बंगबंधु चेयर' के पूर्व प्रमुख डॉ. मुंतस्सिर मामून के साथ एक विशेष साक्षात्कार भी समाचार सेवा प्रभाग द्वारा मार्च 2021 में प्रसारित किया गया था।

ध) चक्रवात और बाढ़ का कवरेज

वर्ष 2021 के दौरान कुछ राज्यों में आए तीव्र चक्रवाती तूफानों पर केंद्र सरकार की एजेंसियों, भारतीय नौसेना, सेना, वायु सेना, तटरक्षक बल, एनडीआरएफ और राज्य सरकारों आदि द्वारा बचाव और राहत कार्यों के बारे में प्रमुखता से कवर किया गया।

प्रधान महानिदेशक (समाचार), आकाशवाणी, एन वी रेड्डी, प्रख्यात इतिहासकार डॉ. मुंतस्सिर मामून का एनएसडीः मुख्यालय दिल्ली में स्वागत करते हुए

बाढ़ की स्थिति की अद्यतन जानकारी पर व्यापक कवरेज, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग द्वारा साझा की गई मौसम की जानकारी/भविष्यवाणी की अद्यतन रिपोर्ट, बाढ़ के दौरान विभिन्न एजेंसियों द्वारा बचाव और राहत कार्यों को भी समाचार सेवा प्रभाग और आरएनयू द्वारा पर्याप्त रूप से कवर किया गया।

(न) बाढ़ और आसमानी बिजली

बाढ़, आसमानी बिजली व मौसमी वेक्टर जनित बीमारियों की स्थिति के संबंध में अधिकार प्राप्त समूह–8 की उच्च स्तरीय बैठक के दिशा–निर्देशों को ध्यान में रखते हुए मौसम विज्ञान विभाग द्वारा जारी की जाने वाली आपदा चेतावनियों का लगातार प्रसारण और ऐसी घटनाओं के दौरान बरती जाने वाली महत्वपूर्ण सावधानियां विशेष रूप से बाढ और आसमानी बिजली प्रभावितों के लिए समाचार सेवा प्रभागः आकाशवाणी और आरएनयू द्वारा निम्नलिखित कार्रवाई की गईः–

- प्राकृतिक आपदाओं और उनके प्रभाव से संबंधित समाचारों का प्रसारण किया गया।
- आरएनयू द्वारा विशेष रूप से असम, बिहार और उत्तर प्रदेश में बाढ़ और आसमानी बिजली गिरने के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों पर ऑडियो स्पॉट प्रसारित किए गए।
- बाढ़ की स्थिति की रिपोर्ट और चेतावनियों को स्थानीय मौसम कार्यालयों से मिली जानकारी पर विशेष बल दिया गया।
- समाचार सेवा प्रभाग ने सावधानियां बरतने संबंधी एनडीएमए और मौसम कार्यालय के विशेषज्ञों के साउंड–बाइट प्रसारित किए।
- आरएनयू ने अपने बुलेटिनों में इन समाचारों का उपयोग किया।
- आरएनयू द्वारा स्थानीय मौसम कार्यालय और एसडीएमए के साथ विशेष साक्षात्कार आयोजित किए और इन आपदाओं से बुरी तरह प्रभावितों के लिए उनका उपयोग किया।
- इन जानकारी को हमारी वेबसाइट और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रसारित किया गया।

प) स्वतंत्रता दिवस 2021

समाचार सेवा प्रभाग और उसके आरएनयू द्वारा देश और विदेश में स्वतंत्रता दिवस समारोह से संबंधित समाचार कार्यक्रमों का प्रसारण किया गया। माननीय प्रधानमंत्री द्वारा घोषणा में आत्मनिर्भर भारत अभियान पर विशेष जोर दिया गया, जिसका उद्देश्य विशेष रूप से कोविड–19 महामारी के दौरान एक आत्मनिर्भर भारत के एहसास के लिए स्वदेशी वस्तुओं और सेवाओं के उपभोग और उपयोग को प्रोत्साहित करना है। स्वतंत्रता दिवस पर टॉक शो के अलावा विभिन्न विषयों पर ग्राउंड रिपोर्ट का प्रसारण। समाचार सेवा प्रभाग ने आजादी के 75वें वर्ष की शुरुआत को चिह्नित करने के लिए विशेष कार्यक्रमों का प्रसारण किया।

फ) एक भारत श्रेष्ठ भारत

समाचार सेवा प्रभाग (एनएसडीः आकाशवाणी) और इसकी 46 क्षेत्रीय समाचार इकाइयों (आरएनयू) ने एक भारत श्रेष्ठ भारत (ईबीएसबी) और राष्ट्रीय अखंडता, राष्ट्रीय एकता जैसे संबद्ध विषयों को बुलेटिनों, समाचार पत्रिका कार्यक्रमों, टॉक शो और सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर व्यापक कवरेज प्रदान की। एन एस डी ने सभी प्लेटफार्मों पर व्यापक सोशल मीडिया प्रसार किया।

ब) स्वच्छ भारत मिशन का कवरेज

विभिन्न मंत्रालयों के स्वच्छ भारत पखवाड़ा सहित स्वच्छ भारत मिशन से संबंधित विभिन्न गतिविधियों का स्पॉट न्यूज कवरेज किया गया। विशेष कार्यक्रम, टॉक शो भी आयोजित किए गए।

भ) प्रधानमंत्री जन–धन योजना (पीएमजेडीवाई) का 7वां वर्ष

समाचार सेवा प्रभागः आकाशवाणी ने पीएमजेडीवाई के सफल कार्यान्वयन के व्यापक प्रचार के लिए अगस्त में एक मीडिया कार्य योजना तैयार की। समाचार सेवा प्रभागः आकाशवाणी और इसके 46 आर एन यू ने प्राइम टाइम बुलेटिन और समाचार आधारित कार्यक्रम– आज सवेरे और परिक्रमा के माध्यम से पी एम जे डी वाई के तहत भारत सरकार की उपलब्धियों को प्रचारित करने के लिए 28 राज्यों और 08 केंद्र शासित प्रदेशों को कवर किया। आरएनयू ने पी एम जे डी वाई के लाभार्थियों की खबरें और/या वॉयस कास्ट प्रसारित किए। आकाशवाणी और आर एन यू ने पी एम जे डी वाई की प्रगति और सफलता पर विशेषज्ञों के साथ टॉक शो आयोजित किए। सोशल मीडिया/वेबसाइट ने अपने प्लेटफॉर्म पर प्रचार–पूर्व प्रोमो ट्वीट, फोटो, समाचार और साउंड–बाइट उपलब्ध कराए। इन प्लेटफार्मों पर पीएमजेडीवाई से संबंधित सभी गतिविधियों के लिए सामान्य टैगलाइन और हैश टैग का उपयोग किया गया।

म) महत्वपूर्ण दौरे और बैठकें

माननीय राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के लाइव कार्यक्रमों को प्रमुखता से कवरेज दिया गया। माननीय प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय विदेश संबंधों के लिए महत्वपूर्ण कई उच्च स्तरीय बैठकों में भाग लिया। इनके लिए, समाचार सेवा प्रभाग ने बुलेटिनों में लाइव इनपुट सहित नियमित समाचार कवरेज प्रसारित किए। यूट्यूब, वेबसाइट और फेसबुक पर लाइव कवरेज भी किया गया।

कवरेज बैठकों से पहले पूर्वावोलन से शुरू होता है, जो कार्यक्रम की सभी घटनाओं और कार्यों की व्यापक रिपोर्टिंग के लिए अग्रणी होता है। विश्व समाचार, समाचार पत्रिका कार्यक्रम, आज सवेरे और परिक्रमा में ग्राउंड रिपोर्ट के साथ–साथ वार्ता और चर्चा कार्यक्रमों में गहन विश्लेषण भी होता है।

य) ग्राउंड रिपोर्ट

जमीनी स्तर पर सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं एवं कार्यक्रमों के क्रियान्वयन की तथ्यात्मक जानकारी उपलब्ध कराने के लिए सभी प्रमुख बुलेटिनों में प्रतिदिन ग्राउंड रिपोर्ट प्रसारित की जा रही है। देश भर में कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों की बाइट्स भी ग्राउंड रिपोर्ट में शामिल की गई। सभी 46 आरएनयू संबंधित क्षेत्रीय भाषाओं

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री डॉ. एल. मुरुगन के साथ–साथ प्रसार भारती के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री शशि शेखर वेम्पटि और प्रधान महानिदेशक (समाचार) समाचार सेवा प्रभागः आकाशवाणी, श्री एन. वेणुधर रेड्डी, गांधी जयंती, 2021 के अवसर पर आकाशवाणी, दिल्ली के परिसर में स्वच्छ भारत कार्यक्रम में भाग लेते हुए।

में भी ग्राउंड रिपोर्ट प्रसारित करते हैं। सरकार की सभी प्रमुख फ्लैगशिप योजनाओं के लाभार्थियों का साक्षात्कार लिया गया और लाभार्थियों की वाइस बाइट्स को बुलेटिनों में प्रसारित किया गया। व्यापक पहुंच के लिए समाचार सेवा प्रभाग वेबसाइट सहित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ग्राउंड रिपोर्ट साझा की गई।

एए.) खेलो इंडिया गेम्स

समाचार सेवा प्रभागः आकाशवाणी और इसके 46 आरएनयू केंद्र शासित प्रदेश जम्मू–कश्मीर के गुलमर्ग में आयोजित खेलो इंडिया राष्ट्रीय शीतकालीन खेलों को व्यापक कवरेज देते हैं। आकाशवाणी, श्रीनगर संवाददाता द्वारा ग्राउंड रिपोर्ट, आयोजकों और खिलाड़ियों/विजेताओं के साउंड बाइट प्राइम टाइम बुलेटिन और समाचार पत्रिका कार्यक्रमों में प्रसारित किए गए।

बीबी) विशेष साक्षात्कार

समाचार सेवा प्रभागः आकाशवाणी ने फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया, पोलैंड, स्वीडन, कजाकिस्तान और उज्बेकिस्तान सहित कई देशों के उच्चायुक्तों और राजदूतों के साथ साक्षात्कार आयोजित किए। साक्षात्कार इन देशों के साथ विभिन्न क्षेत्रों में भारत के संबंधों पर केंद्रित थे। ये साक्षात्कार वार्ता और समसामयिकी यूनिट के "वर्ल्ड न्यूज़" कार्यक्रम और "स्पॉटलाइट" शो में प्रसारित किए गए।

सीसी) जी–20 और सीओपी 26

समाचार सेवा प्रभागः आकाशवाणी ने रोम में जी–20 शिखर सम्मेलन और ग्लासगो में सीओपी 26 शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री के संबोधन की विशेष कवरेज की। प्रधानमंत्री के साथ गए आकाशवाणी के विशेष संवाददाता की ग्राउंड रिपोर्ट को समाचार सेवा प्रभाग मुख्यालय और उसके 46 आरएनयू से सभी बुलेटिनों में प्रसारित किया गया। समाचार सेवा प्रभाग की वार्ता और समसामयिकी यूनिट और इसके आरएनयू द्वारा विशेष चर्चाओं का भी आयोजन किया गया।

डीडी) संविधान दिवस

नागरिकों के मौलिक कर्तव्यों और उनके अधिकारों पर विशेष ध्यान देने के साथ सभी बुलेटिनों और चर्चा आधारित कार्यक्रमों में संविधान दिवस/कांसटिट्यूशन दिवस से संबंधित गतिविधियों को महत्वपूर्ण रूप से कवर किया गया। आरएनयू ने इस दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कार्यक्रमों की विस्तृत कवरेज भी दी। सोशल मीडिया प्लेटफार्मों

श्री आकाश लक्ष्मण, अपर महानिदेशक (समाचार), (प्रशासन एवं आरएनयू), डॉ. अतुल कुमार तिवारी, अपर महानिदेशक (समाचार) (उत्तरी क्षेत्र), समाचार सेवा प्रभागः आकाशवाणी मुख्यालय में संविधान दिवस, 2021 पर प्रस्तावना पढ़ते हुए

ने भी इस दिवस से संबंधित घटनाओं को पोस्ट किया और प्रमुख सरकारी पदधारियों द्वारा इस दिवस की महत्वता पर दिए गए बयान कवर दिए। संविधान दिवस पर मुख्यालय और आरएनयू दोनों में कर्मचारियों को शपथ दिलाई गई।

ईई) ईयर एंड सीरिज

समाचार सेवा प्रभाग मुख्यालय और इसके आरएनयू के प्रमुख बुलेटिनों में 5 दिसंबर, 2021 से "सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास" विषय के तहत केन्द्र सरकार के मंत्रालयों की उपलब्धियों और कार्यक्रमों/योजनाओं के विश्लेषण को दर्शाने संबंधी विशेष समाचार प्रसारित किए गए।

- **ऑपरेशन गंगा**

युद्ध प्रभावित यूक्रेन से भारतीय छात्रों/नागरिकों को निकालने के लिए भारत सरकार के प्रयासों पर प्रकाश डालने वाली विशेष समाचार और चर्चा कार्यक्रम।

- **विश्व रेडियो दिवस**

दिनांक 13.02.22 को एफएम रेनबो, 102.6 मेगाहट्‌र्ज पर विश्व रेडियो दिवस के अवसर पर आकाशवाणी की विश्वसनीयता विषय पर प्रधान महानिदेशक (समाचार) श्री एन वेणुधर रेड्डी के साथ लाइव ओपन फोरम

एफएफ) विशेष गतिविधियां

- **कल्याणकारी गतिविधियां**
  - समाचार सेवा प्रभाग में महिला कर्मचारियों की शिकायतों के निवारण के लिए आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) मौजूद है। महिला कर्मचारियों के लिए अलग विश्राम कक्ष भी बनाया गया है। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यकों और विकलांग व्यक्तियों के कल्याण के लिए सरकार द्वारा जारी दिशा–निर्देशों का कड़ाई से पालन किया जा रहा है।
- **कार्यशालाएं**
  - राज्य विधानसभा चुनाव से पहले मार्च 2021 में संबंधित क्षेत्रीय समाचार इकाइयों (आरएनयू) द्वारा चेन्नई, गुवाहाटी, कोलकाता और तिरुवनंतपुरम में चार अभिविन्यास कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।

प्रधान महानिदेशक (समाचार) समाचार सेवा प्रभागः आकाशवाणी, श्री एन वेणुधर रेड्डी चेन्नई, तमिलनाडु में प्रसार भारती के अंशकालिक संवाददाताओं के लिए अभिविन्यास कार्यशाला में बोलते हुए।

आरएनयू की टीमों के कौशल को सुधारने और उन्हें कवरेज की प्रकृति के बारे में, क्या करें और क्या न करें, आदर्श आचार संहिता, चुनाव घोषणापत्रों की कवरेज और विभिन्न राजनीतिक दलों की रैलियों आदि के बारे में जानकारी देने का भाव था। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी, प्रधान महानिदेशक (समाचार) एवं अपर महानिदेशक (समाचार) ने सभा को संबोधित किया।

समाचार सेवा प्रभागः आकाशवाणी के प्रधान महानिदेशक (समाचार), श्री एन वेणुधर रेड्डी और महानिदेशक दूरदर्शन, श्री मयंक कुमार अग्रवाल, कोलकाता, पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव, 2021 के कवरेज पर अंशकालिक संवाददाताओं के लिए अभिविन्यास कार्यशाला को संबोधित करते हुए।

समाचार सेवा प्रभागः आकाशवाणी ने सितंबर 2021 में अंग्रेजी/हिंदी समाचार वाचकों के लिए कार्यशाला का आयोजन किया।

वरिष्ठ समाचार वाचक, श्रीमती मिनोती चटर्जी समाचार सेवा प्रभागः आकाशवाणी मुख्यालय, दिल्ली में अंग्रेजी समाचार वाचकों की कार्यशाला को संबोधित करती हुई।

दिनांक 24.12.2021 को ''कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न'' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

श्रीमती वर्तिका शर्मा, वरिष्ठ वकील, केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण, दिल्ली समाचार सेवा प्रभागः आकाशवाणी मुख्यालय, दिल्ली में 'कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न' पर कार्यशाला को संबोधित करती हुई

जी. श्रोता अनुसंधान स्कंधः

बदलते जनसंचार परिदृश्य के साथ, श्रोता अनुसंधान मुख्य केन्द्र बिन्दु है। दुनिया भर में, लगभग सभी बड़े मीडिया संगठन किसी न किसी रूप में इन–हाउस ऑडियंस रिसर्च कर रहे हैं या मार्केटिंग की भाषा में 'मार्केट रिसर्च' कर रहे हैं क्योंकि कोई भी मीडिया संगठन संभावित दर्शकों (उपभोक्ताओं) और मीडिया सामग्री के लिए बाजार को जाने बिना अपने दुर्लभ संसाधन को दांव पर नहीं लगा सकता। इसके अलावा, वे विभिन्न मीडिया और बाजार अनुसंधान संगठनों द्वारा किए गए सिंडिकेटेड रिसर्च को भी स्वीकृति देते हैं। निजी टेलीविजन और रेडियो की सफलता का राज है कि वे अपने श्रोताओं की रूचि को पहचानते हैं तथा वे हमेशा अपने कार्यक्रमों के डिजाइन में परिवर्तन के साथ–साथ प्रस्तुतिकरण को श्रोताओं के अनुसार बनाते हैं।

आकाशवाणी इस क्षेत्र में अग्रणी है। आकाशवाणी में श्रोता अनुसंधान एकांश का विस्तृत नेटवर्क है जो पूरे देश में 1946 से कार्यरत है। ये कार्यक्रम निर्माताओं को कार्यक्रम संबंधी फीडबैक देता है ताकि वे लक्षित श्रोताओं की आवश्यकता, रूचि और आकांक्षाओं के अनुसार कार्यक्रम की योजना, डिजाइन तैयार कर सकें व उसमें परिवर्तन कर सकें। इसके अलावा, आकाशवाणी का श्रोता अनुसंधान एकांश प्रायोजकों, विज्ञापनकर्ताओं और विक्रेताओं को उनके व्यवसायिक लक्ष्यों को पूरा करने के लिए कार्यक्रम रेटिंग/श्रोता आंकडे भी प्रदान करता है। श्रोता अनुसंधान एकांश डाटा बैंक और संदर्भ अनुभाग के रूप में भी अपने संगठन के लिए कार्य करता है।

वर्ष 2021–22 के दौरान 1 अप्रैल, 2021 से 31 मार्च, 2022 तक निम्नलिखित श्रोता अनुसंधान की गतिविधियां/अध्ययन किए गए:

क) प्रसार भारती की वार्षिक रिपोर्ट– 2020–21 के लिए आकाशवाणी (एआईआर) से संबंधित सामग्री का संकलन।

ख) सूचना और प्रसारण मंत्रालय द्वारा प्रकाशित की जाने वाली इंडिया ईयर बुक–2022 के लिए आकाशवाणी से संबंधित सामग्री का संकलन।

ग) सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की वार्षिक रिपोर्ट–2021–22 के लिए आकाशवाणी से संबंधित सामग्री का संकलन

घ) आकाशवाणी, कटक से 2021 का कोविड–19 महामारी प्रसारण पर टेलीफोनिक फीडबैक सर्वेक्षण।

ङ) आकाशवाणी, कोलकाता द्वारा महिषासुरमर्दिनी पर टेलीफोन सर्वेक्षण।

च. आकाशवाणी की बिक्री अवसंरचना:

आकाशवाणी के बिक्री बुनियादी ढांचे में बिक्री प्रभाग (पूर्व सीआरडी), बिक्री केंद्र (पूर्व सीबीएस केंद्र) और सीबीयू (पूर्व सीएसयू) शामिल हैं। चार बिक्री प्रभाग दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और कोलकाता में स्थित हैं। बिक्री केंद्र, दिल्ली बिक्री प्रभाग, दिल्ली का हिस्सा है। सेंट्रल बिलिंग यूनिट (पूर्व सीएसयू) मुंबई में स्थित है। सीबीयू/सीएसयू मुख्य रूप से आकाशवाणी के अखिल भारतीय अभियानों के निष्पादन और बिलिंग के लिए जिम्मेदार है। उपरोक्त के अलावा यह पंजीकृत और मान्यता प्राप्त एजेंसियों से संबंधित सभी रिकॉर्ड भी रखता है। आकाशवाणी का अखिल भारतीय बिक्री केंद्र नेटवर्क इस प्रकार है:

	के नेतृत्वल में	क्षेत्र के अंतर्गत ब्रिकी केन्द्रट
1.	अपर महानिदेशक (कंटेंट ऑपरेशनल) उत्तरी क्षेत्र	1. ब्रिकी केन्द्र जयपुर 2. ब्रिकी केन्द्र चंडीगढ 3. ब्रिकी केन्द्र श्रीनगर 4. ब्रिकी केन्द्र कानपुर
2.	अपर महानिदेशक (कंटेंट ऑपरेशनल) पश्चिमी क्षेत्र	1. ब्रिकी केन्द्र मुंबई 2. ब्रिकी केन्द्र भोपाल 3. ब्रिकी केन्द्र अहमदाबाद
3.	अपर महानिदेशक (कंटेंट ऑपरेशनल) दक्षिणी क्षेत्र	1. ब्रिकी केन्द्र चेन्नई 2. ब्रिकी केन्द्र तिरूवनंतपुरम 3. ब्रिकी केन्द्र बेंगलूरू 4. ब्रिकी केन्द्र हैदराबाद
4.	अपर महानिदेशक (कंटेंट ऑपरेशनल) पूर्वी क्षेत्र	1. ब्रिकी केन्द्र कोलकाता 2. ब्रिकी केन्द्र पटना 3. ब्रिकी केन्द्र कटक

सरकारी विभाग, कॉरपोरेट फर्म और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम आकाशवाणी के ग्राहक हैं। वे अपने उत्पादों, सेवाओं के प्रचार के लिए और सरकारी विभागों के मामले में सामाजिक मुद्दों पर जन जागरूकता पैदा करने और विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी के लिए आकाशवाणी प्लेटफार्म का उपयोग करते हैं।

"किसान वाणी" और "किसान की बात" कृषि और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित दो प्रमुख कार्यक्रम हैं, जो आकाशवाणी द्वारा निर्मित और इसके पैन इंडिया नेटवर्क पर प्रसारित किए जाते हैं। कई अन्य प्रायोजित कार्यक्रम भी आकाशवाणी नेटवर्क पर चलाए जाते हैं जो राजस्व में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

पिछले तीन वर्षों में कुल राजस्व लक्ष्य और आकाशवाणी की बिक्री से प्राप्त राजस्व का सारांश नीचे तालिका में दिया गया है:

पिछले तीन वर्षों का आकाशवाणी का निवल राजस्व						
क्र.सं.	वित्त वर्ष	लक्ष्य	राजस्व		कुल राजस्व	
			सरकारी	गैर सरकारी	राशि	उपलब्धियां %
1	2019-20	6,00,00,00,000	2,03,99,02,286	1,01,23,90,604	3,05,22,92,890	50 %
2	2020-21	3,32,02,00,000	1,46,32,16,307	59,55,08,097	2,05,87,24,404	61 %
3	2021-22	3,21,00,00,000	1,61,00,96,982	70,79,31,712	2,31,80,28,694	71 %